खबरों के 70 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

जबलपुर, गुरुवार 05 नवम्बर 2026 | वर्ष –70 | अंक –343 पृष्ठ –12 मूल्य – 3.00 रु.

■ ट्रंप का खत्म हुआ... ■ खंडित हो गई मोदी की... 04

■ अमेरिकी सीनेट में पहली बार पहुंचा मुस्लिम... ■ पाकिस्तान ने बढ़ाई ताकत, स्वदेशी मिसाइल... 09

■ धनतेरस से पहले चढ़ने लगा सोने का रंग ■ दीवाली पर महंगाई की मार... 11

■ कोहली ने ऑकलैंड... ■ सीरीज जीतकर गौतम... 10

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

'दो बच्चों की शर्त अब प्रासंगिक नहीं'

नई दिल्ली, देशबन्धु। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं। अदालत ने इन कानूनों की संवैधानिक वैधता से जुड़े मामले को बड़ी बेंच के पास भेज दिया है। कोर्ट का कहना है कि देश में जन्म दर लगातार घट रही है और जनसंख्या से जुड़े हालात भी बदल चुके हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अलोक अराधे की बेंच ने कहा कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर सजा देने वाले कानूनों का आधार अब कमजोर हो गया है। पहले इन कानूनों के पीछे बढ़ती आबादी का डर था लेकिन पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या से जुड़े बदलावों ने इस सोच को बदल दिया है। बेंच ने 2003 के 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य' मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर दोबारा विचार करने के लिए मामला बड़ी बेंच को सौंपा है। उस फैसले में कोर्ट ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 के तहत दो बच्चों की शर्त को संवैधानिक माना था। अदालत ने बताया कि 2003 में भारत की कुल प्रजनन दर 3 थी जो अब घटकर 1.9 रह गई है। जबकि आबादी को स्थिर बनाए रखने के लिए प्रजनन दर 2.1 होनी जरूरी मानी जाती है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में देश में बुजुर्गों की आबादी बढ़ सकती है और कामकाजी लोगों की हिस्सेदारी घट सकती है। यह मामला महाराष्ट्र के काकोडा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव इंगले की याचिका से जुड़ा है। उन्होंने तीसरा बच्चा होने के आधार पर अपनी सदस्यता रद्द किए जाने को चुनौती दी थी। मंगला इंगले को महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम, 1959 की धारा 14(1)(j-1) के तहत अयोग्य घोषित किया गया था। इस कानून के मुताबिक, दो से ज्यादा बच्चे होने पर कोई व्यक्ति पंचायत सदस्य या सरपंच का पद नहीं संभाल सकता।

मोदी कैबिनेट के बड़े फैसले

अग्निवीरों को मिलेगा 2 साल का सेवा विस्तार



योग्यता के आधार पर सेना में होंगे भर्ती

नई दिल्ली, देशबन्धु। शुरू से ही विवादों में रही अग्निपथ योजना में सरकार ने अब बदलाव किया है। केंद्र सरकार ने अग्निवीरों के लिए सेवा विस्तार योजना पर बड़ा ऐलान किया है। केंद्रीय कैबिनेट के फैसले के मुताबिक 25 फीसदी अग्निवीर नियमित सैनिक बनेंगे, जबकि बाकी 75 फीसदी अग्निवीरों को दो साल का सेवा विस्तार दिया जाएगा। यानी अग्निवीरों की सेवा चार साल से बढ़ाकर अब छह साल कर दी गई है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दो साल का कार्यकाल पाने वाले अग्निवीरों को प्रदर्शन के आकलन के आधार पर बाद में स्थायी पदों की भी पेशकश की जाएगी। सीडीएस सुब्रमणि ने बताया कि सेवा विस्तार पाने वाले अग्निवीरों को बढ़ा हुआ वेतन और भत्ते मिलेंगे। केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमण्यम ने कहा- अग्निवीरों का पहला बैच अब अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करने के करीब है। इन चार वर्षों में किए गए प्रदर्शन मूल्यांकन के आधार पर, हमें उनके काम को लेकर बहुत सकारात्मक फीडबैक मिला है।

एनर्जी स्टोरेज के लिए वीजीएफ योजना के लिए 14500 करोड़ मंजूर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को ग्रिड-स्केल एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (ईएसएस) के विकास के लिए 14,500 करोड़ रुपए की वायबिलिटी गैप फंडिंग योजना को मंजूरी दे दी है। वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू रहने वाली इस योजना का उद्देश्य देशभर में 92 गीगावाट ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित करना है। सरकार का कहना है कि यह योजना भारत के बिजली क्षेत्र को अधिक मजबूत, लचीला और भविष्य के लिए तैयार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। कैबिनेट ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह योजना देश में वर्तमान ग्रिड-स्केल ऊर्जा भंडारण क्षमता की तुलना में करीब 170 प्रतिशत नई क्षमता जोड़ने में मदद करेगी और वर्ष 2031-32 तक आवश्यक 411 गीगावाट ऊर्जा भंडारण क्षमता हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगी, जिसके जरिए नवीकरणीय ऊर्जा के बड़े पैमाने पर उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

'ट्रंप कार्ड' फेल

यूएस मिडटर्म चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी हारी

वाशिंगटन/ नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी मध्यावधि चुनाव या यूएस मिडटर्म चुनाव-2026 के नतीजे लगभग साफ हो गए हैं। S Midterm Election अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सूपड़ा साफ हो गया है। ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन पार्टी यानी 'ग्रैंड ओल्ड पार्टी' अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में हार चुकी है यानी बहुमत से दूर हो गई है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने दोनों सदनों हाउस और सीनेट में बहुमत हासिल कर लिया है। दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स के हाथों करारी शिकस्त के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने हार स्वीकार कर ली है।



यूएस को मिला पहला मुस्लिम सीनेटर

डेमोक्रेट उम्मीदवार अब्दुल रहमान मोहम्मद अल-सैयद अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर बन सकते हैं. मिशिगन की सीनेट दौड़ में मिस्र मूल के अल-सैयद रिपब्लिकन माइक रोजर्स से 50.7 प्रतिशत बनाम 47.36 प्रतिशत से आगे चल रहे हैं. उनको अब तक 1,511,723 वोट मिले हैं. जबकि, रिपब्लिकन को 1,413,469 वोट. दोनों उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर जारी है. 42 साल के डॉक्टर और पूर्व पब्लिक हेल्थ ऑफिसर अब्दुल रहमान 63 साल के रिपब्लिकन माइक रोजर्स को चुनौती दे रहे हैं. यह एक बेहद अहम मुकाबला है, जिस पर सबकी नजरें टिकी हैं और इससे यह तय हो सकता है कि सीनेट पर किसका कंट्रोल होगा. रहमान को पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा का समर्थन हासिल है.वह पहले भी चुनाव लड़ चुके हैं. 2018 में उन्होंने गवर्नर पद के लिए दावेदारी की थी, लेकिन डेमोक्रेटिक प्राइमरी में उन्हें ग्रेचेन व्हिटमर से हार का सामना करना पड़ा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्वीकारी हार

साथ ही विपक्ष के साथ मिलकर काम करने की बात कही। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव हारने के बाद पहली प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कहा कि वह चुनावी बैलेट पर नहीं थे। अगर उनका नाम बैलेट पर होता, तो उनकी पार्टी बड़े अंतर से जीतती। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा कि मैं इन नतीजों को स्वीकार करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। हम डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करेंगे। उनके साथ काम करने को लेकर हम उत्साहित हैं। उम्मीद है कि हम कोई रास्ता निकाल लेंगे। दरअसल अमेरिकी संसद के हाउस सदन में में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी 220 सीटों पर जीत हासिल कर ली है। जबकरि राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी 129 सीटों पर जीत चुकी है। यहां बहुमत के लिए 218 सीटों की जरूरत होती है। रूझानों में विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स सत्तारुढ़ पार्टी रिपब्लिकन पार्टी से बहुत आगे है। लिहजा डेमोक्रेटिक पार्टी का जीतना लगभग तय है।

भारत विरोधी ग्राहम की बहन को मिली हार

सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुमत-जबकि सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 23 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 15 और रिपब्लिकन पार्टी ने 8 सीटें जीती हैं। बाकी 12 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। इन नतीजों को मिलाकर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 52 और रिपब्लिकन पार्टी के पास 41 सीटें हैं। सीनेट में बहुमत के लिए 51 सीटों की जरूरत होती है। यानी डेमोक्रेट्स ने बहुमत हासिल की। भारत विरोधी रहे लिंडसे ग्राहम की बहन डार्लिन ग्राहम को हार का सामना करना पड़ा है। उन्हें यूएस सीनेट के चुनाव में साउथ कैरोलिना से एनी एंड्र्यूज ने हराया।

सुप्रीम कोर्ट से विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश

'निर्मला सप्रे की विधायकी पर दो महीने में करें फैसला'

नई दिल्ली, देशबन्धु। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के सागर जिले की बीना सीट से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे के कथित दलबदल मामले में राज्य विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को दो महीने के भीतर फैसला करने का निर्देश दिया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने जुलाई 2024 में कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता खत्म करने के लिए याचिका दाखिल की गई थी। करीब ढाई साल से लंबित इस मामले में अब विधानसभा अध्यक्ष को तय समयसीमा में फैसला लेना होगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत आने वाले दलबदल से जुड़े मामलों का जल्द निपटारा किया जाना चाहिए। यह जिम्मेदारी तब भी बनी रहती है, जब हाईकोर्ट को मामले में तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत नजर नहीं आती। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने सिंघार का पक्ष रखा।



मध्य प्रदेश 2023 के विधानसभा चुनाव मामले निर्मला सप्रे कांग्रेस के टिकट पर बीना से विधायक चुनी गई थीं। लोकसभा चुनाव के दौरान 5 मई 2024 को वह सागर जिले के राहतगढ़ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम में पहुंचीं। यहां उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। सीएम की मौजूदगी में बीजेपी नेताओं ने उनका स्वागत किया। सप्रे ने उस वक्त कांग्रेस छोड़नी की वजह भी बताई थी। जिसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की ओर से पूर्व मंत्री इमरती देवी को लेकर की गई टिप्पणी थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा में महिलाओं का सम्मान होता है और वह बीना को जिला बनाने के उद्देश्य से बीजेपी में शामिल हुई हैं।

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश एक्सपोर्ट एंड एफटीए कॉन्क्लेव का करेंगे शुभारंभ

प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने की बनेगी कार्ययोजना

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहचान दिलाने और प्रदेश की निर्यात क्षमता का विस्तार करने के उद्देश्य से गुरुवार, 5 नवंबर को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में मध्यप्रदेश एक्सपोर्ट एंड एफटीए कॉन्क्लेव का शुभारंभ करेंगे।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के सहयोग से आयोजित इस कॉन्क्लेव में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप, केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, निर्यात संवर्धन परिषदों के प्रतिनिधि, उद्योग संगठनों के पदाधिकारी और प्रदेश के प्रमुख निर्यातक शामिल होंगे।

कॉन्क्लेव में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के माध्यम से प्रदेश के निर्यातकों के लिए उपलब्ध नए अवसरों को साझा किया जायेगा और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए व्यापार समझौतों के अंतर्गत भारतीय उत्पादों को मिलने वाली शुल्क रियायतों का लाभ प्रदेश के उद्यमियों तक पहुंचाने, निर्यात प्रक्रियाओं को समझने और नए व्यापारिक साझेदार विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके माध्यम से प्रदेश के औद्योगिक एवं कृषि आधारित उत्पादों के लिए संभावित अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की पहचान करने और निर्यात विस्तार की व्यावहारिक रणनीति पर पैनल में चर्चा की जाएगी।



मुक्त व्यापार समझौतों के माध्यम से , नवाचारों की होगी शुरुआत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉन्क्लेव में प्रदेश के निर्यातकों को मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ दिलाने के लिए महत्वपूर्ण नवाचारों का शुभारंभ करेंगे। इनमें मध्यप्रदेश एफटीए कार्ययोजना 2026-27, मध्यप्रदेश एफटीए निर्यातक मार्गदर्शिका, मध्यप्रदेश एफटीए हेल्पडेस्क, एमपी ट्रेड पोर्टल का एफटीए मॉड्यूल और मध्यप्रदेश एफटीए एक्सेलेरेटर शामिल हैं। एफटीए कार्ययोजना के माध्यम से प्रदेश के निर्यात विस्तार के लिए प्राथमिकता वाले उत्पादों, औद्योगिक क्लस्टरों और संभावित अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की पहचान की जाएगी।

सीईसी ज्ञानेश कुमार पर 2 करोड़ की रिश्वत मांगने का आरोप

त्रिवेंद्रम, एजेंसी । मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। केरल सरकार ने उनके खिलाफ करीब 20 साल पुराने रिश्वत मांगने के आरोपों की जांच कराने का फैसला किया है। केरलम के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने इस मामले में विजिलेंस विभाग को जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला उस समय का है, जब ज्ञानेश कुमार केरल में लोक निर्माण विभाग के सचिव के पद पर तैनात थे।

आरोप है कि सड़क निर्माण परियोजना का काम पूरा होने के बाद भुगतान जारी करने के बदले ज्ञानेश कुमार ने एक ठेकेदार से 2 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी। यह पूरा मामला केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट से जुड़ा हुआ है। कोल्लम के ठेकेदार साजन ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि, अभी तक इन आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है और विजिलेंस विभाग पूरे मामले की जांच करेगा।यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब कांग्रेस समेत विपक्षी दल पहले से ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर स्ट्रक्कयानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में गड़बड़ी के आरोप लगाकर सवाल उठा रहे हैं।

20 साल पुराने मामले की होगी जांच, केरल सरकार ने दिए विजिलेंस जांच के आदेश

शिकायतकर्ता ठेकेदार साजन का आरोप है कि चस्स्क्रक प्रोजेक्ट के तहत सड़क निर्माण का काम पूरा होने के बाद इंजीनियरों ने करीब 17 करोड़ रुपये के बिलों को मंजूरी दे दी थी। इसके बावजूद भुगतान के चेक जारी नहीं किए गए।साजन के मुताबिक, उस समय ज्ञानेश कुमार पीडब्ल्यूडी सचिव थे और उन्होंने भुगतान जारी करने के बदले कथित तौर पर 2 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी। भुगतान अटकने के कारण मलेशियाई कंपनी क्क्ष्ड्ड-क्क्ष्श्वर उसके ठेकेदारों और कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बिरादरी बात

चूहा-सुनती हो- छात्रावास की समस्याओं को लेकर अब शहडोल के छात्र 90 किमी पैदल निकल पड़े।

चुहिया- **हां प्रिये**-सबक पर सबक के बाद भी व्यवस्था सबक न ले तो यही होगा।





छात्रावास क अव्यवस्थाओं से नाराज छात्रों का गुस्सा फूटा

कलेक्ट्रेट में शिकायत के लिए 90 किमी पैदल निकले

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल जिले के आवासीय छात्रावासों में आखिर ऐसा क्या हो रहा है कि वहां रहने वाले छात्र-छात्राएं अपनी समस्याएं लेकर सीधे कलेक्टर से मिलने के लिए पैदल ही जिला मुख्यालय पहुंच रहे हैं। पिछले कुछ महीनों से सामने आ रहे ऐसे मामलों ने छात्रावासों की व्यवस्थाओं और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब नया मामला ब्यौहारी के मॉडल छात्रावास खड़ौली से सामने आया है, जहां करीब 50 छात्र व्यवस्थाओं से नाराज होकर जिला मुख्यालय के लिए पैदल रवाना हो गए।

बुधवार तड़के छात्रावास से निकले इन छात्रों को करीब 90 किलोमीटर की दूरी तय कर कलेक्ट्रेट पहुंचना है। सुबह 10:30 बजे तक छात्र लगभग 25 किलोमीटर पैदल चल चुके थे। छात्रों का कहना है कि वे अब अपनी समस्याएं किसी अन्य अधिकारी के सामने नहीं रखेंगे, बल्कि सीधे कलेक्टर से मुलाकात कर उन्हें पूरी स्थिति बताएंगे। छात्रों के इस रुख से प्रशासनिक अमले में भी हलचल मच गई।



अधिकारियों ने समझाने का किया प्रयास, बस से जाने को भी कहा-छात्रों के छात्रावास छोड़कर पैदल निकलने की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। एसडीएम, तहसीलदार सहित शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने छात्रों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों की ओर से बस और अन्य वाहनों की व्यवस्था भी की गई, ताकि बच्चों को पैदल न चलना पड़े। हालांकि छात्र अपनी जिद पर अड़े रहे। उनका कहना है कि वे पैदल ही कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर के सामने अपनी बात रखेंगे।

विवाद और मारपीट की भी चर्चा- बताया जा रहा है कि छात्रावास के भीतर कुछ छात्रों के बीच विवाद हुआ था, जिसमें मारपीट की स्थिति भी बनी थी। मामला पुलिस तक पहुंचा था, लेकिन बाद में अधिकारियों की ओर से दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया गया। हालांकि मौजूदा घटनाक्रम के पीछे यही विवाद मुख्य वजह है या छात्रावास की अन्य व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। गौरतलब है कि जिले में इससे पहले भी छात्रावासों से छात्र-छात्राओं के पैदल कलेक्ट्रेट पहुंचने के मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर छात्रावासों में ऐसी कौन सी समस्याएं हैं, जिनके समाधान के लिए बच्चों को अधिकारियों के दरवाजे तक पैदल पहुंचना पड़ रहा है। प्रशासनिक स्तर पर भी इन घटनाओं की पड़ताल की जा रही है।

कच्चा तेल, सोना-चांदी से लेकर शेयर बाजार तक

ट्रंप की हार से भारत पर क्या असर?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव 2026 के नतीजों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है. डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमेरिकी संसद के दोनों सदनों यानी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स पर अपना कब्जा जमा लिया है.

अमेरिका में आए इस सियासी भूकंप से वहां नीतिगत फैसले अटकने (पॉलिसी पैरालिसिस) का खतरा पैदा हो गया है. सवाल ये है कि ट्रंप की इस हार से भारत को फायदा होगा या नुकसान? सोने-चांदी, कच्चे तेल से लेकर भारतीय शेयर बाजार और रुपये पर इसका क्या असर पड़ेगा।

डॉलर से निकलकर भारत आएगा पैसा: ट्रंप की हार से अमेरिकी नीतियों में रुकावट आएगी, जिससे डॉलर और वहां के बॉन्ड मार्केट पर बुरा असर पड़ रहा है. इस अनिश्चितता के कारण दुनिया भर के बड़े निवेशक अपना पैसा (स्मार्ट मनी) डॉलर से निकालकर सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने-चांदी और भारत के शेयर बाजार की तरफ शिफ्ट करेंगे. **भारत में सोने-चांदी के ताजा भाव:** चुनावी नतीजों के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 3,903 से 3,913 डॉलर प्रति औंस और चांदी 49.67 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है. वहीं भारतीय बाजार में 24 कैरेट सोने का भाव 1,42,263 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 1,86,150 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है. **दीवाली तक 1.50 लाख छू सकता है सोना:** मिंट की रिपोर्ट में बाजार के जानकारों ने अनुमान लगाया है कि मौजूदा हालात अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने को उछालकर 4,200 डॉलर प्रति औंस तक ले जा सकते हैं. अगर ऐसा होता है, तो दिवाली 2026 तक भारत में 10 ग्राम सोने का भाव 1,50,000 रुपये के स्तर को छू सकता है, जो आम खरीदारों के लिए बड़ा झटका होगा.

पुराने आंकड़े भी दे रहे तेजी की गवाही: ब्रमेश टेक एनालिसिस के अलावा वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के ऐतिहासिक आंकड़ों पर नजर डालें, तो पिछले 14 अमेरिकी मिडटर्म चुनावों में से 11 बार कीमती धातुओं में जोरदार तेजी देखी गई है. चुनाव के बाद के 6 महीनों में सोने ने औसतन 6.3 फीसदी तो चांदी ने 16.8 फीसदी की मजबूत बढ़त दर्ज की है.

ट्रंप की युद्ध शक्तियों पर लगेगी लगाम: 28 फरवरी से चल रहे अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का रास्ता बंद था, जिससे तेल की सप्लाई रुकी हुई थी. रॉयटर्स की रिपोर्ट बताती है कि संसद में डेमोक्रेट्स का बहुमत आने से अब ट्रंप की युद्ध जारी रखने की ताकत काफी सीमित हो जाएगी.

ईरान के साथ समझौते का दबाव: संसद में हार के बाद अब ट्रंप पर ईरान के साथ समझौता करके स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोलने का भारी दबाव रहेगा. ट्रंप ने खुद भी ईरान पर तुरंत किसी नए हमले की योजना से इनकार किया है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए अच्छी खबर है।

महज 8 मिनट में 500 किमी की दूरी

प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, देशबन्धु। भारत ने फिर दुनिया को दिखा दिया कि रक्षा तकनीक में हम तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के चांदीपुर से प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण किया। लॉन्चपैड नंबर-3 से दागी गई इस मिसाइल ने करीब 500 किमी दूर मौजूद दो कृत्रिम लक्ष्यों को



सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। सेना और वायुसेना में शामिल किए जाने के बाद इसे पाकिस्तान की सीमाओं पर तैनात किया जाएगा। पश्चिमी व उत्तरी सीमा पर तैनाती के लिए 120 मिसाइलों की खरीद को मंजूरी मिली है। इसे नई रॉकेट फोर्स में शामिल किया जाएगा जिसका काम शत्रु ठिकानों को 30 मिनट में तबाह करना होगा। इसमें कम ऊंचाई पर उड़ान भरने, तेज रफ्तार और रास्ते में दिशा बदलने की क्षमता है। स्वदेशी क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल प्रलय आवाज की गति से पांच गुना से भी अधिक तेज है। यह 500 किमी की दूरी 7 से 8 मिनट में तय कर लेती है।

दुश्मन के लिए खोजना व रोकना भी चुनौतीपूर्ण-सामान्य बैलिस्टिक मिसाइलें एक तय रास्ते पर आगे बढ़ती हैं, लेकिन प्रलय लॉन्च के बाद भी अपनी दिशा बदलते हुए आगे बढ़ती है और लक्ष्य के करीब पहुंचने पर बेहद तेज गति से नीचे की ओर हमला करती है। एक मिसाइल की कीमत ब्रह्मोस से 60 फीसदी कम है लेकिन रनवे तबाह करने की क्षमता उतनी ही है। इसकी रफ्तार मैक-5 से अधिक है।

अमेरिका से युद्ध के बीच ईरान का बड़ा फैसला

भारतीय जहाजों को दी होर्मुज से गुजरने की छूट

तेहरान, एजेंसी। ईरान सरकार ने यह साफ कर दिया है कि उसने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में भारतीय जहाजों की आवाजाही पर लगे प्रतिबंधों से पूरी छूट दे दी है. इस फैसले के तहत भारतीय व्यापारिक जहाजों को बिना किसी रोक-टोक के इस बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने की अनुमति रहेगी.ईरान की संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के उपाध्यक्ष अहमद हयात-मुकद्दम ने इस फैसले की जानकारी दी.अहमद हयात-मुकद्दम ने एक आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि ईरान ने चार देशों-भारत, चीन, इराक और कतर को इस जलमार्ग के इस्तेमाल की विशेष छूट दी है. हयात-मुकद्दम के अनुसार, इन चार देशों के जहाज ईरानी दृष्टिकोण से पूरी तरह स्वतंत्र होकर आवाजाही कर सकते हैं. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका को भी इन देशों के जहाजों की आवाजाही से कोई आपत्ति नहीं है.

छूट देने के पीछे ईरान की अपनी वजह-ईरानी अधिकारी ने बहुत स्पष्ट शब्दों में बताया कि इन देशों को छूट देने के पीछे ईरान के व्यावसायिक और कूटनीतिक हित जुड़े हैं. **भारत:** भारत को यह छूट इसलिए दी गई है ताकि ईरान आवश्यक दवाओं का आयात जारी रख सके. **चीन:** चीन को छूट देने का मुख्य उद्देश्य राजनीतिक समर्थन हासिल करना है. इसके साथ ही, चीन के साथ व्यापारिक लेन-देन और वित्तीय संबंध भी बनाए रखे जा रहे हैं.

अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच कूटनीतिक कोशिशें-एक तरफ जहां व्यापारिक जहाजों को छूट दी जा रही है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य तनाव को लेकर भी ईरान के भीतर हलचल तेज है. 'अल अरबिया' की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के आंतरिक सुरक्षा आकलनों में अमेरिका के साथ सीधे युद्ध की संभावना को सबसे प्रमुख माना जा रहा है. सैन्य संघर्ष की इस गंभीर आशंका के बावजूद ईरान का शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व कूटनीतिक रास्ता तलाशने की कोशिश कर रहा है.

कतर की मध्यस्थता और ईरान का रुख

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची मिलकर देश के सैन्य नेतृत्व पर दबाव बना रहे हैं. ये सभी नेता कतर द्वारा पेश किए गए शांति प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाने की सलाह दे रहे हैं ताकि संभावित युद्ध को टाला जा सके. हाल ही में कतर के प्रतिनिधिमंडल ने सीधे तेहरान की यात्रा की थी. उनका मकसद किसी लंबी बातचीत में उलझना नहीं, बल्कि शांति प्रस्ताव के ढांचे पर ईरान का अंतिम और आधिकारिक जवाब हासिल करना था।

पीओजेके में नागरिकों की मौत पर बवाल

मुजफ्फराबाद। पाक के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में नागरिकों की मौत और मानवाधिकार उल्लंघन के कथित मामलों को लेकर एक बार फिर विवाद तेज हो गया है। जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी ने बाग जिले के पांडी इलाके में नागरिकों की कथित हत्याओं की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग की है। संगठन ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच जरूरी है। इसके साथ ही संगठन ने ब्रिटेन में पब्लिक एक्शन कमेटी के समर्थन में हुए विरोध प्रदर्शनों का भी उल्लेख किया है। संगठन के अनुसार, विदेशों में रहने वाले कश्मीरी समुदाय के लोग भी क्षेत्र में कथित दमन और मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी ने पांडी में हुई मौतों को लेकर स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता जताई है। संगठन का कहना है कि घटना से संबंधित परिस्थितियों और जिम्मेदारी का पता लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच कराई जानी चाहिए.छ्यछ्ष्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी अपने संदेशों में घटना को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। संगठन ने सवाल उठाया है कि नागरिकों की मौत के मामलों में पारदर्शी जांच और जवाबदेही सुनिश्चित क्यों नहीं की जा रही है। संगठन ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के प्रधानमंत्री की ओर से उसके खिलाफ लगाए आरोपों पर भी सवाल उठाए हैं।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, अनूपपुर (म.प्र.)

-: अधिसूचना :-

अनूपपुर, दिनांक 29 अक्टूबर 2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक टेरेटरी मैनेजर (रिटेल) भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड जबलपुर ग्राम केनापारा तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर (म.प्र.) स्थित आराजी खसरा नम्बर 688/2, 694/2 के अंशभाग पर न्यू रिटेल आउटलेट (पेट्रोल / डीजल) पंप स्थापित किये जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र चाहा गया है।

अतः पेट्रोलियम नियम, 2002 के नियम, 144 के अन्तर्गत, प्रश्नगत आराजी पर पेट्रोल / डीजल पम्प की स्थापना से यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्ति अधिसूचना प्रकाशित होने के 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय में लिखित में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि समाप्त होने उपरान्त प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

FOR CHANGE OF NAME

It is for general information that I, BHAVANA SHARMA W/o Late Sanjeev Sharma D/o Late RAM NARAYAN SHUKLA, residing at H.No. 192 phootatal, Durga Chowk, Ward No. 24, Hanumantal Ward, Jabalpur (M.P.) 482001 declare that name of mine has been wrongly written as BHAWNA in Service Record of my father. The actual name of mine is BHAVANA SHARMA, which may be amended accordingly.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

BHAWNA
INCORRECT NAME
BHAVANA SHARMA
CORRECT NAME
(BHAVANA SHARMA)
R.No. 2891 Applicant

FOR CHANGE OF NAME

I, PRACHI GONTIA, D/o SHRI MANISH PACHORI, W/o SHRI YASH GONTIA, age 28 years, R/o 765/B, Near Muskan Gallery, Wright Town, Jabalpur, M.P., have changed my name from Prachi Gontia to Prachi Pachori, for all future, Legal & Official purposes vide Affidavit dated -03.11.2026 executed before the Notary Public at Jabalpur. Hereforth, I shall be known & addressed as PRACHI PACHORI R.No. 2895

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मुन्ना मेहरा पिता श्री गणपतलाल मेहरा, निवासी ग्राम कटंगी, तहसील जबेरा, जिला, दमोह (म.प्र.) हूं। मेरे आधार कार्ड एवं मतदाता परिचय पत्र (वोटर आईडी) में मेरा नाम मुन्ना मेहरा अंकित है। मैंने अपना नाम परिवर्तित कर रामसेवक मेहरा रख लिया है। भविष्य में मैं रामसेवक मेहरा के नाम से जाना एवं पहचाना जाऊंगा। दोनो नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

दिनांक 04/11/26
अधिवक्ता पक्षकार की ओर से
एड. रमन पटेल
मो. 9981779136
र.नं. 2892

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील अधारताल, जिला जबलपुर (म.प्र.)

रा.प्र.क्रं/4061/अ-6/2026-2027
जबलपुर, दिनांक 22/10/26

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका :- श्रीमति गुड्डी कोल पति स्व. सुदर्शन कोल निवासी ग्राम खैरी, करौंदा नाला के पास, तह. अधारताल, जबलपुर म.प्र. द्वारा मौजा खैरी, नं.ब. 472, प.ह.नं. 61, रा.नि.मं. महाराजपुर, तह. अधारताल जिला जबलपुर स्थित खसरा नं. 19 रकवा 1.4500 हे. भूमि, फौती नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। आवेदिका की सास स्व. चमेली बाई कोल की मृत्यु दिनांक 28/09/2019 एवं आवेदिका के ससुर स्व. कुलई राम कोल की मृत्यु पूर्व में हो चुकी हैं तथा आवेदिका के पति स्व. सुदर्शन कोल की मृत्यु भी हो चुकी है। वर्तमान राजस्व अभिलेख में स्व. चमेली बाई कोल का नाम सहखातेदार के रूप में दर्ज है। तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक 9/11/26 तक कार्यालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील अधारताल महोदय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक 22/10/2026
पेशी दिनांक 09/11/2026

र.नं. 2900
अतिरिक्त तहसीलदार,
अधारताल, जबलपुर

In The Court of XXIX Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur

presiding Officer:
शुभांगी पालो दत्त
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक
(MJC SUC/ 0000056/ 2025)
सिद्धार्थ सेन ....आवेदक
Vs
शाखा प्रबंधक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ....
अनावेदक
Process Id- /2026
पेशी दिनांकः-11/12/2026

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- जबलपुर म.प्र.
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सिद्धार्थ सेन पता- म.नं.-10 ए विजय नगर, रांझी जबलपुर (म.प्र.) ने मृतक स्व. लीना सेन निवासी- सर्वोदय अस्पताल की 1. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, शाखा रांझी, जबलपुर (म.प्र.) 2. भारतीय स्टेट बैंक शाखा रांझी जबलपुर (म.प्र.) 3. पोस्ट ऑफिस खमरिया जबलपुर (म.प्र.) राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 11 दिसम्बर 2026 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 11 दिसम्बर 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 04 नवम्बर 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी-प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ उत्तराधिकार प्रमाण पत्र हेतु भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 की धारा 372 के अंतर्गत के प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

र.नं. 2901
(श्रीमती शुभांगी पालो दत्त)
उन्नीसवें व्यवहार न्यायाधीश
(वरिष्ठ खण्ड) जबलपुर (म.प्र.)

In The Court of VI Additional District and Session Judge District Court, Jabalpur

Presiding Officer: किशोर कुमार मिश्रा
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MJC GW/ 0000062/ 2026)
परमानंद यादव................वादी
Vs
आम जनता ..... प्रतिवादी
Process Id-2026
पेशी दिनांक 07/01/2027

प्रेषिती
(1) आम जनता पता- जबलपुर म.प्र.

यह कि प्रार्थी परमानंद यादव ने आपके विरूद्ध एम जे सी जी डब्ल्यू आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 7 8 10 एवं 17 संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1890 वास्ते अप्राप्तवय की ओर से संरक्षक नियुक्त करने बावत की छायाप्रति संलग्न के लिए वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसे सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 02 नवम्बर 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी- प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 7 8 10 एवं 17 संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1890 वास्ते अप्राप्तवय की ओर से संरक्षक नियुक्त करने बावत की छायाप्रति संलग्न

कृपया ध्यान दें:
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

र.नं. 2899
(के.के. मिश्रा)
जिला न्यायाधीश (षष्टम)
जबलपुर (म.प्र)

म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्या.

मुख्यालय, जहांगीराबाद भोपाल

क्र./यां.शा./903/2026 भोपाल, दिनांक 04.11.2026

निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

विपणन संघ द्वारा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत संचालित कृषि महाविद्यालय की परियोजना **''नवीन 100 बिस्तरों वाले स्नातक बालक छात्रावास के निर्माण कार्य''** हेतु केन्द्रीयकृत पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से E-Tender प्रणाली के अन्तर्गत **www.mptenders.gov.in** पर केवल Online प्रतिशत दर के आधार पर निविदाएं **दिनांक 19.11.2026 को सायं 05:30 बजे तक** आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र एवं कार्य के संबंध में अन्य जानकारी एवं अनिवार्य शर्तें निविदाकारों को मध्यप्रदेश शासन के ई-निविदा के पोर्टल **www.mptenders.gov.in** पर प्राप्त होंगी एवं विपणन संघ की वेबसाइट **www.mpmarkfed.mp.gov.in** पर भी अवलोकनीय होंगी।

क्र.	Tender Ref. No.	कार्य का नाम	निविदा राशि (रु. में)
1	2423	जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत संचालित कृषि महाविद्यालय की परियोजना ''नवीन 100 बिस्तरों वाले स्नातक बालक छात्रावास के निर्माण कार्य'' (2nd Call)	5,67,13,486.00

नोट :- 01. आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना अथवा संशोधन संबंधी जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल एवं वेबसाइट पर प्रदर्शित की जावेगी।

म.प्र. माध्यम/128947/2026
मुख्य अभियन्ता (सि.)

न्यायालय नायब तहसीलदार पनागर जिला जबलपुर

रा.प्र.क्र. ....../अ-6/2026-27

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक हीरालाल काछी पिता स्व. केशरी प्रसाद निवासी- महगवां ने ग्राम महगवां प.ह.नं. महगगंज रा.नि.मं. .... स्थित भूमि खसरा नं. 426 रकवा 0.180, हे. भूमि का फौती/ वसीयत / विक्रय पत्र/ दानपत्र/ पारिवारिक व्यवस्था पत्र/ आपसी बटवारा के आधार पर नामांतरण बंटवारा/ अभिलेख दुरूस्त/ रकवा सुधार/ नक्शा बटांक हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में पेश किया गया है। अतः उक्त भूमि के नामांतरण बंटवारा/अभिलेख दुरूस्ती/ रकवा सुधार/ नक्शा बंटाक जिस किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इश्तहार प्रकाशन की तिथि से 13/11/26 दिनों के अंदर स्वयं उपस्थित होकर या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में पेश कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। इश्तहार आज दिनांक 27/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सुनवाई दिनांक-13/11/2026

र.नं. 2903
नायब तहसीलदार
पनागर

न्यायालय नायब तहसीलदार पनागर जिला जबलपुर

रा.प्र.क्र. 1394/अ-6/2026-27

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक लखन लाल पिता बाला प्रसाद निवासी- ग्राम पड़रिया ने ग्राम पड़रिया प.ह.नं. 52 रा.नि.मं. .... स्थित भूमि खसरा नं. 68, 69, 204/2, 260/2, 289/2, 305/2, 307/2 रकवा 0.10, 0.08, 0.14, 0.05, 0.02, 0.20, 0.13, 0.20 कुल रकवा 0.94 हे. भूमि का फौती के आधार पर नामांतरण बंटवारा/ अभिलेख दुरूस्त/ रकवा सुधार/ नक्शा बटांक हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में पेश किया गया है। अतः उक्त भूमि के नामांतरण बंटवारा/अभिलेख दुरूस्ती/ रकवा सुधार/ नक्शा बंटाक जिस किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इश्तहार प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अंदर स्वयं उपस्थित होकर या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में पेश कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। इश्तहार आज दिनांक 04/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सुनवाई दिनांक-19/11/2026

र.नं. 2903
नायब तहसीलदार
पनागर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील अधारताल, जिला जबलपुर (म.प्र.)

रा.प्र.क्रं/2258/अ-6/2026-2027
जबलपुर, दिनांक 15/10/26

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक :- प्रदीप कुमार काछी पिता ओमप्रकाश काछी निवासी- 557, बावली महाराजपुर, तह. अधारताल, जिला जबलपुर, द्वारा मौजा- बैतला, प.ह.नं. 01, तह. अधारताल जिला जबलपुर स्थित खसरा नं. 58/2/1/1, रकवा 2000 वर्गफुट है। आवेदक के नाना स्व. भगवान दास पिता भैयालाल की मृत्यु दिनांक 26/12/1974 एवं आवेदक की नानी स्व. रंचियाबाई पति स्व. भगवान दास काछी की मृत्यु पूर्व में हो चुकी हैं तथा आवेदक की मां स्व. चंदाबाई कुशवाहा (काछी) की मृत्यु दिनांक 30/03/2014 को हो चुकी है। आवेदक द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर फौती नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान राजस्व अभिलेख में जबलपुर विकास प्राधिकरण का नाम दर्ज है। तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक 06/11/26 तक कार्यालय नायब तहसीलदार तहसील अधारताल महोदय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक 15/10/2026
पेशी दिनांक 06/11/2026

र.नं. 2900
नायब तहसीलदार,
अधारताल, जबलपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक - 1 बालाघाट (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण- सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 37/ व.ले.लि./2026-27 बालाघाट, दिनांक 27.10. 2026

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट **www.mptender.gov.in** पर देखा जा सकता है।

सं. क्रं.	टेण्डर क्रं.	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (राशि लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.
1.	2026_PWDRB_545592	बालाघाट	डाबरी चौरिया लांजी बी.टी. सड़क का कार्य लंबाई 3.70 कि.मी	तृतीय आमंत्रण	225.20	225200.00	15000.00	07 माह वर्षा ऋतु सहित
				कुल योग	225.20			

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र आनलाईन क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 16/11/2026 (17.30) बजे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज आनलाईन ही जमा किये जायेंगें। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

G-21034/26
स्वच्छता ही सेवा
कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक-1 बालाघाट

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक - 1 बालाघाट (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण- सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 38/ व.ले.लि./2026-27 बालाघाट, दिनांक 28.10. 2026

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट **www.mptender.gov.in** पर देखा जा सकता है।

सं. क्रं.	टेण्डर क्रं.	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (राशि लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.
1.	2026_PWDRB_546066	बालाघाट	विशेष मजबूतीकरण कार्य। 1. जेवनारा से केरेगांव मार्ग लम्बाई 2.30 कि.मी. 2. कुल्पा से चिचमटोला मार्ग लम्बाई 2.20 कि. मी. 3. बेनेगांव से कटोरी मार्ग लम्बाई 1.80 कि.मी. 4. बेनेगांव से साल्हे मार्ग लम्बाई 2.80 कि.मी. 5. बहेला से गोरें मार्ग लम्बाई 2.40 कि.मी. कुल लम्बाई 11.50 कि.मी.	नांवा आमंत्रण	218.93	219000.00	15000.00	03 माह वर्षा ऋतु सहित
				कुल योग	218.93			

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र आनलाईन क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 18/11/2026 (17.30) बजे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज आनलाईन ही जमा किये जायेंगें। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

G-21035/26
स्वच्छता ही सेवा
कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक-1 बालाघाट

कार्यालय कलेक्टर जिला सिवनी एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग

(प्रारुप क)
नियम 04

क्रमांक / 4665/ जि.भू.अ./2026 सिवनी दिनांक 15/10/2026

राज्य सरकार, समुचित सरकार प्रभावित क्षेत्रों में ग्राम स्तर पर यथा स्थिति संबंधित ग्राम पंचायत जेवनारा तहसील बरघाट परामर्श से निम्न भूमि का अधिग्रहण सिवनी-बालाघाट मार्ग (राज्य राजमार्ग क्रमांक-72) का सिवनी बायपास सहित 4 लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाइब्रिड एन्युटी मोड (HAM) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण कार्य हेतु करना चाहती है, और लोक प्रयोजन के लिये सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करना चाहती है, अध्ययन का कार्य भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 04 के प्रावधानों एवं भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार (प्रतिकर पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन, विकास योजना) नियम 2015 के अनुसार किया जाएगा।

1	परियोजना विकासक का नाम	संभागीय प्रबंधक, म.प्र. सड़क विकास निगम लिमिटेड संभाग छिंदवाड़ा
2	भूमि के प्रस्तावित अर्जन का प्रयोजन	सिवनी-बालाघाट मार्ग (राज्य राजमार्ग क्रमांक-72) का सिवनी बायपास सहित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाइब्रिड एन्युटी मोड (HAM) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण
3	अध्ययन का कार्य हाथ में लेने वाले सामाजिक समाघात निर्धारण दल के सदस्यों का विवरण	1 अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी बरघाट 2 तहसीलदार, बरघाट 3 वन परिक्षेत्र अधिकारी बरघाट जिला सिवनी 4 सहायक कृषि विस्तार अधिकारी बरघाट जिला सिवनी 5 कार्यपालन यंत्री, जलसंसाधन विभाग संभाग क्र-1 सिवनी 6 कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) सिवनी
4	भूमि का विवरण	
क	जिला	सिवनी
ख	तहसील	बरघाट
ग	ग्राम / नगर	जेवनारा
घ	कुल प्रभावित क्षेत्र	2.168 हे.
ड	अर्जित होने वाला क्षेत्र	शासकीय भूमि 0.896 हे. एवं निजी भूमि 1.272 हे.
5	प्रस्तावित परियोजना का संक्षिप्त विवरण	सिवनी-बालाघाट मार्ग (राज्य राजमार्ग क्रमांक-72) का सिवनी बायपास सहित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाइब्रिड एन्युटी मोड (HAM) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण हेतु
6	परियोजना क्षेत्र और प्रभावित क्षेत्र	ग्राम जेवनारा परियोजना क्षेत्र 2.168 हे. एवं प्रस्तावित क्षेत्र 2.168 हे.
7	क्या ग्राम सभा और या भूमि धारक की सहमति अपेक्षित है	नहीं
8	सामाजिक समाघात निर्धारण पूर्ण किये जाने की तारीख	अधिसूचना प्रकाशन से छः माह के भीतर

1. अर्जित की जाने वाली उपरोक्त प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) एवं भू-अर्जन अधिकारी बरघाट जिला सिवनी के कार्यालय में किया जा सकता है।
2. अर्जित की जाने वाली उपरोक्त प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण संभागीय प्रबंधक, म.प्र. सड़क विकास निगम लिमिटेड व्ही.आई.पी. (सरकुलर) रोड फॉरेस्ट कॉलोनी छिंदवाडा संभाग छिंदवाड़ा में किया जा सकता है

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(नेहा मीना) कलेक्टर सिवनी एवं पदेन उपसचिव
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला सिवनी (म.प्र.)

स्वच्छता ही सेवा
G-21020/26

लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा में भाजपा का शक्ति प्रदर्शन, कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस ईवीएम की चिंता छोड़ आत्मचिंतन करे : नड्डा

सत्ता नहीं मिलने पर देश को अस्थिर करने की कोशिश : यादव







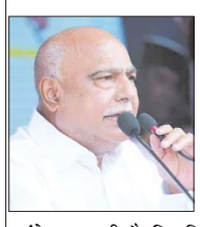
भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस पर चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने बुधवार को राजधानी में 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' संकल्प के साथ पदयात्रा निकाली। अटल पथ पर आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य शामिल हुए। भाजपा ने पदयात्रा में एक लाख से अधिक लोगों की भागीदारी का दावा किया। नेताओं ने कांग्रेस और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखे राजनीतिक हमले किए।

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस चुनाव में हार का ठीकरा ईवीएम और चुनाव आयोग पर फोड़ने के बजाय आत्मचिंतन करे। कांग्रेस और इंडी गठबंधन साजिश के तहत संवैधानिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास कमजोर कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की 140 करोड़ जनता के दिलों में बसते हैं। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाकर कांग्रेस भारतीय लोकतंत्र की अंतरराष्ट्रीय साख को नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने एसआईआर का समर्थन करते हुए कहा कि आजादी के बाद यह प्रक्रिया 12 बार हुई, जिनमें 10 बार कांग्रेस शासनकाल में हुई। नड्डा ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी रक्षक बनने का दावा करने वाली कांग्रेस ने ही आपातकाल में नागरिक अधिकारों का गला घोंटा था। उस दौरान करीब 1.30 लाख लोगों को मीसा और डीआईआर के तहत जेल में डाला गया। उन्होंने बताया कि वे स्वयं भी आपातकाल के भुक्तभोगी हैं।

कांग्रेस चुनाव में हारने पर ईवीएम और चुनाव आयोग को दोष देती है, जबकि जीत मिलने पर चुनाव प्रक्रिया सही लगती है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने कहा कि भाजपा के लिए संविधान राष्ट्रीय ग्रंथ है, जबकि कांग्रेस इसे केवल राजनीतिक प्रदर्शन का माध्यम बनाती है। उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाने को एक देश, एक विधान की परिकल्पना साकार करने वाला कदम बताया।**ये रहे मौजूद :** पदयात्रा में संसदीय बोर्ड के सदस्य सत्यनारायण जटिया, सांसद विष्णुदत्त शर्मा, आलोक शर्मा और दर्शन चौधरी, मंत्री करण सिंह वर्मा, विश्वास सारंग, चैतन्य काश्यप, कृष्णा गौर और नरेंद्र शिवाजी पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुराम चौधरी, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, विधायक रामेश्वर शर्मा और भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय तथा भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र यति सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस जब सत्ता से बाहर होती है तो देश को अस्थिर करने का प्रयास करती है। न्यायालय ने जब-जब कांग्रेस के खिलाफ निर्णय दिया, उसने न्यायपालिका पर सवाल उठाए। आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की आड़ में राजनीति चमका रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि बड़े शहरों के बाद अब जिलों में भी पदयात्राएं निकाली जाएंगी।

एसआईआर का विरोध कर रही कांग्रेस : खण्डेलवाल



भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस एसआईआर पर सवाल उठाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बना रही है, लेकिन अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं दे रही। उन्होंने सवाल किया, क्या कांग्रेस चाहती है कि विदेशी नागरिकों और मृत व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें? उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है।

राहुल ने 'इंसाफ रैली' में कहा- पंजाब में नशा सबसे बड़ा मुद्दा

नशा खत्म करने में विफल रही 'आप' सरकार

- मुख्यमंत्री भगवंत मान पर भी साधा निशाना
- पंजाब की सरकार दिल्ली से चलाई जा रही



संगरूर, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पंजाब में नशे की समस्या खत्म करने में आम आदमी पार्टी सरकार को पूरी तरह विफल बताते हुए लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में ऐसी सरकार बनाने की अपील की जो राज्य को नशे से मुक्त कर सके और युवाओं को रोजगार दे सके।

श्री गांधी ने बुधवार को यहां 'इंसाफ रैली' को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब में नशा सबसे बड़ा मुद्दा है और आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने से पहले राज्य से नशा खत्म करने का वादा किया था लेकिन वह इस समस्या को समाप्त नहीं कर पायी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यदि राज्य को नशे के खिलाफ सख्ती से लड़ना है तो मुख्यमंत्री को नशे में नहीं रहना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि मौजूदा सरकार पंजाब के किस कोने से नशा खत्म करने में सफल रही है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि पंजाब की सरकार दिल्ली से चलाई जा रही है जबकि राज्य को ऐसी सरकार की जरूरत है जो पंजाब से ही चले तथा यहां के लोगों के हित में फैसले करे। उन्होंने पंजाब के लोगों से ऐसी सरकार बनाने की अपील की जो नशा खत्म करे, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा दे, युवाओं को रोजगार दे और किसानों की रक्षा करे । उन्होंने पंजाब के लोगों से कांग्रेस की सरकार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि यह काम कांग्रेस ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि जब वह कई वर्ष पहले पहली बार पंजाब आये थे, तभी उन्होंने राज्य में नशे की समस्या फैलने की चेतावनी दी थी। उस समय भाजपा, अकाली दल और अन्य विपक्षी दलों ने उनकी बात को यह कहकर खारिज कर दिया था कि उन्हें पंजाब की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि पंजाब में उद्योगों, कारखानों और मजबूत कृषि क्षेत्र के अभाव में नशे तथा 'गैंगस्टर'की समस्या बढ़ी है और सड़कों पर गोलीबारी हो रही है।

श्री गांधी ने कहा कि एक समय पंजाब में कांग्रेस की सरकार के दौरान ऑटोमोबाइल उद्योग के साथ बड़ी संख्या में लघु एवं मध्यम उद्योग थे जिनसे बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होते थे लेकिन आज खेती और उद्योग दोनों संकट में हैं। पंजाब के किसानों ने पूरे देश को भोजन दिया है इसलिए उनकी रक्षा करना जरूरी है।

फिर दी मोदी को बहस की चनौती

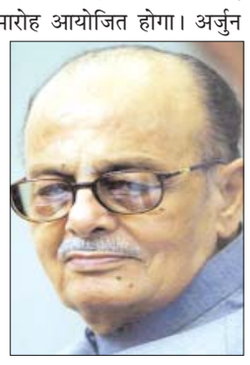
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संगरूर रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमने-सामने बहस की फिर चुनौती दी। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उनसे बहस करने की हिम्मत नहीं दिखाएंगे। उन्होंने यहां तक दावा किया कि अगर दोनों के बीच पांच मिनट भी बहस हो जाए तो वह साबित कर देंगे कि मोदी देशद्रोही हैं और ट्रंप उन्हें नियंत्रित कर रहे हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश पर 2 करोड़ की रिश्वत मांगने का आरोप



त्रिवेंद्रम, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। केरल सरकार ने उनके खिलाफ करीब 20 साल पुराने रिश्वत मांगने के आरोपों की जांच कराने का फैसला किया है। केरलम के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने इस मामले में विजिलेंस विभाग को जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला उस समय का है, जब ज्ञानेश कुमार केरल में लोक निर्माण विभाग के सचिव के पद पर तैनात थे। आरोप है कि सड़क निर्माण परियोजना का काम पूरा होने के बाद भुगतान जारी करने के बदले ज्ञानेश कुमार ने एक ठेकेदार से 2 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी। यह पूरा मामला केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट से जुड़ा हुआ है। कोल्लम के ठेकेदार साजन ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि, अभी तक इन आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है और विजिलेंस विभाग पूरे मामले की जांच करेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब कांग्रेस समेत विपक्षी दल पहले से ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर स्क्रूक्रयानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में गड़बड़ी के आरोप लगाकर सवाल उठा रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की जयंती पर कार्यक्रम आज



भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की 96वीं जयंती पर 5 नवंबर को यादें अर्जुन सिंह समारोह आयोजित होगा। अर्जुन सिंह सद्भावना मंच द्वारा सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान में अर्जुन सिंह अलंकार और अंतर्राष्ट्रीय मुशायरे का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी मंच के सचिव महेन्द्र सिंह चौहान ने दी। उन्होंने मीडिया को बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र सिंह के मुख्य अतिथि और पूर्व सांसद चौधरी लाल सिंह अध्यक्षता मे यह कार्यक्रम होगा। चौहान ने बताया कि इस आयोजन में वरिष्ठ पत्रकार राजदीप सरदेसाई, क्रिकेटर ईश्वर चंद्र पांडेय, वेटलिफ्टर ऋषिका पटेल और गोविंद गोयल होंगे सम्मानित। इन हस्तियों को अर्जुन सिंह अलंकार से नवाजा जाएगा।

जैरोन खालसा नगर परिषद अध्यक्ष को हटाने के लिए 61.52 प्रतिशत मतदान

भोपाल, देशबन्धु। निवाड़ी जिले की नगर परिषद जैरोन खालसा की अध्यक्ष कुसुम पस्तोर को पद से वापस बुलाने के लिए बुधवार को हुए मतदान में 61.52 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव दिनेश श्रीवास्तव ने बताया कि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मतगणना 6 नवंबर को होगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 के आम निर्वाचन में कुसुम पस्तोर अध्यक्ष निर्वाचित हुई थीं। नगर परिषद के 15 निर्वाचित पार्षदों में से 12 ने मध्य प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा 47 के तहत अध्यक्ष को पद से वापस बुलाने का प्रस्ताव कलेक्टर को सौंपा था। इसी प्रक्रिया के तहत मतदान कराया गया।

अदालत ने केंद्र व चुनाव आयोग से मांगा जवाब

चुनाव आयुक्तों को आजीवन कानूनी छूट क्यों?



नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को चुनाव आयुक्तों को आजीवन मिलने वाली कानूनी छूट को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। 2023 की धारा 16 के तहत मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों को अपने सरकारी कामकाज के दौरान किए गए फैसलों के लिए आपराधिक मुकदमों से आजीवन कानूनी सुरक्षा दी गई है। याचिका में धारा 16 पर सवाल उठाया गया है कि क्या चुनाव आयुक्तों को इस तरह कानूनी कार्रवाई से छूट देना संविधान के अनुरूप है।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा वी. महादेवन की पीठ ने यह नोटिस जारी किया। याचिका सामाजिक कार्यकर्ता और वकील अरुण कुमार अग्रवाल ने दायर की है।

कोई अदालत मुख्य निर्वाचन आयुक्त या चुनाव आयुक्त के खिलाफ उनके आधिकारिक काम से जुड़े मामले में दीवानी या आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं कर सकती। यदि ऐसी कार्यवाही पहले से चल रही है, तो अदालत उसे आगे भी जारी नहीं रख सकती। यह सुरक्षा सिर्फ पद पर रहते हुए नहीं, बल्कि पद छोड़ने के बाद भी लागू रहती है। यह संरक्षण उन कामों पर लागू है जो अधिकारी ने चुनाव आयुक्त के पद पर रहते के दौरान किए हैं।

2 से अधिक बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि दो से अधिक बच्चे होने पर दंड देने वाले कानूनों की प्रासंगिकता खत्म हो गई है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि भारत में प्रजनन दर लगातार घट रही है। ऐसे में इन कानूनों का अब कोई औचित्य नहीं रह गया है। इनकी फिर से समीक्षा की जरूरत है। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने महाराष्ट्र के काकोडा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव की अयोग्यता को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की, जिन्हें तीसरा बच्चा होने के कारण चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित किया गया था। अपनी टिप्पणी में कोर्ट ने कहा, 'पिछले दो दशकों में भारत की जनसांख्यिकीय स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। पिछले कुछ दशकों में आए जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण जनसंख्या विस्फोट का डर अब नहीं रहा। इसका प्रमाण यह है कि प्रजनन दर 3 से घटकर 1.9 पर आ गई है।

मुख्यमंत्री ने एसपी-कलेक्टरों को किया सतर्क, दिए निर्देश

अवैध शराब और प्रतिबंधित पटाखों पर बरतें सख्ती

खाद की किल्लत हुई तो कलेक्टर होंगे जिम्मेदार



भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपावली और आगामी त्योहारों के मद्देनजर प्रदेश में कानून व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि त्योहारों के दौरान अवैध शराब की बिक्री, निर्माण और परिवहन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रतिबंधित पटाखों के साथ कार्बाइड गन और कार्बाइड लैंप के उपयोग पर भी रोक लगाई जाए। किसानों को खाद-उर्वरक की आपूर्ति में परेशानी हुई तो संबंधित जिले के कलेक्टर जिम्मेदार होंगे।

मुख्यमंत्री बुधवार को समत्व भवन से प्रदेश के सभी कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कानून व्यवस्था और त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दीपावली सभी लोग हर्षोल्लास से मनाएं, लेकिन किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधि नहीं होनी चाहिए। बाजारों में फल, फूल, दीपक और झालर की दुकानें लगाने वाले छोटे व्यापारियों को तहबाजारी से छूट देकर अनावश्यक परेशानी से बचाया जाए। अधिकारी गरीब बस्तियों, अनाथालयों और वृद्धाश्रमों में बच्चों एवं बुजुर्गों के साथ दीपावली मनाएं। **जहरीली शराब बनाने वालों पर कठोर कार्रवाई :** मुख्यमंत्री ने अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस और आबकारी विभाग को संयुक्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध शराब के ठिकाने चिह्नित करने, परिवहन करने वाले वाहनों का भौतिक सत्यापन करने और शराब के नमूने लेकर उनकी जांच कराने को कहा। निर्धारित कीमत से अधिक पर शराब बिक्री रोकने तथा अवैध एजेंटी, पैकारी और डायरी व्यवस्था समाप्त करने के निर्देश भी दिए। **नशे के नेटवर्क पर प्रहार :** मुख्यमंत्री ने गांजा और अफीम जैसी मादक पदार्थों की अवैध खेती रोकने, नशा बनाने वाली प्रयोगशालाएं बंद कराने और नारकोटिक्स नेटवर्क ध्वस्त करने के लिए विशेष दल बनाने को कहा। अपराधियों पर पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई तथा स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए। जिलों में नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र स्थापित करने पर भी जोर दिया।

धनतेरस पर शत-प्रतिशत रजिस्ट्री कराने का लक्ष्य, 9 को गोवर्धन पूजा

मुख्यमंत्री ने धनतेरस पर मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे पट्टों को पक्की रजिस्ट्री में बदलने का अभियान तेज करने को कहा। कलेक्टर सांसद-विधायकों के साथ गांवों में जाकर शत-प्रतिशत रजिस्ट्री सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय कार्य करने वाले पटवारी और तहसीलदार 26 जनवरी को सम्मानित होंगे। उन्होंने 9 नवंबर को प्रदेशभर में गोवर्धन पूजा आयोजित करने, गौशालाओं में गौपूजन और पशुपालकों को सम्मानित करने के निर्देश भी दिए। वहीं, सामान्य से कम वर्षा वाले 12 जिलों में आनावारी के आंकड़े आने के बाद फसल सर्वे कर पात्र किसानों को राहत देने को कहा। बैठक में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गौशालाओं को उपलब्ध कराया जाएगा सुदाना पशु आहार

- पशुपालन एवं डेयरी विभाग, गौसंवर्धन बोर्ड
- सांची दुग्ध महासंघ और पशुधन विकास निगम के बीच हुआ अनुबंध

भोपाल, देशबन्धु। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा मध्यप्रदेश की पंजीकृत गौशालाओं में संरक्षित निराश्रित गोवंश के बेहतर भरण-पोषण एवं पोषण व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके अंतर्गत प्रदेश की पंजीकृत गौशालाओं में सुदाना पशु आहार पहुंचाकर उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए बुधवार को संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी विभाग में आयोजित बैठक में पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड, मध्यप्रदेश राज्य दुग्ध महासंघ (सांची) तथा मध्यप्रदेश पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के बीच एमओयू किया गया। अनुबंध के अनुसार, राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सांची दुग्ध महासंघ, भोपाल एवं मध्यप्रदेश पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम द्वारा पंजीकृत गौशालाओं तक सुदाना पशु आहार प्रदाय किया जाएगा। इससे गौशालाओं में आश्रित निराश्रित गोवंश के भरण-पोषण की व्यवस्था को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। बैठक में मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड के प्रबंध संचालक एवं पशुपालन एवं डेयरी विभाग के संचालक डॉ. पी.एस. पटेल, मध्यप्रदेश राज्य दुग्ध महासंघ, भोपाल के प्रबंध संचालक डॉ. जयदीप बिस्वास, मध्यप्रदेश राज्य दुग्ध महासंघ के समूह प्रमुख (समन्वय) डॉ. शुभांकर नंदा, मध्यप्रदेश पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के कार्यपालिक संचालक डॉ. प्रवीण शिंदे, मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड के रजिस्ट्रार एवं पशुपालन एवं डेयरी विभाग के डॉ. अनुपम अग्रवाल, गौसंवर्धन बोर्ड के अतिरिक्त उपसंचालक डॉ. विनीत तिवारी तथा संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अतिरिक्त उपसंचालक डॉ. प्रियकांत पाठक सहित संबंधित संस्थाओं के विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली रैली में न जाने पर युकां के 60 पदाधिकारियों पर गिरी गाज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 1 नवंबर को हुई कांग्रेस की 'वोट चोरी' रैली में शामिल नहीं होना मप्र युवा कांग्रेस के 60 पदाधिकारियों को भारी पड़ा है। राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर संगठन ने नौ जिलाध्यक्ष,5 उपाध्यक्ष, 14 महासचिव और 32 सचिवों को निलंबित कर दिया है। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को आयोजित कांग्रेस की 'वोट चोरी' रैली में शामिल न होने वाले 60 पदाधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि दिल्ली में आयोजित वोट चोरी रैली से अनुपस्थित रहने के कारण संगठनात्मक अनुशासनहीनता सामने आई है। इसी वजह से राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। निलंबित 60 पदाधिकारियों में नौ जिलाध्यक्ष, 5 उपाध्यक्ष, 14 महासचिव और 32 सचिव शामिल हैं। उपाध्यक्ष पद से निलंबित होने वालों में शिवराज यादव, राजवीर सिंह कुड़िया, योगिता सिंह परिहार, प्रमोद सिंह खरे और नीरज पटेल शामिल हैं।

DABUR INDIA LIMITED
Regd. Office: 8/3, Asaf Ali Road, New Delhi - 110 002
CIN - L24230DL1975PLC007908
Tel. No.: 011-23253488, Website: www.dabur.com
E-mail: corpcomm@dabur.com

UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND HALF YEAR ENDED SEPTEMBER 30, 2026

The consolidated and standalone unaudited financial results of the Company for the quarter and half year ended September 30, 2026, approved by the Board of Directors in their meeting held on November 4, 2026, along with the Auditors' Limited Review Reports thereon (expressing an unmodified opinion), as filed with the Stock Exchanges under Regulations 33 and 52 of the SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015 are available on the Stock Exchanges websites (www.bseindia.com & www.nseindia.com), the Company's webpage (www.dabur.com/investor/financial-information/results) and can also be accessed by scanning the following Quick Response Code.

For and on behalf of the Board of Directors

Mohit Burman
Chairman
DIN: 00021963

Place: New Delhi
Date: November 4, 2026

CHANGE OF NAME

I Gudiya W/o Avdhesh Pandey R/o Mahsua 516, Rewa, Madhya Pradesh - 486114, have changed my name to Nisha Pandey

कृति

नेशनल कांफ्रेंस में संकट गहराया

अब 10 बागी विधायकों ने की बैठक

जम्मू, देशबन्धु। क्या जम्मू कश्मीर की राजनीति एक और बड़े बदलाव की ओर बढ़ रही है? सत्ताधारी नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के भीतर हो रहे नए घटनाक्रम बताते हैं कि पार्टी के सामने खड़ा राजनीतिक संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। खबरों के अनुसार, कल रात श्रीनगर में नेकां के लगभग 10 नाराज विधायकों ने बंद कमरे में एक और बैठक की। इससे संकेत मिलता है कि पार्टी के भीतर बढ़ रहे असंतोष को शांत करने की कोशिशें अभी तक बेनतीजा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक हैदरपोरा में टगमर्ग के विधायक पीरजादा फारूक अहमद शाह के आवास पर हुई। विधायकों ने अपनी पुरानी मांगों पर चर्चा की और पार्टी नेतृत्व पर सुधारात्मक कदम उठाने के लिए दबाव बनाने की साझा रणनीति बनाई। बैठक में शामिल होने वालों में नजीर अहमद गुरेजी, मुबारक गुल, कैसर जमशेद लोन और बशीर अहमद वीरी के नाम सामने आए हैं। यह बैठक 30 अक्टूबर को 18 विधायकों की उस मुलाकात के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने सरकार के कामकाज, कैबिनेट के गठन और पार्टी के मामलों में गैर-चुने हुए लोगों के कथित दखल पर सवाल उठाए थे। करीब 19 विधायकों ने संगठन और सरकार में बदलाव की मांग करने वाले एक प्रस्ताव का भी समर्थन किया था।

27 अक्टूबर को हुए कैबिनेट विस्तार के बाद यह संकट और गहरा गया, जब नेकां के चार विधायकों को मंत्री बनाया गया।

जबनपुर, गुरूवार, 05 नवम्बर 2026
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

ट्रंप का खत्म हुआ दबदबा

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए बड़ा झटका साबित हुए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के लिए इन चुनावों को बड़ी परीक्षा माना जा रहा था। क्योंकि अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने कई ऐसे फैसले लिए जिसका सीधा असर न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था और राजनीति पर पड़ा, बल्कि अमेरिका के भीतर भी सवाल खड़े होने लगे कि क्या दुनिया का सबसे बड़ा यह लोकतांत्रिक देश नफरत और हिंसा का प्रतिनिधि बनकर रह जाएगा। गौरतलब है कि अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप ने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का नारा बुलंद करते हुए नयी टैरिफ नीति घोषित कर दी, जिसकी चपेट में भारत समेत कई देश आए। अमेरिका में काम करने, नागरिकता हासिल करने और वीज़ा के नए कड़े नियम बना दिए, जिसका असर लाखों लोगों पर पड़ा। ईरान पर इजरायल के कहने से ट्रंप ने हमला बोला, जिसकी वजह से न केवल हजारों निर्दोषों की मौत हुई, बल्कि होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर पाबंदी लगाने को ईरान मजबूर हुआ और इसका खामियाजा सारी दुनिया ने भुगता। ईरान के मीनाब शहर में बच्चियों के स्कूल पर अमेरिकी हमले के बारे में अमेरिका में सवाल उठे, लेकिन ट्रंप ने इस पर जवाब नहीं दिया। वेनेजुएला में राष्ट्रपति मादुरो निकोलस के सुरक्षा गार्डों को रिश्वत देकर अपने साथ मिलाना और फिर उन्हें पत्नी समेत अगवा कर लेने का काम ट्रंप ने किया, मानो दुनिया अब भी मध्यकाल में जी रही है। कई देशों के आंतरिक मामलों या चुनावों में दखल देने का काम अमेरिका हमेशा ही करता रहा है, ट्रंप ने इस रवायत को बरकरार रखा, हालांकि इससे उनका अपना ही नुकसान हुआ।

बहरहाल, अब जो मध्यावधि चुनावों के नतीजे आए हैं, उसमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट, दोनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। इसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या अब ट्रंप के लिए बचे दो सालों का कार्यकाल खासा मुश्किल होने लगा है। वैसे अमेरिकी संविधान में 'सेपरेशन ऑफ पावर' की व्यवस्था है। यानी शक्तियों का बंटवारा है। संसद, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति की शक्तियां अलग-अलग हैं और कोई किसी के काम में दखल नहीं दे सकता। खास बात ये है कि राष्ट्रपति संसद के प्रति उत्तरदायी नहीं है। इसलिए सीनेट और प्रतिनिधि सभा में करारी हार के बावजूद राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप की कार्यकारी शक्तियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन अब वो कोई कानून अपनी मर्जी से पास नहीं करवा पाएंगे। इसके लिए संसद की जरूरत होती है। डेमोक्रेट्स की संख्या 90 होने के कारण, उनके सभी बिल रोक दिए जाएंगे। दूसरी बात, बजट पर संसद का नियंत्रण होता है। तो ट्रंप के लिए मागा जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए कोई फंडिंग नहीं मिल पाएगी। वहीं व्यापार समझौतों और युद्ध के लिए फंडिंग के वास्ते संसद की मंजूरी जरूरी होगी, तो यहां भी मर्जी नहीं चल पाएगी। तीसरी बात जजों/अधिकारियों की मनमानी नियुक्ति नहीं कर पाएंगे, सीनेट उनके द्वारा चुने गए नामों को रोक देगी। ट्रंप पर अब महाभियोग का खतरा बढ़ सकता है। एपस्टीन फाइल्स जैसे कुछ मामलों में डेमोक्रेट्स जांच शुरू कर सकते हैं और महाभियोग की प्रक्रिया भी ला सकते हैं।

इन नतीजों में कुछ चौंकाने वाले नतीजे आए हैं। जैसे डेमोक्रेट्स ने कई ऐसे राज्यों में भी जीत दर्ज की, जिन्हें पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन का मजबूत इलाका माना जाता रहा है। टेक्सास, साउथ कैरोलाइना, आयोवा और कंसास जैसे राज्यों में उनकी सफलता विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। कई रिपब्लिकन उम्मीदवारों को भी हार का सामना करना पड़ा, जिन्हें ट्रंप का समर्थन प्राप्त था। मिशिगन सीट से जीत कर डेमोक्रेट अब्दुल अल सैयद अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर बन गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान अब्दुल के खिलाफ काफी नफरती टिप्पणी की थी। इस पर अब्दुल ने अब तंज कसते हुए कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप को मेरा नाम लेने में दिक्कत होती थी, अब वह मुझे सीनेटर कह सकते हैं। इसी तरह इल्हान उमर पांचवी बार जीती हैं, उन्हें मिनेसोटा से भारी जीत हासिल हुई है। ट्रंप ने इल्हान उमर की शादी को लेकर भी काफी सवाल उठाए थे। इल्हान उमर की नागरिकता की जांच भी चल रही है। इसके बावजूद उन्हें जीत मिली। जॉर्जिया में डेमोक्रेटिक पार्टी की केइसा लांस बॉटम्स ने इतिहास रच दिया है। केइसा लांस बॉटम्स पहली अश्वेत महिला हैं जो अमेरिका में किसी राज्य की गवर्नर चुनी गई हैं।

तो ऐसे कई बड़े उलटफेर हुए हैं, जिन पर कहा जा रहा है कि यह सब ट्रंप की नीतियों से जनता की नाराजगी के परिणाम हैं। ट्रंप ने अपने भाषणों और बयानों में काफी व्यक्तिगत हमले लोगों पर किए, लेकिन अमेरिकी जनता ने इस बार अपने उदार चरित्र को दिखाया है। ट्रंप ने भी अब जनता की मर्जी को स्वीकार कर लिया है। वैसे भी उनका यह अंतिम कार्यकाल है, दो बार के बाद तीसरी बार राष्ट्रपति का चुनाव वो नहीं लड़ेंगे, लेकिन ट्रंप के कारण रिपब्लिकन पार्टी को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई करने में वक्त लगेगा। ट्रंप ने अब मान लिया है कि ईरान पर युद्ध के कारण जनता ने साथ नहीं दिया। ट्रंप ने कहा भी है कि अब ईरान पर हमला नहीं होगा, न ही इजरायल को आर्थिक मदद दी जाएगी। ईरानी संसद के अध्यक्ष एम बी गालिबाफ ने भी कहा है कि चाहे अंतरात्मा की आवाज़ हो या जीवन-यापन का सवाल, अमेरिकियों ने 'युद्ध को ना' कहा है, और हम इस संदेश का समर्थन करते हैं।

लेकिन यह सब इतने सरल समीकरण नहीं हैं। ट्रंप ने अकेले के दम पर युद्ध नहीं छेड़ा था, उसके पीछे जो कार्पोरेट लॉबी काम कर रही थी, क्या वह ट्रंप पर या अब किसी और तरीके से अमेरिकी सत्ता पर दबाव नहीं बनाएगी और दुनिया में अशांति फैलाने की कोशिश नहीं करेगी, इन सवालों के जवाब तलाशने होंगे।

वैसे कांग्रेस सांसद अभिषेक सिंघवी ने मजेदार टिप्पणी की है कि नतीजे बता रहे हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति के बजाय, ईरान ने अमेरिका में सत्ता परिवर्तन (रेजीम चेंज) सफलतापूर्वक कर दिया है!

खंडित हो गई मोदी की छवि, अब सुधार मुश्किल

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

नरेन्द्र मोदी अब लाख कोशिश कर लें, लेकिन अब किसी भी तरह वे अपनी उस छवि को खंडित होने से नहीं रोक सकते, जो उनके प्रचार तंत्र ने बड़ी मेहनत से गढ़ी थी। नयी पीढ़ी को हमेशा अपने लिए एक नायक की तलाश रहती है, ऐसा व्यक्ति जो हर तरह से उन्हें प्रेरित करे और उनकी नाराजगी को अभिव्यक्ति दे। 2014 के तत्कालीन लोकतांत्रिक भारत में जब दस सालों की यूपीए सरकार की कुछ बातों और देश के हालात को लेकर तब की नयी पीढ़ी में नाराजगी थी, तब नरेन्द्र मोदी को किसी अवतार की तरह पेश किया गया था कि देश इनके हाथों में सौंपों और बस सारी समस्याओं से मुक्ति पाओ। लोगों ने इस प्रचार पर यकीन कर मोदी को प्रधानमंत्री बनाया। उनके वादे भी कितने लुभावने थे-हर साल दो करोड़ रोजगार, सबके खाते में 15-15 लाख, काला धन वापस लाना, सस्ता तेल, सस्ती गैस उपलब्ध करना, बुलेट ट्रेन चलाना, काशी को क्योटो बनाना। लेकिन समय बीतते न बीतते ये तमाम वादे जुमले साबित हो गए। बल्कि अब तो हाल ऐसा है कि जुमलों और वादों के बीच का अंतर ही खत्म हो गया है। 2014 से 2026 आ गया, समस्याएं खत्म नहीं हुईं, बल्कि नयी समस्याएं खड़ी हो गईं। जैसे वोट का अधिकार खत्म हो गया, जिस राम मंदिर के लिए लोगों ने खून बहाने से परहेज नहीं किया, वहां चढ़ावा चोरी हो गया, युवाओं के सामने पढ़ने और रोजगार पाने के मौके खत्म कर दिए गए। इन सब पर जनता का गुस्सा बढ़ता गया। लेकिन अपनी सत्ता के सुखों में कैद मोदी ने जनता की भावनाओं को देखना जरूरी नहीं समझा। ऐसे में नयी पीढ़ी का मोह भंग मोदी और उनके वादों से हो चुका है।

देश का युवा देख रहा है कि यह सरकार इतनी लाचार है कि विपक्ष के खिलाफ पदयात्रा निकाल रही है और लोकतंत्र बचाने की मांग कर रही है। इस बीच राहुल गांधी ने मोदी की अवतारी छवि को चूर-चूर करने के लिए एक बड़ा प्रहार कर दिया है।

31 अक्टूबर को देश में शायद पहली बार विपक्ष ने मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया। जिसमें ज्ञानेश कुमार पर महाभियोग प्रस्ताव लाया गया। फिर एक नवंबर को इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में महारैली हुई, जिसमें जनता का जोश देखकर मोदी सरकार सकते में है। इसके बाद 2 नवंबर को राहुल गांधी ने मोदी को खुली बहस की चुनौती दी और फिर 3 नवंबर को वापस अपनी चुनौती को दोहराया। चार दिन के ये चार हमले मोदी सरकार पर काफी भारी पड़ चुके हैं, यह भाजपा नेताओं की प्रतिक्रियाएं बता रही है। दरअसल 31 अक्टूबर को मोदी ने गुजरात में आरोप लगाया था कि विदेश जाकर देश-विरोधी ताक़तों के सहारे देश को कमज़ोर करने की साज़िश रची जा रही है। इस पर राहुल गांधी ने मोदी को खुली बहस की चुनौती दी थी। और कहा था कि आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और विदेशी मदद से ही प्रधानमंत्री बने हुए हैं। आपकी आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह विदेशियों के नियंत्रण में और समर्थन से है। विदेशी सोशल मीडिया पूरी तरह आपके साथ खड़ा है। मैं आपको इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूं। कोई भी मंच, किसी भी समय। हिम्मत है तो आइए। आप नहीं आएंगे, क्योंकि जो मैं आपके बारे में जानता हूं आप उससे डरते हैं।

> **31 अक्टूबर को मोदी ने गुजरात में आरोप लगाया था कि विदेश जाकर देश-विरोधी ताक़तों के सहारे देश को कमज़ोर करने की साज़िश रची जा रही है। इस पर राहुल गांधी ने मोदी को खुली बहस की चुनौती दी थी। और कहा था कि आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और विदेशी मदद से ही प्रधानमंत्री बने हुए हैं। आपकी आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह विदेशियों के नियंत्रण में और समर्थन से है।**

मोदी ने 3 तारीख तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी तो राहुल ने फिर कहा कि 24 घंटे हो गए मोदी जी। मैंने आपको चैलेंज दिया है। आप कहते हो कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी स्टेज पर आप जगह चुनिए, मेरे साथ डिबेट कीजिए। देशद्रोही कौन है? विदेशी फोर्सेस का कनेक्शन किसका है और किस तरह का कनेक्शन है? जल्दी से जल्दी कीजिए, डरिए मत।' उन्होंने कहा, 'दोनों मिलेंगे, मीडिया होगी, देश के युवा होंगे, टेबल होगी। एक तरफ़ आप बैठोगे, एक तरफ़ मैं बैठूंगा। जिसको आप जज बनाना चाहते हो, बना दो. मोहन भागवत जी को बिठा दो, चलो और फिर डिबेट करते हैं।' राहुल ने यह भी कहा कि मुझ पर कम से कम 45 मामले मानहानि के लगे हुए हैं। लेकिन इस डिबेट के मामले में, विदेशी कनेक्शन के मामले में आप मानहानि का मुक़दमा नहीं लगा रहे हो। लगाइए ना, वहां भी खुलकर डिस्कस करेंगे। ये सब डिस्कस करते हैं, आइए। हैप्पी दिवाली, मोदी जी।' मोहन भागवत को जज बनाने और विदेशी कनेक्शन पर बहस की चुनौती देकर राहुल ने भाजपा के सामने दीपावली के पहले ही बड़ा बम फोड़ दिया है। आनन-फानन में तमाम भाजपा नेता मोदी के सामने रक्षापंक्ति बनाकर खड़े हो गए हैं। जैसे शतरंज में राजा को शह और मात से बचाने के लिए कैसलिंग की जाती है, यानी राजा को हाथी की आड़ में कर दिया जाता है, और फिर बाकी मोहरे सामने आते हैं, वही खेल इस समय मोदी के लिए रचा जा रहा है। किरण रिजिजू ने तो राहुल की चुनौती को गंभीर मानने से इंकार कर दिया, यानी बहस का सवाल ही नहीं। निशिकांत दुबे ने कहा पहले मुझसे बहस कीजिए फिर मेरे नेता पर आइए। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, नरेंद्र मोदी की सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। संसद चलने दो। हम विशेष सत्र बुलाकर एसआईआर पर चर्चा के लिए तैयार हैं। आप संसद चलने दीजिए और चर्चा में दो-दो हाथ कर लीजिए। देश की जनता को मालूम हो जाएगा कि सही क्या है और झूठ क्या है। हालांकि शाह भी इस बात को अच्छे से जानते हैं कि पूरे मानसून सत्र में राहुल से बचने के लिए मोदी-शाह संसद परिसर में होते हुए भी सदन में नहीं आए। आखिरी दिन वंदेमातरम के लिए खड़े होकर चार मिनट में चले गए। जबकि इस दौरान विपक्ष के सांसदों ने एसआईआर, चुनाव सुधार पर चर्चा का मुद्दा उठाया, मगर मोदी-शाह जवाब देने नहीं आए।

निर्मला सीतारमण, गिरिराज सिंह जैसे तमाम सांसद भी अब राहुल को संसद में बहस के लिए बुला रहे हैं। पता नहीं ये सांसद अपने प्रधानमंत्री से क्यों नहीं कहते कि हमने आपको सदन का नेता चुना है तो जवाब देने के लिए आप खुद आइए, हमें आगे मत करिए। खैर ये लोग तो फिर भी सांसद हैं तो राहुल को संसद आने कह सकते हैं। मगर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता न जाने किस हक से राहुल से कह रही हैं कि आप संसद आकर बहस कीजिए और फिर उसमें 1975 से लेकर 1984 तक सबका जिक्र कर रही हैं। बिल्कुल मोदी वाला अंदाज है ये कि आप सीधे सवाल का सीधा जवाब देने की जगह बस विपक्ष को कोसते रहें। रेखा गुप्ता को क्या इतना भी नहीं पता कि वे केवल दिल्ली विधानसभा में बोलने का हक रखती हैं, संसद में नहीं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा तो रेखा गुप्ता से एक कदम आगे निकले। उन्होंने राहुल गांधी को इस बात पर घेरा कि अपनी चुनौती के आखिरी में उन्होंने लाल गुलाब के साथ मोदी को हैप्पी दीवाली क्यों कहा। बिस्वासरमा ने राहुल के ज्ञान में इजाफा किया कि राहुल गांधी गुलाब का फूल तो वैलेंटाइन डे पर दिया जाता है, दिवाली पर नहीं.. खैर आप भारतीय संस्कृति से कहां परिचित हैं। अब कोई हिमंता बिस्वासरमा से पूछे कि वैलेंटाइन डे कब से भारतीय संस्कृति का हिस्सा हो गया। उन्हें यह क्यों पता है कि वैलेंटाइन डे पर कौन से रंग का गुलाब दिया जाता है। गनीमत है कि बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इस मामले में अब तक बोलने के लिए आगे नहीं किए गए हैं, वर्ना जैसे उन्होंने कहा था कि बिहार में क्राइम हो सकता है, लेकिन अपराध नहीं। वैसे ही वे कहते कि मोदी डिबेट के लिए तो आ सकते हैं बहस के लिए नहीं।

खैर अपने बचाव में जिन मोहरों को मोदी ने आगे किया है, वो सब अपने बयानों से खुद ही बिसात से बाहर निकलने की तैयारी कर चुके हैं। भाजपा जितना ज्यादा राहुल गांधी पर आक्रामक होगी, उतनी तेजी से मोदी की छवि बिखरेगी। क्योंकि सवाल मोदी से हो और जवाब भाजपा नेता दें, यह रवैया देश के नौजवानों को रास नहीं आएगा। नयी पीढ़ी तो अब मां-बाप की टालमटोल पर भी फौरन अपनी असंतुष्टि जाहिर कर देती है। उसे साफ-साफ हां या ना सुनने की आदत है। अगर मोदी राहुल से बहस के लिए आ सकते हैं तो हां कर दें, वर्ना ना कह कर बता दें कि उन्हें डर लगता है।

पश्चिम बंगाल में संघ संगठनों के हमलों से असुरक्षित महसूस कर रहे ईसाई

■ आशीष विश्वास

हाल के वर्षों में पश्चिम बंगाल में ईसाई समुदाय ने शायद ही कभी शारीरिक हमलों या धर्म से जुड़े तनावों की शिकायत की हो। ईसाई संगठनों ने कभी-कभी उत्तर प्रदेश या ओडिशा में अल्पसंख्यक समूहों के सामने आने वाली कठिनाइयों या भेदभाव का जिक्र अपने सार्वजनिक बयानों और आधिकारिक शिकायतों में किया है, खासकर हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बाद। परन्तु अब संघ संगठनों के बढ़ते हमलों के बीच वे स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं।

ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन के महज छह महीने के भीतर हालात काफी खराब हो गए हैं — ऐसा पूर्वोत्तर भारत के प्रभावशाली ईसाई संगठनों का मानना है। आमतौर पर, ये संगठन पड़ोसी राज्यों या क्षेत्रों के संवेदनशील मुद्दों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। वे मुख्य रूप से 'सतबहनी राज्यों' (पूर्वोत्तर के सात राज्यों) में जातीय हिंसा से जुड़ी स्थानीय घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। न केवल पूर्वोत्तर क्षेत्र के समुदाय के नेता या बुजुर्ग, बल्कि कुछ ईसाई बहुल राज्यों के अंग्रेजी मीडिया ने भी इस बात पर गौर किया है कि पश्चिम बंगाल में अचानक सामूहिक हिंसा भड़क उठी है, जिससे ईसाई समुदाय प्रभावित हो रहा है।

> **विशेष रूप से दक्षिण 24 परगना के गांवों और अन्य इलाकों से ईसाइयों द्वारा धर्म परिवर्तन के मामलों में बढ़ोतरी की खबरें आ रही थीं। हावड़ा और 24 परगना ज़िलों के कोलकाता से सटे ग्रामीण इलाकों से ऐसी भी खबरें मिलीं कि इन मुद्दों को लेकर वहां आने वाले ईसाइयों और अन्य समूहों के बीच कभी-कभी हिंसा भी हुई। पश्चिम बंगाल के मुख्यधारा के मीडिया ने आमतौर पर इन मुद्दों पर बहुत कम ध्यान दिया।**

पूर्वोत्तर क्षेत्र की हालिया रिपोर्टों और विश्लेषणों में राज्य और केंद्र की कानून प्रवर्तन एजेंसियों और राजनीतिक नेताओं से आग्रह किया गया है कि वे पश्चिम बंगाल की स्थिति पर ध्यान दें। पूरे देश के ईसाइयों के बीच इस बात को लेकर गहरी चिंता है कि समुदाय के खिलाफ शारीरिक हमलों और हिंसा में अचानक भारी वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, एक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल मई से सितंबर के बीच पश्चिम बंगाल में ईसाइयों के खिलाफ हिंसा की 65 घटनाएं सामने आई हैं।

इसके विपरीत, 2025 में जनवरी से अप्रैल के बीच ऐसी केवल 11 घटनाएं सामने आई थीं। हालांकि पूर्वोत्तर के मीडिया में दिए गए आंकड़े कानून-व्यवस्था की स्थिति में भारी गिरावट की ओर इशारा करते हैं, लेकिन साल-दर-साल तुलना के लिए कोई ठोस विश्लेषण नहीं दिया गया है, जिसका कारण स्पष्ट नहीं है। इस बात का भी जिक्र किया गया है कि आमतौर पर पश्चिम बंगाल को धार्मिक मुद्दों पर होने वाली भीड़ की हिंसा जैसी चिंताजनक प्रवृत्तियों से मुक्त राज्य माना जाता था। विश्लेषकों ने पश्चिम बंगाल में ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के लिए बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) जैसे हिंदुत्व समर्थक समूहों को जिम्मेदार ठहराया है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। हाल ही में सत्ता में आई भाजपा - जिसे आमतौर पर एक दक्षिणपंथी पार्टी माना जाता है- का कामकाज, चाहे वह प्रशासन का मामला हो या अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देने का, पूरी तरह से असंतोषजनक रहा है। उन समूहों और उनके नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है, जो मुख्य रूप से निर्दोष अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले की योजना बनाते हैं और उन्हें अंजाम देते हैं।

पश्चिम बंगाल में इन आरोपों पर प्रशासनिक या राजनीतिक स्तर पर कोई खास प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली है। कोलकाता भारत में एंग्लो-इंडियन संगठनों का मुख्यालय है और इसके स्थानीय नेता, पारितोष कैनिंग, पिछले कई वर्षों से सत्ताधारी प्रतिष्ठानों के साथ करीबी संपर्क बनाए हुए हैं। एंग्लो-इंडियन समुदाय के शीर्ष संगठन ने कुछ दिन पहले राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ अपने समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और कुछ मांगें रखीं। लेकिन, पूर्वोत्तर के ईसाइयों द्वारा हिंदुत्व समूहों के हमलों को लेकर उठाए गए मुद्दों का इसमें कोई जिक्र नहीं था। राजनीतिक स्तर पर भी, वीएचपी या बजरंग दल जैसे संगठनों ने स्थानीय मीडिया में सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

हालांकि, सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी रिपोर्टें सामने आईं, जिनमें पूर्वोत्तर के ईसाई संगठनों द्वारा लगाए गए आरोपों का कड़ा खंडन किया गया। इन रिपोर्टों में दावा किया गया है कि स्पष्ट कानूनों और नियमों के बावजूद, हाल के वर्षों में कुछ ईसाइयों और मिशनरियों ने विशेष रूप से पिछड़े सीमावर्ती इलाकों और दूरदराज के गांवों में रहने वाले गरीब आदिवासियों के बीच बड़े पैमाने पर धर्मांतरण का अभियान चलाया है। धर्मांतरण के ज्यादातर मामलों में पैसे देने या अन्य तरह की मदद पहुंचाने की बात सामने आई है। यहां तक कि कोलकाता और छोटे शहरों में भी, सुनियोजित तरीके से चलाए जा रहे इन मिशनरी प्रयासों का असर देखने को मिला है।

उदाहरण के लिए, उत्तर और दक्षिण कोलकाता के कई निवासियों को समय-समय पर न्यूज़ लेटर या अन्य प्रकाशित सामग्री मिलती रही है। इनमें भारत के विभिन्न हिस्सों में गरीब लोगों के बीच ईसाई संगठनों द्वारा किए गए अच्छे कार्यों, या बाईबिल की प्रेरणादायक कहानियों का जिक्र होता है। कोलकाता के कई इलाकों में स्थानीय एनजीओ ने बताया है कि वहां के पार्कों में क्रिसमस का त्योहार काफी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। बच्चों और युवाओं के बीच उपहार बांटे गए, जबकि बच्चों के प्रशिक्षित गायन समूहों ने धार्मिक गीत आदि गाए।

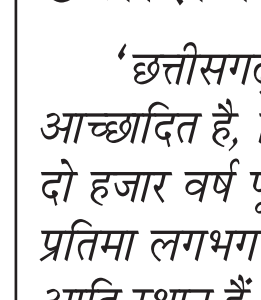
दक्षिण कोलकाता के एक निवासी ने कहा, 'ऐसे कार्यक्रमों में कुछ भी आपत्तिजनक या भड़काऊ नहीं था, लेकिन इनकी अहमियत इस बात में है कि पहले ऐसे आयोजन नहीं होते थे। क्रिसमस का जश्न, काफी हद तक, गैर-ईसाई परिवारों द्वारा केक और अन्य चीजें खरीदने तक ही सीमित था। शहर में, साथ ही कुछ मौसमी खरीदारी भी। लेकिन शहर के पार्कों में आयोजित होने वाले ये कार्यक्रम और डाक के ज़रिए लोगों के घरों तक ईसाई साहित्य का नियमित रूप से पहुंचना — ये सब किसी के संगठनात्मक प्रयासों के बिना संभव नहीं हो सकता है। ज़ाहिर है, इसके पीछे कोई ऐसा व्यक्ति या समूह रहा होगा जिसके पास पैसा और अन्य संसाधन हों, और जिसका मक़सद शायद धर्म परिवर्तन कराना रहा हो।'

इस बीच, विशेष रूप से दक्षिण 24 परगना के गांवों और अन्य इलाकों से ईसाइयों द्वारा धर्म परिवर्तन के मामलों में बढ़ोतरी की खबरें आ रही थीं। हावड़ा और 24 परगना ज़िलों के कोलकाता से सटे ग्रामीण इलाकों से ऐसी भी खबरें मिलीं कि इन मुद्दों को लेकर वहां आने वाले ईसाइयों और अन्य समूहों के बीच कभी-कभी हिंसा भी हुई। पश्चिम बंगाल के मुख्यधारा के मीडिया ने आमतौर पर इन मुद्दों पर बहुत कम ध्यान दिया।

इधर एक बड़ी घटना भी सामने आई। पश्चिम बंगाल के मालदा ज़िले के हरीशचंद्रपुर के एक गांव में — जो एक मुस्लिम बहुल इलाका है और जहां सांप्रदायिक हिंसा और अपराधों का रिकॉर्ड कुछ चिंताजनक रहा है— वहां भाजपा के पांच समर्थकों की स्थानीय ईसाइयों और उनके साथ आए कुछ 'बाहरी' लोगों ने कथित तौर पर पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि यह मारपीट एक बहस के बाद हुई। दरअसल, भाजपा समर्थक उस इलाके में बढ़ते धर्म परिवर्तन का विरोध कर रहे थे। रविवार, 1 नवंबर, को स्थानीय मीडिया नेटवर्क से बातचीत में वहां के निवासियों ने पुष्टि की कि 40 से ज़्यादा परिवारों के लोगों का 'धर्म परिवर्तन' कराया गया है।

स्थानीय प्रशासन या किसी भी राजनीतिक दल की ओर से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है।

ललित सुरजन की कलम से



छत्तीसगढ़: वर्तमान सांस्कृतिक परिदृश्य

'छत्तीसगढ़ का चालीस प्रतिशत से अधिक भूभाग यद्यपि वनों से आच्छादित है, किन्तु यहां विकसित नागर सभ्यता होने के चिन्ह लगभग दो हजार वर्ष पूर्व से मिलते हैं। सर्वविदित है कि मल्हार में प्राप्त विष्णु प्रतिमा लगभग इतनी ही पुरानी है। इसके बाद सिरपुर, रतनपुर, बारसूर आदि स्थान हैं, जो छत्तीसगढ़ के प्राचीन सांस्कृतिक वैभव के साक्ष्य हैं। यहां हम सिर्फ उदाहरण के लिए कुछ नाम दे रहे हैं ताकि पाठकों के सामने एक रूपरेखा रखी जा सके। ये प्राचीन मंदिर किस राजा ने बनवाए थे, इनके स्थपति कौन थे, इन मूर्तियों को किन्होंने गढ़ा था, यह सब विशद विवेचन का विषय है। फिलहाल इतना जान लेना रोचक है कि दो हजार वर्ष से छत्तीसगढ़ में सभ्यता का विकास व प्रकृति का संरक्षण समानांतर होते आया है। इस मायने में छत्तीसगढ़ की स्थिति अन्य प्रदेशों से भिन्न कही जा सकती है।' 'यह अनुभव अपने आप में मुग्ध कर देने वाला है कि आप प्रदेश के उत्तरी भाग में याने सरगुजा अंचल में घने जंगलों के बीच किसी निर्जन सी सड़क पर प्रकृति की शोभा निहारते चले जा रहे हैं और अचानक आपके सामने कहीं महेशपुर तो कहीं डीपाडीह के ध्वंसावशेष सामने आ गए हैं। ऐसा अनुभव आपको बस्तर में भी हो सकता है या कवर्धा, राजनांदगांव, महासमुंद, सारंगढ़, धमतरी या गरियाबंद में भी। फिंगेश्वर के प्राचीन फणेश्वर महादेव मंदिर को देखकर मेरे मित्र त्रिभुवन पांडेय ने अनुमान लगाया था कि प्राचीन समय में मंदिर शिल्पियों का कोई बड़ा कुनबा रहा होगा, जिसने देशाटन करते हुए राजाओं के आदेश-अनुग्रह से इन मंदिरों का निर्माण किया होगा। बड़े राजा के यहां बड़ा मंदिर, छोटे राजा के यहां छोटा। भाई त्रिभुवन के अनुसार ये उस समय के मंदिर 'कांट्रेक्टर' रहे होंगे। है न बात विचार करने योग्य!'

(अक्षर पर्व नवंबर 2014 अंक की प्रस्तावना)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2014/11/blog-post_9.html

पावन प्रसंग

शठे शाठ्यं समाचरेत्

भारतीय संस्कृति में सत्य, अहिंसा एवं शांति जैसे मूल्यों पर विशेष बल दिया गया है, क्योंकि ये व्यक्तिगत जीवन में आत्म कल्याण से लेकर सामाजिक जीवन में लोक कल्याण के महत्तर उद्देश्य को पूरा करते हुए चहुंमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त करते हैं। वस्तुत: ये भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा का प्रतिनिधित्व करते हैं और इसकी सार्वभौम, सार्वकालिक एवं सर्व-समन्यवादी सनातन संस्कृति के कालजयी आधार रहे हैं। सत्य और अहिंसा भारतीय संस्कृति के आधार रहे हैं, उपनिषदों का प्रेरक वाक्य 'सत्यमेव जयते' हमारा राष्ट्रीय आदर्श वाक्य भी है। सत्य से बढ़कर कोई धर्म नहीं है, ऐसा धर्मशास्त्रों का मत रहा है। इसी तरह से अहिंसा को परम धर्म माना गया है, अहिंसा परमो धर्म:-महाभारत के रचयिता महर्षि व्यास का यह कथन भारतीय संस्कृति के मूल-मूल्यों को प्रकाशित करता है।

भारतीय संस्कृति में हर कार्य का उद्देश्य शांति रहा है, जिस कारण हर कार्य को शांतिपूर्वक करने पर विशेष बल दिया गया है। सभी प्राणी सुखी रहें, सबका कल्याण हो और सभी मिल-जुलकर शांतिपूर्वक रहें। यह भारतीय संस्कृति का वैदिक काल से लेकर आज तक ध्येय रहा है। यज्ञ से लेकर हर अनुष्ठान एवं शुभ कार्यों के अंत में किए जाने वाले शांतिपाठ में यही कामना की जाती है। संस्कृति के इन शाश्वत, सार्वभौम एवं मानवतावादी मूल्यों के आधार पर ही भारतीय संस्कृति को सनातन संस्कृति, मानव संस्कृति, विश्व संस्कृति, देव संस्कृति जैसी उपमाओं से संबोधित किया जाता है।

हिंसा, अशांति और असत्य जैसे तत्वों को भारतीय संस्कृति में कोई स्थान नहीं दिया गया है और भारतीय संस्कृति बुराई के बदले बुराई नहीं, बल्कि भलाई करने के पक्ष में रही है। महाभारत में भी कहा गया है कि क्रोध को अक्रोध, दुर्जन को सज्जनता, कंजूस को धन और असत्यवादी को सत्य से जीतने का प्रयत्न करना चाहिए। इन मूल्यों का निर्वहन विशाल हृदय एवं उदार मन:स्थिति में ही संभव होता है। आश्चर्य नहीं कि वेदों में इस संदर्भ में प्रार्थना की गई है कि अपने अंदर सामर्थ्य के कारण मैं अंतरिक्ष के समान विशाल हृदय वाला बनूं। इस तरह उदारता, सहिष्णुता, प्रेम, त्याग, परोपकार जैसे मूल्य भारतीय संस्कृति के आदर्श रहे हैं, जिनके लोमहर्षक उदाहरण भारतीय संस्कृति इन जीवन मूल्यों का विवेकसंगत उपयोग करने का भी मार्गदर्शन करती है और 'शठे शाठ्यं समाचरेत' अर्थात दुष्टों के साथ तदनुरूप व्यवहार करने का भी संदेश देती है। जैसे आत्मरक्षा में किया गया प्रतिघात हिंसा की श्रेणी में नहीं आता-इसी तरह अत्याचारी, आततातियों और ऐसे लोगों के प्रति जो निरंतर हिंसा, पाश्विकता एवं ज्यादतियों पर उतारू हों, जिन्हें समझाने का कुछ प्रतिफल न हो, तो इस उक्ति को अपनाने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। भारतेंदु जी की उक्ति यहां लागू होती है कि-सीधेन सो सीधे, महा बांके हम बंकिन सों।

सामान्यतया भारतीय संस्कृति जैसे को तैसा, 'टिट फॉर टैट' के दर्शन में आस्था नहीं रखती, क्योंकि यदि सब लोग इस विचारधारा का अनुसरण करने लगें, तो समाज में शांति कभी स्थापित नहीं हो सकती। अत: विशेष परिस्थितियों में ही 'शठे शाठ्यं समाचरेत्' के विवेकसंगत उपयोग की अनुशंसा की गई है।

-अखंड ज्योति

आपके पत्र

चारधाम हेलीकॉप्टर हादसों पर सवालों के घेरे में?

17 साल, 15 हेलीकॉप्टर हादसे और 46 मौतें- ये आंकड़े केवल दुर्घटनाओं का सरकारी रिकॉर्ड नहीं हैं, बल्कि उन परिवारों की पीड़ा का दस्तावेज हैं जिन्होंने धार्मिक आस्था और चारधाम यात्रा के सपने के साथ अपने प्रियजनों को खो दिया। व्यक्तिगत तौर पर ये आंकड़े मुझे विचलित करते हैं। मन में बार-बार एक ही सवाल उठता है कि आखिर चारधाम हवाई यात्रा में श्रद्धालुओं की जान की कीमत इतनी सस्ती क्यों होती जा रही है? एक के बाद एक हेलीकॉप्टर हादसे होते हैं, जांच के आदेश दिए जाते हैं, कुछ समय तक चर्चा होती है और फिर व्यवस्था पहले की तरह चलने लगती है। सवाल यह है कि इन दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार संस्थागत तंत्र की जवाबदेही आखिर कब तय होगी?

चारधाम यात्रा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था, पर्यटन और रोजगार से भी जुड़ी है। हर साल लाखों श्रद्धालु बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इनमें बुजुर्ग, महिलाएं और ऐसे लोग भी होते हैं जिनके लिए कठिन पहाड़ी रास्तों से यात्रा करना संभव नहीं होता। हेलीकॉप्टर सेवा उनके लिए सुविधा और राहत का माध्यम बनती है। लेकिन जब यही सुविधा लगातार दुर्घटनाओं की आशंका से घिरने लगे तो सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। आस्था के नाम पर श्रद्धालुओं की जान को जोखिम में नहीं डाला जा सकता।

इन हादसों में खराब मौसम, अचानक घने बादलों का छा जाना, कम दृश्यता और तकनीकी खामियां प्रमुख कारणों के रूप में सामने आते रहे हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम का मिजाज कुछ ही मिनटों में बदल सकता है। घाटियों में बादलों का जमाव, तेज हवाएं और सीमित दृश्यता पायलटों के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी करती हैं। ऐसे में सामान्य मौसम पूर्वानुमान के आधार पर उड़ान की अनुमति देना पर्याप्त नहीं हो सकता। इसके लिए स्थानीय मौसम की वास्तविक स्थिति, तकनीकी आकलन और विमानन सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञों की राय आवश्यक है। यहीं उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। हेलीकॉप्टर संचालन की निगरानी, उड़ानों के नियमन और संबंधित प्रशासनिक समन्वय में उसकी जिम्मेदारी पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब खराब मौसम के कारण उड़ानें रोकने या दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया जाता है तो उस निर्णय का तकनीकी आधार क्या होता है? क्या यूकाडा के पास मौसम की जटिल परिस्थितियों का वैज्ञानिक विश्लेषण करने के लिए पर्याप्त विशेषज्ञ और संसाधन हैं? क्या उड़ान संचालन से पहले मौसम संबंधी सूचनाओं का स्वतंत्र सत्यापन किया जाता है? यदि नहीं, तो इतने संवेदनशील हवाई मार्ग पर सुरक्षा का निर्धारण किस आधार पर हो रहा है?

– डॉ. प्रियंका सौरभ



त्यौहार के पहले ही बाजारों में उमड़ी भीड़

वाहन खड़े करना मुश्किल, बढ़ते जा रहे खरीददार

जबलपुर, देशबन्धु। धनतेरस और दीपावली के त्यौहार के चलते बाजारों में अब भीड़ बढ़ गई है। मुख्य बाजार बड़ा फुहारा, कोतवाली, सराफा और कमानिया गेट तथा आसपास लगने वाले छोटे बाजारों में भीड़ उमड़ रही है। जिससे यातायात बाधित होता जा रहा है। त्यौहार पर खरीदी के लिये आने वाली भीड़ ई-रिक्शा, दो पहिया और चौपहिया वाहनों से पहुंच रहे हैं। हालत ये हैं कि खचाखच भीड़ के वाहनों की पार्किंग गायब है। दुकानों के सामने ही वाहन खड़े हो रहे हैं। जिससे यातायात बाधित हो रहा है। मुख्य मार्गों पर खड़े पुलिस कर्मी चौपहिया और ई रिक्शा को बाजारों में जाने से रोक रहे हैं। लेकिन फिर भी ये वाहन बाजारों में दिखाई पड़ रहे हैं। जिससे यहां चलना भी मुश्किल हो गया है।

काश यातायात भी हो जाता व्यवस्थित

दुकानदारों का कहना है कि बाजार में वाहन खड़े करने के लिये उचित स्थान ही नहीं है जिसके कारण ग्राहक दुकानों के सामने ही वाहन खड़ा कर रहे हैं। दूसरी तरफ ग्राहकों का भी कहना है कि यातायात अव्यवस्थित होने की वजह से वे न तो पंसद की दुकान पर समय से पहुंच पा रहे हैं, न ही उचित खरीददारी हो पा रही है। दुकानदार और ग्राहकों की मांग है कि कम से कम त्यौहार के समय पुलिस यातायात संभाल ले तो बाजारों की रौनक और बढ़ जाएगी।

पूर्व जिला व सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को हाईकोर्ट से झटका

मॉडल बहू द्विशा शर्मा के आत्महत्या मामले में जमानत याचिका खारिज

जबलपुर, देशबन्धु। बहुचर्चित द्विशा शर्मा के आत्महत्या मामले में आरोपी पूर्व जिला व सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। हाईकोर्ट जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की एकलपीठ ने अपने आदेष में कहा है कि प्रकरण में आरोपी की भूमिका और कथित मानसिक प्रताड़ना से जुड़े पहलुओं की समग्र जांच आवश्यक है। उपलब्ध साक्ष्यों तथा जांच लंबित होने के कारण एकलपीठ ने जमानत देने से इंकार कर दिया।

गौरतलब है कि भोपाल की पूर्व जिला व सत्र न्यायाधीश गिरीवाला सिंह की बहू व मॉडल द्विसा शर्मा ने 12 मई को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने गिरीवाला तथा उसके बेटे के खिलाफ दहेज हत्या व दहेज एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया था। पूर्व न्यायाधीश को प्रकरण में भोपाल जिला व सत्र न्यायालय से 15 मई को अग्रिम जमानत का लाभ मिल गया था। अग्रिम जमानत मिलने के खिलाफ हाईकोर्ट ने याचिका दायर की थी।इसके अलावा मृतिका को दोबारा पोस्टमार्टम कराने जाने की मांग करते हुए भी हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। हाई कोर्ट ने दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की टीम से दोबारा पोस्टमार्टम कराने का आदेश दिये थे। हाईकोर्ट ने 27 मई को पूर्व न्यायाधीश को मिली अग्रिम जमानत को निरस्त कर दिया था।



सरकार के द्वारा प्रकरण की जांच सीबीआई को सौंपी गयी थी।

जमानत याचिका पर भोपाल अवकाश के पूर्व याचिकाकर्ता की तरफ से तर्क दिया गया कि वह सेवानिवृत्त जिला व सत्र न्यायाधीश है। याचिका में उनकी उम्र तथा बीमारियों को हवाला देते हुए कहा गया कि वह विगत पांच माह से न्यायिक अभिरक्षा में है। सीबीआई ने उनके खिलाफ साक्ष्य नहीं होने के कारण न्यायालय में दहेज एक्ट की धाराओं के तहत चालान पेश नही किया है। जांच में याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई साक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ है। इसके बावजूद भी उन्हें प्रकरण में आरोपी बनाया गया है।

सीबीआई व राज्य सरकार की तरफ से जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता की तरफ से जांच में सहयोग नहीं किया गया। स्थानीय पुलिस द्वारा वयान दर्ज करवाने के लिए नोटिस जारी किये जाने के बावजूद भी वह उपस्थित नहीं हुई। इसके अलावा उनके द्वारा साक्ष्यों को मिटाने के प्रयास किये गये। याचिकाकर्ता को जमानत का लाभ प्रदान किया जाता है तो वह साक्ष्यों व गवाहों को प्रभावित कर सकती है। सीबीआई जांच के दौरान जब्त किये गये लैपटॉप,सीसीटीव्ही रिकॉर्डिंग सहित अन्य तकनीकि साक्ष्यो के रिपोर्ट प्राप्त नही हुई है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद प्रकरण में साक्ष्यों के आधार पर धाराओं को जोड़ा जा सकता है।

एकलपीठ ने दोनो पक्षों की दलील सुनने के बाद 26 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रखने के आदेष जारी किये थे। एकलपीठ ने अपने आदेष में कहा है कि मृतका के व्हाट्सऐप संदेश, सीसीटीवी फुटेज और घटना से पहले की परिस्थितियां की जांच आवष्यक है। मृतका के आईफोन से डेटा तथा सीसीटीवी फुटेज की प्रामाणिकता से संबंधित रिपोर्ट प्राप्त नही हुई है। अपराध में आरोपी की भूमिका और कथित मानसिक प्रताड़ना से जुड़े पहलुओं की समग्र जांच आवश्यक है। अपराध की गंभीरता, उपलब्ध साक्ष्यों और आगे की जांच लंबित होने के कारण जमानत याचिका खारिज की जाती है।

सार-समाचार

जितेंद्र यादव मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश सचिव नियुक्त



जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश भार्गव के द्वारा मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवा दल की नवनियुक्त बॉडी में जबलपुर के कांग्रेस सेवा दल प्रवक्ता जितेंद्र यादव को पदोन्नत करते हुए प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। पूर्व विधायक ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव, पूर्व विधायक वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनय सक्सेना, अशोक यादव, एडवोकेट मीनाक्षी स्वामी, अरुण पवार, अनिल गुप्ता, श्याम सोलंकी, महेश मिश्रा, उमेश पटेल, विष्णु विनोदिया, सुनील सराठे आदि ने बधाई दी।

सुधीर दुबे, कांग्रेस सेवा दल के शहर प्रमुख संगठक नियुक्त



जबलपुर, देशबन्धु। राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा मध्य प्रदेश सेवादल के मुख्य संगठक प्रदेश अध्यक्ष अविनाश भार्गव, प्रदेश प्रभारी प्रताप नारायण मिश्र वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलोक मिश्रा की अनुशंसा पर कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास द्वारा सुधीर सोनू दुबे को जबलपुर शहर मुख्य संगठक बनाया गया है। कांग्रेस के नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, सतीश तिवारी, अरुण पवार, चिंटू अभिषेक चौकसे, विवेक अवस्थी, अशोक यादव, रचना यादव, पूर्व पार्षद गुड्डू नबी, रिजवान अली, डॉ. केके मिश्रा ने शुभकामनाएं दी है।

सात माह में 4,789 कोच-वैगनों की ओवरहॉलिंग

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल और कोटा स्थित कारखानों में चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम सात माह में कुल 4,789 कोचों एवं वैगनों की पीरियोडिक ओवरहॉलिंग (पीओएच) की गई है। इनमें भोपाल स्थित कोच रिहैबिलिटेशन वर्कशॉप (सीआरडब्ल्यूएस) में 696 कोचों और कोटा स्थित वैगन रिपेयर शॉप (डब्ल्यूआरएस) में 4,093 वैगनों का अनुरक्षण किया गया। अक्टूबर माह में दोनों कारखानों ने कुल 688 कोचों एवं वैगनों का पीओएच किया। इसमें भोपाल कारखाने में 108 कोचों और कोटा कारखाने में 580 वैगनों का अनुरक्षण शामिल है। महाप्रबंधक के मार्गदर्शन और मुख्य कारखाना प्रबंधकों के निर्देशन में यह कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुसार किए जा रहे हैं। पीओएच के दौरान कोचों और वैगनों की बॉडी व अंडरगियर की मरम्मत, ट्रॉली और बोगी के प्रमुख पुर्जों का अनुरक्षण, एयर ब्रेक सिस्टम, बफर तथा अन्य सुरक्षा उपकरणों की जांच और मरम्मत की जाती है। इसके अलावा पहियों और धुरियों (व्हील एवं एक्सल) का विस्तृत निरीक्षण भी किया जाता है।

स्कार्पियों को टक्कर मारते हुए दो ट्रक भिड़े

केबिन में फंसा चालक, पुलिस ने हटवाया जाम

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर से मंडला जाने निकला ट्रक देर रात टिकरिया के पास कुड़ामैली घाट पर स्कॉर्पियो को टक्कर मारते हुए सड़क किनारे खराब हालत में खड़े दूसरे ट्रक से भिड़ गया। हादसे में ट्रक का सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं चालक केबिन में फंसा गया।

बताया गया है कि ट्रक जब कुड़ामैली घाट से आगे बढ़ रहा था, इस दौरान सामने से आई स्कार्पियों को टक्कर मार दी, स्कार्पियों को टक्कर मारने के बाद चालक अपना संतुलन खो बैठा और आगे जाकर सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रक से टकरा गया, जिससे ट्रक के सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं चालक केबिन में फंस गया। राह चलते लोगों ने देखा तो पुलिस को खबर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की



मदद से केबिन काटकर चालक को बाहर निकाला। जिसकी हालत को देखते हुए स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। हादसे के बाद एनएच-30 पर जाम लग गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे करवाकर देर रात एक तरफ से यातायात शुरू कराया। बुधवार सुबह पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाया, इसके बाद दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही शुरु हो सकी।

गोरखपुर, मदनमहल, सदर और तिलहरी में मिठाई दुकानों पर खाद्य विभाग का छापा

जबलपुर, देशबन्धु। खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने तथा उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार त्यौहारों के मद्देनजर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सामग्री के विक्रय प्रतिष्ठानों के निरीक्षण की कार्यवाही बुधवार को भी जारी रही।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता के अनुसार अभियान के तहत बुधवार को



गोरखपुर स्थित बीकानेर स्वीट्स से मलाई कतली और मावा बर्फी तथा राज स्वीट गोरखपुर एवं हीरा स्वीट मदन महल से मठरी और गुझिया के सैंपल लिए गए। इसी प्रकार सदर स्थित नमकीन दुकान से मिठाई व नमकीन, ओवन क्लासिक तिलहरी से नमकीन, चिप्स और क्रीम रोल के सेम्पल लिए गये तथा एक होटल में किचन के स्टोर में फूड कंटेनर में डेट अंकित करने के लिये निर्देशित किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान लिए गये सभी सैंपल जांच के लिये राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं। प्रयोगशाला से रिपोर्ट आने के बाद यदि नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाते हैं, तो नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

अजा-जजा आयोग के सदस्य ने किया केंद्रीय जेल का निरीक्षण



जबलपुर, देशबन्धु। राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगत सिंह नेताम ने बुधवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस केन्द्रीय जेल में वृक्षारोपण कार्यक्रम के पश्चात् कार्यालय का निरीक्षण एवं अधिकारी-कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में प्रदेश की जेलों में निरुद्ध अनुसूचित जाति-जनजाति व अन्य बंदियों की स्थिति, उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों का संरक्षण, जेलों में जातिगत भेदभाव एवं अस्पृश्यता की रोकथाम, मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, नि:शुल्क विधिक सहायता, स्वास्थ्य-शिक्षा-कौशल विकास एवं बंदियों के पुनर्वास से संबंधित विषयों की समीक्षा की गई। बैठक में जेल अधीक्षक अखिलेश तोमर, जेलर मदन कमलेश सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

तहसीलदार, पटवारी और सरपंच के निलंबन की मांग

जबलपुर, देशबन्धु। 2 नवंबर की रात लगभग 9 बजे तहसीलदार नारायणगंज, पटवारी और सरपंच कुंडा मोती



लाल मार्को ने घर-घर जाकर लोगों को धमकी दी कि गांव खाली कर गोंझी पुनर्वास स्थल जाना होगा। नहीं जाओगे तो फोर्स आकर गांव खाली कराया जाएगा। फोर्स तुम्हारे घर की बहु बेटियों के साथ जो करेंगे वो देख नहीं पाओगे। इस घटना से आक्रोशित राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय सचिव विवेक अवस्थी और बरगी बांध विस्थापित संघ के अध्यक्ष राजकुमार सिन्हा ने चुटका ग्राम में तहसीलदार और अन्य के खिलाफ टिकरिया थाने में थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति के अध्यक्ष दादु लाल कुडापे ने कहा कि चुटका एवं अन्य सबंधित ग्राम सभाओं ने सरकार के समक्ष 26 बिंदुओं के साथ सशर्त मंजूरी इस परियोजना को दिया है। परन्तु उसका परिपालन आज दिनांक तक नहीं हुआ है। ज्ञापन में चुटका महिला मोर्चा की अध्यक्ष मीरा बाई मरावी, सोना बाई बरकडे; लीला बाई, सरिता बाई, तिराग बाई, मुन्नी बाई, श्रीवती तेकाम, अग्नि बाई, अनिता कुडापे, पूर्व सरपंच दयाल सिंह कोकडिया, तेजी लाल कोकडिया, बराती लाल बरकड़े आदि उपस्थित थे।

स्मैट इंटरप्राइजेज में गोदरेज इंटीरियों व होम लॉकर्स में आकर्षक दीवाली ऑफर्स





जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय फर्नीचर और इंटीरियर उद्योग में एक बेहद प्रतिष्ठित व लोकप्रिय ब्रांड गोदरेज इंटीरियों और लॉकिंग मैकेन्जिम और सुरक्षा की मजबूती के लिए मशहूर गोदरेज होम लॉकर्स ने दीवाली के शुभ मौके पर अपने ग्राहकों के लिए आकर्षक दीवाली ऑफर्स पेश किये है।

शंभूश्री आपार्टमेंट के पास, विजय नगर स्थित गोदरेज इंटीरियो और गोदरेज सिक्युरिटी साल्यूशन के एक मात्र अधिकृत विक्रेता स्मैट इंटरप्राइजेज के संचालक शरद माथुर ने बताया कि इस बार दीवाली के मौके पर गोदरेज इंटीरियो व होम लॉकर्स में आकर्षक ऑफर्स की सौगात ग्राहकों को दी जा रही है।

ऑफर के तहत गोदरेज इंटीरियो के सभी फर्नीचरों और गोदरेज होम लॉकर्स में स्क्रैच कार्ड ग्राहकों को दिए जा रहे हैं, जिसमें ग्राहकों को स्पेशल डिस्काउंड का लाभ मिल रहा है, साथ ही क्यू आर स्कैनिंग स्कीम पेश की गई, जिसमें ग्राहकों को गिफ्ट बाऊचर का लाभ दिया जा रहा है। श्री माथुर का कहना है कि ग्राहकों के प्रति हमारा ध्येय सदैव यही रहता है कि उन्हें गोदरेज के हर उत्पाद खरीदने में उन्हें पूर्ण संतुष्टि मिले यही वजह है कि स्मैट इंटरप्राइजेज विगत 25 वर्षों से ग्राहकों में अपनी अलग पहचान रखता आ रहा है। स्मैट इंटरप्राइजेज शोरूम में बेडरूम फर्नीचर, लिविंग रूम फर्नीचर, डाइनिंग रूम फर्नीचर, स्टडी और होम फर्नीचर कमर्शियल और बिजनेस फर्नीचर की आकर्षक रेज उपलब्ध है, इसके अलावा सुरक्षा और मजबूती के साथ-साथ लॉकिंग टैक्नोलॉजी के आधार पर गोदरेज होम लॉकर्स की भी संपूर्ण रेंज उपलब्ध है।

बेकाबू ऑटो रिक्शा पलटा, फंसे यात्रियों को राहगीरों के साथ मिलकर कलेक्टर ने निकाला बाहर

जबलपुर, देशबन्धु। गोराबाजार थाना अंतर्गत बिलहरी क्षेत्र में बुधवार की दोपहर डीमार्ट के पास सवारियों से भरी एक ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में सवार यात्री ऑटो रिक्शा में फंस गए और कुछ यात्री उसके नीचे दब गए। इसी दौरान वहां से गुजर रहे कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने तत्काल अपना वाहन रुकवाया और घटना स्थल पर पहुंचकर ऑटो रिक्शा में सवार यात्रियों को बचाने में मदद की।

कलेक्टर ने मौके पर मौजूद लोगों के साथ मिलकर पलटी हुई ऑटो को सीधा कराया और उसमें फंसे सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने हादसे में घायल यात्रियों को पीछे से आ रही खनिज विभाग के



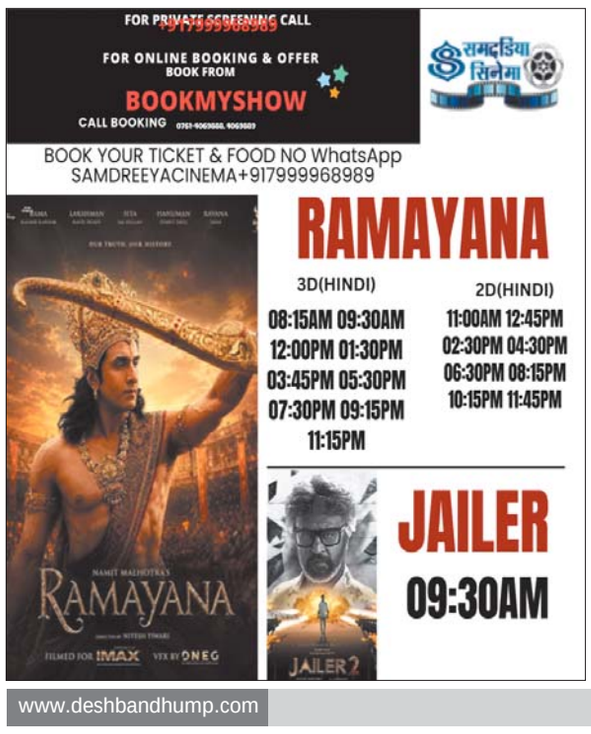
वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया। कलेक्टर ने जिला अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी को मौके से फोन कर घायलों का समुचित एवं त्वरित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। ऑटो रिक्शा में तीन महिलाएं, एक बच्चा, एक पुरुष और चालक सहित कुल छह लोग सवार थे। इनमें एक बच्चा और एक महिला सहित चार व्यक्तियों को घायल होने पर खनिज विभाग के वाहन से जिला अस्पताल भेजा गया। कलेक्टर की तत्परता और मौके पर मौजूद लोगों की मदद से सभी यात्रियों को सुरक्षित निकालकर समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सका।

कानून व्यवस्था बनाए रखने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

त्यौहारों के मद्देनजर बिना अनुमति नहीं हो सकेंगे कोई आयोजन



जबलपुर, देशबन्धु। दीपावली तथा आने वाले त्यौहारों के मद्देनजर जिले में किसी प्रकार का आयोजन नहीं किया जा सकेगा। कानून व्यवस्था बनाये रखने तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों के हनन को रोकने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने जारी किये हैं। कलेक्टर के निर्देशानुसार अपर जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी यह प्रतिबंधात्मक आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और यह आगामी दो माह तक प्रभावी रहेगा। प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुसार प्रशासनिक अधिकारियों से अनुमति प्राप्त किये बिना किसी भी प्रकार के आयोजन नहीं किये जा सकेंगे। अनुमति प्राप्त किये बगैर होने वाले आयोजनों को अवैध घोषित किया जायेगा तथा आयोजकों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। आदेश में जिले में दो पहिया वाहन रैली को पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया है। इसके साथ ही डीजे के इस्तेमाल पर भी पूरी तरह रोक लगाई गई है। आदेश में व्यक्तियों, संस्थाओं अथवा पशु मालिकों से कहा गया है कि वे अपने पशुओं को खुले तौर पर सडकों पर न छोड़ें और न ही सड़कों पर आने दें।



J.B.F.A
जबलपुर ब्रॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 148
मुर्गा मीडियम - रु. 138
मुर्गा बड़ा - रु. 116
मुर्गा जम्बो - रु. 116
मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 112
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 134
छोटा ब्रॉयलर - रु. 144
मो.- 9039925999

मेधावी छात्रों के 'अनुभव संवाद' से गूंजा महापौर निवास,



जबलपुर,देशबन्धु। नगर निगम मुख्यालय स्थित शासकीय महापौर निवास पर आयोजित 'अनुभव संवाद' कार्यक्रम का माहौल बेहद उत्साहजनक और भावनात्मक रहा। नगर निगम द्वारा संचालित विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राएं इंदौर की विशेष हवाई यात्रा से लौटकर अपने अनूठे अनुभव साझा करने के लिए एकत्रित हुए थे।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा दिए गए इस सुनहरे अवसर ने उनके जीवन के सबसे खूबसूरत सपनों को सच कर दिखाया है। बच्चों ने एक-एक कर अपने रोमांचक अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि फाइव स्टार होटल में ठहरना, वहां का लजीज खानपान और इंदौर के प्रसिद्ध जू का भ्रमण उनके लिए किसी अद्भुत अनुभव से कम नहीं था। बच्चों ने कहा कि इतनी भव्य व्यवस्थाओं के बीच समय कब बीत गया, इसका पता ही नहीं चला। कई बच्चों ने बताया कि उन्होंने जीवन में पहली बार हवाई जहाज की यात्रा की और आसमान की ऊंचाइयों से इस सफर का भरपूर आनंद लिया। यात्रा के दौरान सभी बच्चों ने प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर पहुंचकर प्रथम पूज्य भगवान गणेश के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। बच्चों ने नगर निगम परिवार की समृद्धि की कामना भी की। उल्लेखनीय है कि महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' द्वारा अपनी व्यक्तिगत प्रेरणा और पहल से नगर निगम विद्यालयों के मेधावी बच्चों को विगत चार वर्षों से लगातार हवाई यात्रा कराई जा रही है।

इस वर्ष भी कुल 27 मेधावी बच्चों को हवाई यात्रा के साथ-साथ उच्च कोटि की अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, इस प्रेरणादायी कार्यक्रम के अवसर पर महापौर के साथ नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, एम.आई.सी. सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर, अंशुल राघवेंद्र यादव, रजनी कैलाश साहू, सोनिया रंजीत सिंह, मोनिका पुष्पेंद्र सिंह, अंजना मनीष अग्रहरि, प्रतिभा भापकर, अर्चना सिसोदिया, अविनाश चमकेल, अतुल जैन दानी, वर्षा मनोज सेन, रजनी सुरेंद्र साहू, कविता रैकवार तथा शिक्षा अधिकारी शैलेन्द्र पांडे, जयदीप मिश्रा सहित कई गणमान्य नागरिक और अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



'अलकनन्दा' का हुआ विमोचन, सृजन श्री अलंकरण से हुई सम्मानित

जबलपुर,देशबन्धु। अंतरराष्ट्रीय कादम्बरी एवं पाथेय संस्था के तत्वावधान में कवयित्री अलकनंदा अवस्थी की लघुकथा एवं कविता कृति 'अलकनन्दा' का विमोचन समारोह अमोदा होटल, मदनमहल में संपन्न हुआ। समारोह महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि एवं प्रज्ञापीठाधीश्वर श्रीमाँ साध्वी विभानंद गिरी के सानिध्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू थे। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. हरिशंकर दुबे ने की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेन्द्र अवस्थी, अमरेन्द्र नारायण, डॉ. कृष्ण कुमार दुबे उपस्थित रहे, जबकि स्वागताध्यक्ष राज अवस्थी थे। कार्यक्रम की शुरुआत में मोती एवं सारंग शिवहरे के निर्देशन में अदिति कुमार ने भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद अतिथियों ने कवयित्री अलकनंदा अवस्थी के व्यक्तित्व एवं सृजन पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि साहित्य समाज को संवेदनशील बनाने और मानवीय मूल्यों को प्रतिष्ठित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। अलकनन्दा की रचनाएं जीवन के आसपास की संवेदनशील रचनाएं हैं। वक्ताओं ने कहा कि यह प्रथम कृति साहित्य जगत में उन्हें प्रतिष्ठित करेगी। कार्यक्रम का संचालन राजेश पाठक 'प्रवीण' ने किया। इस अवसर पर कादम्बरी एवं पाथेय संस्था ने अलकनंदा अवस्थी को सृजन अलंकरण से सम्मानित किया।

समारोह में सेम सीनियर सिटीजन से जादूगर निगम, गुंजनकला सदन से प्रतुल श्रीवास्तव, विजय जायसवाल, नरेन्द्र जैन, राजीव गुप्ता, सनाढ्य संगम से महेश स्थापक, दिवाकर शर्मा, रश्मि पाठक, चंद्रशेखर शर्मा एवं ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा, कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा, जागरण साहित्य समिति, अंतस संस्था के पदाधिकारियों ने रचनाकार का अभिनंदन किया। इस अवसर पर सीमा अवस्थी, समर्थ अवस्थी, डॉ. सुरेंद्रलाल साहू, प्रभा शील, सिद्धेश्वरी सराफ, विनीता पैगवार, आरती श्रीवास्तव, शिवानी भगत, ज्योति मिश्रा, ज्योति प्यासी, डॉ. कामना कौस्तुभ, गीता पांडे, एड. भावना निगम सहित अनेक साहित्यकार एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। आभार यशोवर्धन पाठक ने व्यक्त किया।

'स्मृति ज्ञानरंजन' कार्यक्रम, 20 नवंबर को शहीद स्मारक में

जबलपुर,देशबन्धु। 'पहल' के संपादक और प्रतिष्ठित कथाकार ज्ञानरंजन के निधन के बाद भी उनकी वैचारिक विरासत और रचनात्मक सक्रियता को निरंतर बनाए रखने के उद्देश्य से पहल परिवार ने प्रतिवर्ष 21 नवंबर को 'स्मृति ज्ञानरंजन' कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस वर्ष यह कार्यक्रम ज्ञानरंजन की जन्म तिथि की पूर्व संध्या पर 20 नवंबर को जबलपुर के शहीद स्मारक में शाम 6 बजे आयोजित किया जाएगा।



ज्ञानरंजन ने 'पहल' के संपादन के माध्यम से हिंदी साहित्य में वैचारिक हस्तक्षेप की एक सकारात्मक परंपरा विकसित की। पत्रिका के साथ-साथ 'पहल पुस्तकों' के प्रकाशन और 'पहल गोष्ठियों' के आयोजन ने प्रगतिशील एवं क्रांतिकारी चेतना के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

'पहल' की सक्रियता केवल पत्रिका के अंकों तक सीमित नहीं थी, बल्कि देश के विभिन्न शहरों में समय-समय पर आयोजित गोष्ठियों के माध्यम से भी अभिव्यक्त होती रही। इन गोष्ठियों ने लेखक संगठनों की चुप्पी और साहित्यिक गतिविधियों में आई शिथिलता के बीच रचनात्मक बहसों को नई ऊर्जा दी। वैचारिक खेमों में बंटे लेखकों को एक मंच पर लाकर संवाद और असहमति की स्वस्थ परंपरा को मजबूत किया। इस तरह 'पहल' ने साहित्य को केवल लेखन और प्रकाशन तक सीमित न रखते हुए उसे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक चेतना से जोड़ने का काम किया।

यह आयोजन केवल एक साहित्यकार को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके विचारों, साहित्यिक दृष्टि और वैचारिक प्रतिबद्धता को समकालीन संदर्भों में समझने तथा रचनात्मक संवाद की परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास भी होगा।

पहल परिवार की यह पहल ज्ञानरंजन की स्मृति को जीवित रखते हुए साहित्य में आलोचनात्मक विवेक, वैचारिक निर्भीकता और सामाजिक सरोकारों की निरंतरता बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।



दिव्यांग विद्यार्थियों संग मनाया दीपोत्सव, मिठाई-वस्त्र पाकर खिले चेहरे

जबलपुर,देशबन्धु। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल महाविद्यालय में प्रतिवर्ष अनुसार दीपोत्सव पर्व के अवसर पर दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ खुशियां साझा करते हुए पंचमहोत्सव पर्व का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर प्रो. अरुण शुक्ल द्वारा महाविद्यालय के दिव्यांग विद्यार्थियों को मिठाई एवं वस्त्र वितरित किए गए। उपहार पाकर विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी और उत्साह छा गया। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ आत्मीयता, अपनत्व एवं खुशियां साझा करने का संदेश दिया गया। प्रो. शुक्ल ने कहा कि दीपोत्सव केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन में उजाला भरने का पर्व है। दिव्यांग विद्यार्थियों की खुशी ही महाविद्यालय परिवार की असली दीपावली है। इस दौरान विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और पूरे परिसर में हर्षोल्लास का माहौल रहा। कार्यक्रम में डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. महेन्द्र कुशवाहा, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत एवं मनीष रघुवंशी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

लाइसेंस 260 को, पटाखे बेच रहे 400 से ज्यादा दुकानदार, कलेक्टर ने दिए तत्काल कार्रवाई के आदेश

जबलपुर,देशबन्धु। शहर में पटाखों की बेरोकटोक खुली बिक्री हो रही है। नियमों के अनुसार पटाखे सीलबंद बॉक्स में पैक्ड होने चाहिए और पैकेटों पर क्यूआर कोड अंकित होना चाहिए। लेकिन इन नियमों की खुलेआम अनदेखी कर पटाखों की खुली बिक्री की जा रही है। इस खुली बिक्री से प्रतिबंधित पटाखे तथा ग्रीन पटाखों के नाम पर फर्जी ग्रीन पटाखे धड़ल्ले से बेचे जा रहे हैं। 2 नवंबर को जारी की गई सूची के अनुसार 260 लोगों को ही पटाखे बेचने का लाइसेंस जारी हुआ है। लेकिन अभी पटाखे 400 से भी ज्यादा दुकानों से बेचे जा रहे हैं। जाहिर है कि जबलपुर में बगैर लाइसेंस पटाखे बेचने का कारोबार बिना रोकटोक जारी है। यह शिकायत आज नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा से मुलाकात कर की।



तत्काल कार्रवाई के आदेश- कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि कल ही उन्होंने 6 लोगों पर कार्रवाई की है। पटाखों की खुली बिक्री होना तथा बगैर लाइसेंस बेचे जाने से जनसुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। अत: इस बाबत तत्काल कार्रवाई की जाए, यह आदेश कलेक्टर ने आज जारी किए हैं। इस अवसर पर मंच के डॉ. पी.जी. नाजपांडे, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, एड. प्रभात यादव, डी.आर. लखेरा, अशोक यादव, यशवंत कोष्टा, पी.एस. राजपूत, एड. अमर प्रकाश गुप्ता तथा राम मिलन शर्मा उपस्थित थे।



राधाकृष्णन वार्ड में रंगमंच का भूमिपूजन

जबलपुर,देशबन्धु। पूर्व विधानसभा अंतर्गत राधाकृष्णन वार्ड में राजाबाबू डेयरी के पास प्रस्तावित रंगमंच निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। भूमिपूजन के अवसर पर उपस्थित भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि भाजपा की सरकार निरंतर विकास के लिए प्रतिबद्ध है और प्रत्येक क्षेत्र में कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में राधाकृष्णन वार्ड में भी अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में रंगमंच का निर्माण एक महत्वपूर्ण पहल है। निश्चित ही यह मंच क्षेत्रवासियों के लिए विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक आयोजनों का उपयोगी केंद्र बनेगा।

इस अवसर पर वार्ड पार्षद माधुरी सोनकर, जिला सोशल मीडिया प्रभारी राहुल दुबे, मंडल अध्यक्ष कैलाश चक्रवर्ती सहित राजा बाबू सोनकर, गुड्डू सोनकर, शैलेंद्र सिंह लोधी, भवानी शंकर अहिरवार, प्रियांशुल सोनकर, गणेश सोंधिया, सुरेश चौधरी, रमेश चौधरी, गोलू उपाध्यक्ष, नंदिनी चौधरी, आकाश चौरसिया, राजवीर सोनकर सहित क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय जन उपस्थित थे।

दैनिक राशिफल

गुरुवार 05 नवंबर 2026 का पंचांग विक्रम संवत् 2083, शक संवत 1948 हिजरी 1447, कार्तिक कृष्ण पक्ष की एकादशी, नक्षत्र- उ.फा.

मेष - साहित्य और कला में रुचि रखने वालों के लिए आज का दिन शुभ है। स्नेहीजन के साथ हुई भेंट से आप का मन खुश रहेगा। दोपहर के बाद घर में शांतिपूर्ण वातावरण बना रहेगा।

वृषभ - आज माता के स्वास्थ्य के विषय में चिंता बनी रहेगी। स्थायी संपत्ति के काम आज टालें। दोपहर के बाद आप के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मिथुन - किसी खास काम में सफलता मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। विरोधी भी आपसे पराजित होंगे। दोपहर के बाद घर में किसी विवाद का वातावरण बना रहेगा। **क. 278-789**

कर्क - आज आपका मन किसी उलझन में रहेगा, इससे आपको किसी विशेष काम करने में निराशा होगी। परिजनों के साथ तनावपूर्ण स्थिति बन सकती है।

सिंह - आज के दिन आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। आज आप प्रत्येक कार्य दृढ़ निर्णय शक्ति से करेंगे। इससे सफलता मिलेगी। आपमें क्रोध की भावना थोड़ी रहेगी, इसलिए मौन बने रहें।

कन्या - आज आपका मन कुछ अधिक इमोशनल रहेगा। इमोशनल होकर किसी तरह का गलत निर्णय ना ले लें, इसका ध्यान रखें। आज चर्चा और वाद-विवाद से दूर रहें।

तुला - आज का दिन लाभ का बना हुआ है। व्यापार में आपको लाभ होगा। संतान के साथ संबंध अच्छे बने रहेंगे। दोपहर के बाद मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक - दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास से प्रत्येक काम पूरे होंगे। व्यवसाय में भी आपकी प्रतिभा की प्रशंसा होगी। जॉब में अधिकारी आपके काम से खुश होंगे।

धनु - आप आज धार्मिक बने रहेंगे। किसी धार्मिक या मांगलिक प्रसंग पर जाने का अवसर मिल सकता है। आपका व्यवहार भी आज अच्छा रहेगा। गलत कामों से दूर रहेंगे।

मकर - आज संभलकर रहें। स्वास्थ्य के विषय में लापरवाह न रहें। नकारात्मक विचारों को खुद पर हावी न होने दें। इससे आपके बहुत से काम आसानी से बन जाएंगे।

कुंभ - आज साधारण सी बातों पर दांपत्यजीवन में विवाद हो सकता है। सांसारिक बातों में आपका मन नहीं लगेगा। अदालती कामकाज में संभलकर रहें।

मीन - आपका मन आज किसी चिंता में रहेगा। काम की सफलता में आपको विघ्न आएंगे। ऑफिस में साथियों की मदद नहीं मिलेगी। **मा. 389-267**

2,5,7,6,27,57,70,65,35,82,03



श्रीकृष्ण पर टिप्पणी से यादव समाज में आक्रोश

जबलपुर,देशबन्धु। कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री द्वारा मंच से भगवान श्रीकृष्ण के संबंध में की गई टिप्पणियों को लेकर राष्ट्रीय यादव महासभा में गहरा आक्रोश है। मंगलवार को घंटाघर स्थित कॉफी हाउस में आयोजित महासभा की महत्वपूर्ण बैठक में टिप्पणियों पर गहरी नाराजगी एवं आपत्ति व्यक्त की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष भरत सिंह यादव ने की।

झ बैठक में उपस्थित सामाजिक पदाधिकारियों ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण यादव समाज सहित करोड़ों श्रद्धालुओं के आराध्य हैं। उनके संबंध में इस प्रकार की टिप्पणियां धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली हैं। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि धीरेंद्र शास्त्री द्वारा की गई टिप्पणियों के विरोध में राष्ट्रीय यादव महासभा उनके कार्यक्रमों का बहिष्कार करेगी तथा समाज के लोगों से भी उनके कार्यक्रमों में शामिल नहीं होने की अपील करेगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 5 नवंबर 2026, गुरुवार को दोपहर 2 बजे राष्ट्रीय यादव महासभा का प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जबलपुर पहुंचकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपेगा। किसी भी कथावाचक या व्यक्ति को मंच से ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए जिससे किसी समाज की आस्था और भावनाओं को ठेस पहुंचे। बैठक में प्रमुख रूप से भरत सिंह यादव, रामरतन यादव, घनश्याम यादव, पवन यादव, अशोक यादव, नीलचंद यादव, डॉ. बालमुकुंद यादव, शुभम यादव, भानु यादव, देवांश यादव, एडवोकेट प्रभात यादव, अजय यादव, देवेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में सामाजिक साथी उपस्थित रहे।

धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग

जबलपुर,देशबन्धु। भगवान श्रीकृष्ण के संबंध में आपत्तिजनक एवं अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए पं. धीरेन्द्र शास्त्री के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। इस संबंध में श्रद्धालुओं ने संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत सौंपी है। शिकायत में कहा गया है कि भगवान श्रीकृष्ण भारतीय सनातन धर्म एवं करोड़ों श्रद्धालुओं के प्रमुख आराध्य देव हैं। श्रीमद् भागवत गीता के वचन करोड़ों लोगों के लिए श्रद्धा, आस्था एवं जीवन का मार्गदर्शन हैं। आवेदकों का आरोप है कि पं. धीरेन्द्र शास्त्री ने सार्वजनिक मंच पर हजारों भक्तों के समक्ष भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम का तुलनात्मक विवरण देते हुए भगवान श्रीकृष्ण के भाव, लीला और कला पर अभद्र भाव-भंगिमा के साथ टिप्पणी कर उन्हें नीचा दिखाने का प्रयास किया। शिकायत में उस टिप्पणी के अंश का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें ठाकुर के खड़े होने, चलने, नाम और बंशी बजाने को लेकर टेढ़ा-मेढ़ा बताया गया और धनुष चलाने को बड़ी बात बताया गया। आवेदकों ने मांग की है कि पं. धीरेन्द्र शास्त्री के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-299 व धारा-302 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया जाए। यदि अन्य संज्ञेय अपराध बनते हों तो उन पर भी उचित धाराएं लगाई जाएं। सोशल मीडिया पर अपलोड वीडियो को इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में सुरक्षित रखा जाए और निष्पक्ष वैधानिक कार्रवाई की जाए। की गई कार्रवाई से आवेदकों को भी अवगत कराया जाए। शिकायत पर शारदा यादव, प्रताप नारायण सिंह, जितेन्द्र यादव, सोमादत्त यादव, नीतेश यादव, दुर्गा सिंह राजपूत, अंकित यादव, नीशा यादव, अंकिता यादव, सृष्टि चौकसे सहित अन्य लोगों के हस्ताक्षर हैं।



250 मेगावाट अतिरिक्त बिजली, एनटीपीसी के माध्यम से होगी आपूर्ति

जबलपुर,देशबन्धु। प्रदेश में रबी सीजन के दौरान विद्युत की बढ़ती मांग एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने प्रदेश को ईस्टर्न रीजन अनअलोकेटेड पावर पूल से 250 मेगावाट विद्युत आवंटित की है। यह बिजली एनटीपीसी के माध्यम से मध्यप्रदेश को उपलब्ध कराई जाएगी तथा इसका आवंटन तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा। यह आवंटन ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के प्रयासों से संभव हुआ है।

रबी सीजन में कृषि कार्यों एवं अन्य उपभोक्ताओं की विद्युत आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह आवंटन प्रदेश में विद्युत मांग एवं उपलब्धता के बीच संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इससे प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को अतिरिक्त संबल मिलेगा तथा मांग के अनुरूप विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायता प्राप्त होगी। उल्लेखनीय है कि उक्त विद्युत लगभग 4.75 रुपये प्रति यूनिट की किफायती दर पर उपलब्ध होगी। इससे प्रदेश को प्रतिस्पर्धात्मक दरों पर अतिरिक्त विद्युत प्राप्त करने में मदद मिलेगी तथा विद्युत क्रय की लागत को नियंत्रित रखने के प्रयासों को भी बल मिलेगा। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा इस संबंध में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण को आवश्यक कार्रवाई करते हुए आवंटन को तत्काल प्रभाव से लागू करने तथा संबंधित पक्षों को सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं। आवंटित विद्युत के उपयोग हेतु आवश्यक विद्युत क्रय अनुबंध एवं अन्य वाणिज्यिक औपचारिकताएं नियमानुसार पूरी की जाएंगी। मध्यप्रदेश शासन प्रदेश के सभी श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं को मांग के अनुरूप विश्वसनीय एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। रबी सीजन में एनटीपीसी के माध्यम से 250 मेगावाट अतिरिक्त विद्युत की उपलब्धता इस दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम
सबको सद्गति दे भगवान

श्री भगवत रजक-भगवत रजक का निधन जबलपुर, ग्राम ओरिया निवासी अंबिका रजक, गुड्डा के बड़े पुत्र और अनिल रजक के भाई भगवत रजक का आकस्मिक निधन हो गया, वे 44 वर्ष के थे! उनकी अंत्येष्टि ग्राम के श्मशान घाट पर सम्पन्न हुई!



श्री गणेश मलिक- हाईकोर्ट सोसायटी पटेल मोहल्ला रामपुर निवासी श्री गणेश मलिक (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट में संपन्न हुआ।

श्री बबलू बेन- सप्लाई डिपो रोड सदर केंट निवासी श्री शंभू बेन के पुत्र श्री बबलू बेन (34) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री विजय गूजर- गोरा बाजार प्रायमरी स्कूल के पास केंट निवासी श्री विजय गूजर (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजकुमार चौधरी- टेस्टिंग रोड चांदमारी लालमाटी निवासी श्री राजकुमार चौधरी (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती निर्मला साहू- प्रिदर्शिनी कॉलोनी डुमना रोड निवासी श्री चतुर्भुज कुमार साहू की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला साहू (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कुसुम बाई सोनकर- खेरमाई वार्ड हनुमानताल निवासी श्री राम गोपाल सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम बाई सोनकर का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मीरा चौहान- कटियाघाट रोड गौर निवासी श्री जगदीश चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा चौहान (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट में संपन्न हुआ।

श्रीमती दुर्गा बाई तुरई- दमोहनाका क्षेत्रीय बस स्टैंड के पास निवासी श्री रामू तुरई की धर्मपत्नी श्रीमती दुर्गा बार्ठ तुरई (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री खेमचंद कठेरिया- उदय नगर व्हीकल रोड निवासी श्री खेमचंद कठेरिया (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा लता भारतीय- लखेरा गली जवाहरगंज निवासी श्री बीएल भारतीय की धर्मपत्नी श्रीमती आशा लता भारतीय (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजू अहिरवार- फेस 2 तिलहरी निवासी श्री किशोरी अहिरवार के पुत्र श्री राजू अहिरवार (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुमरी राजभर- कांचघर घमापुर रोड निवासी श्री सतीराम राजभर की धर्मपत्नी श्रीमती सुमरी राजभर (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री त्रिपती स्वामी- बिलहरी मंडला रोड निवासी श्री त्रिपती स्वामी (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

पुलिस आरक्षक को पिकअप, अधेड़ को हाईवा ने रौंदा

बरेला और भेड़ाघाट थाना क्षेत्र की घटना, दोनों की मौत

जबलपुर,देशबन्धु। बरेला थाना क्षेत्रांतर्गत तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने मोटरसाइकिल सवार पुलिस आरक्षक को रौंद दिया। भेड़ाघाट थानान्तर्गत रेत से भी हाइवा ने मोटर साइकिल सवार अधेड व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लिया। हाइवा चालक मोटर साइकिल सवार अधेड को बीस फीट तक घिसटते हुए ले गया। इन घटनाओं में पुलिस आरक्षक तथा अधेड व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस ने आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।



अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनु बेनीवाल से प्राप्त जानकारी अनुसार सिविल लाइन थाने में पदस्थ पुलिस आरक्षक अनिल मरावी अपनी मोटर साइकिल में सवार होकर ड्यूटी पर जा रहा था। बरेला रोड पर स्थित कान्हा ढाबे के पास तेज रफ्तार पिकअप वाहन के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसकी मोटर साइकिल को टक्कर मार दी। जिसके कारण मोटर साइकिल सवार चालक को गंभीर चोटें आई थी और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी।

घटना के बाद आरोपी चालक पिकअप वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने पिकअप वाहन को जब्त करते हुए आरोपी चालक के संबंध में पतासाजी प्रारंभ कर दी है। इसी प्रकार भेड़ाघाट चौराहे पर एक तेज रफ्तार हाईवा ने बाईक सवार व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे वह बाईक सहित हाईवा में फंसकर घिसटते चला गया और उसकी मौत हो गई। टीआई कमलेश चौरिया ने बताया कि ग्राम सिहोदा निवासी 50 वर्षीय सुखदेव केवट अपनी मोटर साइकिल से भेड़ाघाट चौराहे होते हुए कहीं जा रहे थे। उसी समय सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद सुखदेव बाइक सहित करीब 20 मीटर तक घिसटता चला गया। जिसे तत्काल ही उपचार के लिये मेडिकल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। दोनों मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर मामलों को जांच में लिया है।

किसान के खाते से 95 हजार ठगों ने उड़ाए

बरगी थाने में पीड़िता ने दर्ज करायी शिकायत

जबलपुर,देशबन्धु। बरगी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम समद पिपरिया निवासी एक कृषक के खाते से जालसाजों ने धोखाधड़ी कर 95 हजार रुपये हड़प लिये। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है।

पुलिस ने बताया कि समद पिपरिया निवासी 40 वर्षीय राजेश पटेल खेती किसानी करते है। जिनका बैंक अकाउंट बैंक ऑफ महाराष्ट्र की नारायणपुर तिलवारा शाखा में है। जिस पर वह अपना फोन-पे और गूगल-पे चलते है। विगत दिनों वह इलेक्ट्रॉनिक सामान लेने गौर गये थे, जहां उन्होंने 21 सौ का ऑनलाइन पेमेंट किया। इसके बाद किराने सामान का पांच हजार का ऑनलाइन पेमेंट किया। इसके बाद उन्होंने अपना अकाउंट चैक किया उनके खाते 95 हजार रुपये कम थे। जिसका ट्रांजेक्शन मैसेज भी मोबाइल पर नहीं आया। जिसके बाद घर पहुंचकर उन्होंने बचे हुए रूपये में से 64 हजार 600 रुपये बेटे के अकाउंट एवं 1000 रूपये साले दुर्गेश के अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया। बैंक जाकर पता किया जहां जानकारी मिली कि उसके बैंक अकाउंट से 95 हजार रुपये यूपीआई के माध्यम से 2 खातों में ट्रांसफर हुये है। अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधड़ी करते हुए उसके बैंक खाते से 95 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिये हैं। पीड़ित किसान की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

तीन स्मैक तस्कर पकड़ाए

जबलपुर,देशबन्धु। क्राइम ब्रांच और तिलवारा पुलिस ने वाहन चैकिंग के दौरान एक ब्रेजा कार का पीछा कर दो स्मैक तस्करों को दबोचा। जिनके पास से पुलिस ने 11 ग्राम स्मैक बरामद की। इसी प्रकार गोहलपुर पुलिस ने एक आरोपी के पास से 3.44 ग्राम स्मैक बरामद की है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के पास से चार मोबाईल फोन, एक ब्रेजा कार व 17 हजार 6 सौ रुपये की नगदी भी बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की।

तिलवारा पुलिस ने बताया कि बीती रात जबलपुर-नागपुर हाईवे पर ग्राम जोधपुर के पास वाहन चैकिंग लगाई गई थी। इसी दौरान एक लाल कलर की ब्रेजा कार क्रमांक एमपी 20 सीजी-0401 आती दिखी, जिसका चालक पुलिस को देखकर वाहन मोडक़र भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने कार का पीछा कर उसे रोक लिया। जिसके चालक ने अपना नाम राहुल साहू उम्र 31 वर्ष निवासी गोपाल मंदिर गोहलपुर एवं विकास पटेल उम्र 30 वर्ष निवासी गंज खमरिया (बोरिया) कटंगी बताया। तलाशी लेने पर संदेही राहुल साहू के पेंट की जेब में कागज की पुडिय़ा में मादक पदार्थ स्मैक रखी मिली एवं पोको व वीवो कम्पनी के 2 मोबाइल, नगदी 10 हजार 200 रूपये रखे मिले तथा विकास पटेल के पहने हुये पेंट के जेब कागज की पुडिय़ा में मादक पदार्थ स्मैक, रियलमी कम्पनी का मोबाइल नगदी 7 हजार 130 रूपये रखे मिले। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उक्त स्मैक वह गोटेगांव निवासी एक व्यक्ति से जिसका नाम नहीं जानते, उससे लेकर आये, जिसे वह फुटकर में बेचते। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए ग्यारह ग्राम स्मैक, कार, तीन मोबाईल व नगदी जब्त की।

एमपी-एमएलए के खिलाफ अभियोजन वापसी की स्वीकृति प्रदान करने की शक्ति हाईकोर्ट के पास

युगलपीठ ने संज्ञान याचिका की सुनवाई करते हुए दिये निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। एमपी एमएलए कोर्ट में वर्तमान व पूर्व सांसद व विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक प्रकरण में अभियोजन वापसी की शक्ति निर्धारण के संबंध में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अल्पेश वाई कोगजे तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ द्वारा सुनवाई की गयी। युगलपीठ ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिसंबर 2025 में पारित आदेश का हवाला होते हुए अपने आदेश में कहा है कि जनप्रतिनिधियों के खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रकरण के अभियोजन वापस की आवेदन की सुनवाई हाईकोर्ट द्वारा की जायेगी। युगलपीठ ने उक्त आदेश के साथ अभियोजन वापसी के लिए आये प्रकरणों पर सुनवाई 16 नवम्बर को निर्धारित की है।

गौरतलब है कि न्यायालय में पूर्व व वर्तमान सांसद-विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों की सुनवाई के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गये थे। सर्वोच्च न्यायालय ने देश के सभी हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई जनहित याचिका के रूप में करते हुए जनप्रतिनिधियों के खिलाफ लंबित प्रकरण की निगरानी रखने के आदेश जारी किये थे। याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट में लंबित प्रकरणों में 21 प्रकरणों में अभियोजन वापसी की स्वीकृति के आवेदन किये गये थे। जिसमें से चार प्रकरणों में गुण-दोष के आधार पर फैसला पारित कर दिया गया है। वर्तमान में सिर्फ 17 आवेदन लंबित है।

याचिका पर पिछली सुनवाई के दौरान अभियोजन वापसी की स्वीकृति प्रदान करने की शक्ति का मामला युगलपीठ के समक्ष उठाया गया। संबंधित पक्षकारों की तरफ से तर्क दिया गया कि धारा 321 के तहत अभियोजन वापस लेने की अनुमति देने का कार्य हाई कोर्ट द्वारा किया जायेगा या पहले ट्रायल कोर्ट को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करनी होगी। युगलपीठ ने इस मुद्दे पर 4 नवम्बर को निर्धारित की थी। याचिका पर बुधवार को सुनवाई के दौरान शासन की तरफ से पैरवी के लिए उपस्थित हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता बी डी सिंह ने युगलपीठ को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिसंबर 2025 में जारी दिषा-निर्देषों का हवाला देते हुए कहा गया कि अभियोजन वापसी के आवेदन का परीक्षण करने का अधिकार हाईकोर्ट के पास है। युगलपीठ ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देश का हवाला देते हुए उक्त आदेश जारी किये।

तेज रफ्तार कार ने ली थी मासूम की जान, चालक को एक साल की सजा

स्कूल से घर लौट रहे बालक को कार ने पीछे से मारी थी टक्कर

जबलपुर । स्कूल से पैदल घर लौट रहे मासूम को तेज रफ्तार कार से कुचलकर मौत के घाट उतारने वाले चालक को अदालत ने एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पाटन ने आरोपित यादवेंद्र सिंह लोधी पर एक हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार, घटना सात अक्टूबर 2022 की दोपहर करीब 3.20 बजे बेलखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरिया कलां की है। अर्पित सिंह लोधी स्कूल से पैदल अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान बस स्टैंड की तरफ से आ रही अल्टो कार क्रमांक एमपी 20 सीडी 4802 ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बालक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। घटना के समय मृतक के नाना भोले सिंह सड़क किनारे खड़े थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि कार चालक तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था। उनकी सूचना पर बेलखेड़ा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। बाद में कार चालक के विरुद्ध धारा 279 और 304-ए भारतीय दंड संहिता तथा मोटरयान अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। विवेचना के



दौरान पुलिस ने वाहन स्वामी को मोटरयान अधिनियम की धारा 133 के तहत नोटिस जारी किया। इसके जवाब में उसने घटना के समय स्वयं वाहन चलाना स्वीकार किया। पुलिस ने वाहन और उसके दस्तावेज जब्त किए। जांच में आरोपी के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होना भी सामने आया, जिसके बाद मोटरयान अधिनियम की धारा 3/181 भी जोड़ी गई।

विवेचना पूरी होने पर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में उपनिदेशक अभियोजन केएस मुवेल और सहायक निदेशक अभियोजन संदीप जैन के मार्गदर्शन में सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी भगवानदास पटेल ने पैरवी की। अभियोजन साक्षियों के परीक्षण और प्रस्तुत तर्कों से सहमत होते हुए न्यायालय ने यादवेंद्र सिंह को एक वर्ष के सश्रम कारावास और एक हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

मुआवजा नहीं चुकाने पर कलेक्टर कार्यालय की संपत्ति कुर्क करने का आदेश

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने जारी किए निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्ति के स्वजन को मुआवजा राशि का भुगतान नहीं करने पर तीसरे अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने कलेक्टर कार्यालय की चल-अचल संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए हैं।

आदेश के पालन में बुधवार को अधिवक्ता और संबंधित अधिकारी कुर्की की कार्रवाई के लिए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। प्रकरण के अधिवक्ता आत्माराम लखेरा के अनुसार, सात अक्टूबर 2019 को कुंडम एसडीएम के बोलेरो वाहन (एमपी-02 एवी-6643) से हुई दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। हादसे के समय वाहन टीकाराम ठाकुर चला रहे थे। वाहन का स्वामित्व मध्य प्रदेश शासन, कलेक्टर जबलपुर के नाम था। मृतक की पत्नी नूरजहां ने मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 166 के तहत मुआवजे का दावा प्रस्तुत किया था। तीसरे अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के सदस्य बृजेश सिंह की अदालत ने 25 फरवरी, 2025 को प्रकरण में निर्णय सुनाते हुए ब्याज सहित 12 लाख 93 हजार रुपये का मुआवजा देने का अवार्ड पारित किया था। अधिवक्ता का कहना है कि न्यायालय के आदेश के बावजूद निर्धारित राशि का भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने जिला न्यायालय में अवार्ड के निष्पादन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। भुगतान लंबित रहने पर न्यायालय ने कलेक्टर कार्यालय की चल-अचल संपत्ति कुर्क करने के निर्देश जारी किए।

केंद्रीय उपक्रम में कार्यरत चिकित्सक को इन-सर्विस अभ्यर्थी का लाभ क्यों नहीं

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा व संचालक चिकित्सा शिक्षा से मांगा जवाब

जबलपुर,देशबन्धु। केंद्रीय उपक्रम में छह वर्ष तक ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सकीय सेवाएं देने के बावजूद इन-सर्विस अभ्यर्थी का लाभ नहीं मिलने के मामले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार सहित संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। मुख्य न्यायाधीश अल्पेश यशवंत कोगजे व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने राज्य सरकार, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा और संचालक चिकित्सा शिक्षा को तीन सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 25 नवंबर को निर्धारित की गई है।

यह याचिका शांति नगर, जबलपुर निवासी डा. अभिषेक अग्निहोत्री की ओर से दायर की गई है। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि नियमानुसार राज्य सरकार के विभागों में मेडिकल ऑफिसर के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं देने वाले चिकित्सकों को मेडिकल पीजी प्रवेश में इन-सर्विस अभ्यर्थी का दर्जा दिया जाता है। इस श्रेणी के लिए 30 सीटें आरक्षित हैं। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र में एक वर्ष की सेवा पर 10 अंक और अधिकतम 30 अंकों का लाभ दिए जाने का प्रविधान है। याचिकाकर्ता का कहना है कि उन्होंने केंद्र सरकार के उपक्रम नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन (एनएमडीसी), पन्ना में ग्रामीण क्षेत्र में छह वर्ष तक सेवाएं दी हैं। इसके बावजूद उन्हें इन-सर्विस अभ्यर्थी के रूप में पात्रता का लाभ नहीं दिया जा रहा है। इस आधार पर उन्होंने हाई कोर्ट की शरण ली है। प्रारंभिक सुनवाई के बाद युगलपीठ ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

हाईकोर्ट में सात न्यायाधीशों की नियुक्ति की अनुशंसा को चुनौती, सुनवाई आज

ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन की जनहित याचिका पर एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के प्रतिनिधित्व की अनदेखी का आरोप

जबलपुर,देशबन्धु। हाईकोर्ट में सात अधिवक्ताओं को न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की अनुशंसा को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर गुरुवार, पांच नवंबर को सुनवाई होगी। ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से दायर याचिका पर मुख्य न्यायाधीश अल्पेश यशवंत कोगजे और न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ सुनवाई करेगी। याचिका में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा हाईकोर्ट में सात अधिवक्ताओं को न्यायाधीश नियुक्त करने के लिए केंद्र सरकार को भेजी गई अनुशंसा की संवैधानिकता पर सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता संगठन का आरोप है कि न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया में सामाजिक संतुलन और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व की अनदेखी की गई है।

आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व की मांग-एसोसिएशन की जनहित याचिका में कहा गया है कि संगठन ने राष्ट्रपति, भारत के प्रधान न्यायाधीश व हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन देकर न्यायपालिका में वंचित वर्गों के पर्याप्त प्रतिनिधित्व की मांग उठाई थी। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि इन ज्ञापनों पर निर्णय किए बिना ही सात नामों की अनुशंसा कर दी गई। याचिका में इस अनुशंसा को निरस्त करने और हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को नियुक्तियों पर पुनर्विचार करने के निर्देश देने की मांग की गई है। साथ ही न्यायपालिका में ओबीसी, एससी और एसटी वर्गों की आबादी के अनुपात में भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। याचिकाकर्ता संगठन की ओर से अधिवक्ता विनायक प्रसाद शाह, परमानंद साहू, उदय कुमार, तीरथ प्रसाद जायसवाल, पुष्पेंद्र कुमार, अखिलेश कुमार प्रजापति, रमेश कुमार प्रजापति, त्रिलोकी नाथ सोनकर और काजल विश्वकर्मा पैरवी कर रहे हैं।

ये सात नाम हैं प्रस्तावित-सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त करने के लिए डा. विवेक शरण, राजेश कुमार शुक्ला, कनक गहरवार उर्फ कनक लता सिंह, भक्ति व्यास, श्रेयस पंडित, मृणाल एलकर उर्फ मृणाल मजूमदार और अविनाश जरगर के नामों की अनुशंसा की है।

स्कूली छात्र को सात दिनों में प्रदान करें टीसी और सर्टिफिकेट

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने बल्देवबाग स्थित स्टेम फील्ड इंटरनेशनल स्कूल को निर्देशित किया है वह याचिकाकर्ता छात्र की कक्षा सातवीं और कक्षा आठवीं का ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) और सर्टिफिकेट सात दिनों में उपलब्ध कराये। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो दस्तावेज न देने के कारणों के संबंध में याचिकाकर्ता को इसी समय-सीमा के भीतर सूचित किया जाए। जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने उक्त निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर को निर्धारित की है। यह मामला आनंद कालोनी बल्देवबाग जबलपुर निवासी 14 वर्षीय शिवराज त्रिपाठी पिता अखिलेश चंद्र त्रिपाठी की ओर से दायर किया गया था। जिनकी ओर से अधिवक्ता राजेश चंद, रोहित नानेपाग ने पक्ष रखा। जिन्होंने न्यायालय को बताया कि याचिकाकर्ता ने स्कूल प्रबंधन से अपनी सातवीं और आठवीं की मार्कशीट के साथ ही टीसी की मांग की थी, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने उन्हें उक्त दस्तावेज प्रदान नहीं किये। जिस पर हाईकोर्ट की शरण ली गई। मामले में स्कूल की मान्यता व सीबीएसई की गलत एफिलियेशन दस्तावेजों के मुद्दे भी उठाये गये। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने आवेदक के पक्ष में उक्त राहतकारी आदेश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर को निर्धारित की है।

दो से अधिक मतों का अंतर होने पर ही घोषित होगा परिणाम

2024 की मतदाता सूची में नाम, 2026 की सूची से हटाए जाने को दी थी चुनौती

जबलपुर,देशबन्धु। हाईकोर्ट ने जिला बार एसोसिएशन, टीकमगढ़ के चुनाव में दो अधिवक्ताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के विवाद पर महत्वपूर्ण आदेश दिया है। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने दोनों अधिवक्ताओं को मतदान की अनुमति देते हुए उनके मतों की गणना पर शर्त लगा दी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जीत और हार के बीच अंतर दो मतों से अधिक होने पर ही चुनाव परिणाम घोषित किया जा सकेगा। याचिकाकर्ता अधिवक्ता अनिल कुमार अहिरवार और अभिनव यादव ने याचिका दायर कर बताया कि वर्ष 2024 के चुनाव की मतदाता सूची में उनके नाम शामिल थे, लेकिन वर्ष 2026 की अंतिम मतदाता सूची से उनके नाम हटा दिए गए। इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए उन्होंने हाई कोर्ट की शरण ली।

उनकी ओर से अधिवक्ता प्रखर नवेरिया ने पैरवी की। सुनवाई के बाद युगलपीठ ने दोनों अधिवक्ताओं को मतदान की अनुमति दे दी, लेकिन उनके मतों को तत्काल मतगणना में शामिल करने से रोक दिया। अदालत ने निर्देश दिया कि दोनों अधिवक्ताओं के अभ्यावेदन पर मध्यप्रदेश स्टेट बार काउंसिल की नवनिर्वाचित बॉडी निर्णय करेगी। इसके बाद ही इन मतों की गणना का प्रश्न तय होगा। हाईकोर्ट ने चुनाव परिणाम घोषित करने के लिए शर्त निर्धारित की है। जीतने और दूसरे स्थान पर रहने वाले प्रत्याशी के बीच अंतर दो मतों से अधिक रहने पर ही परिणाम घोषित किया जा सकेगा। दो या इससे कम मतों का अंतर होने पर विवादित दोनों मतों की गणना और स्टेट बार काउंसिल का निर्णय महत्वपूर्ण होगा। इस आदेश से टीकमगढ़ बार चुनाव का परिणाम दोनों अधिवक्ताओं के मताधिकार संबंधी विवाद के समाधान से जुड़ गया है।

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/1234/अ-6/2026-27
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक जिज्ञाशा खेश आत्मजा स्व. श्री फ्रांसिस खेश ने मौजा सिविल स्टेशन नजूल ब्लाक नं. 19 प्लाट नं. 1/1 रकवा 650 व.फु. खसरा नं. ..... रकवा .... व.फु./हे. पर वारसान हक/ दिनांक श्रीमती निर्मला पुष्पा खेश फौती के आधार पर क्रेता/खातेदार की मृत्यु दिनांक 30/07/2026 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, रजिस्ट्री, मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ....ब्लाक नं. 19 प्लाट नं. 1/1 रकवा 650 व.फु./हे. ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं. .... खसरा नं. .... रकवा ..... व.फु./हे. ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं..... खसरा नं..... रकवा..... व.फु./हे. पर श्रीमती निर्मला पुष्पा खेश पति स्व. श्री फ्रांसिस खेश का नाम विलोपित करते हुए जिज्ञासा खेश पिता स्व. फ्रांसिस खेश का यथावत रखा जावे। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 22/10/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 22/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक 22/10/2026
पेशी दिनांक 09/11/2026
तहसीलदार,
रांझी, जबलपुर (म.प्र.)
र.नं. 2897

न्यायालय नायब तहसीलदार पनागर जिला जबलपुर
रा.प्र.क्र. 1354/अ-6/2026-27
आम इश्तहार
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक शेखर पटेल प्रवीण कुमार पिता पुरषोत्तम लाल पटेल निवासी- डी 9 पटेलनगर महाराजपुर ने ग्राम मोहनिया प.ह.नं. 20 रा.नि.मं. पनागर स्थित भूमि खसरा नं. 94, 272, 439, 438, 487 रकवा 0.20, 0.45, 0.03, 0.08, 0.32, हे. भूमि का वसीयत के आधार पर नामांतरण बंटवारा/ अभिलेख दुरूस्त/ रकवा सुधार/ नक्शा बटांक हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में पेश किया गया है। अतः उक्त भूमि के नामांतरण बंटवारा/अभिलेख दुरूस्ती/ रकवा सुधार/ नक्शा बंटाक जिस किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इश्तहार प्रकाशन की तिथि से 28/10/2026 दिनों के अंदर स्वयं उपस्थित होकर या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में पेश कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। इश्तहार आज दिनांक 29/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
सुनवाई दिनांक-19/11/2026
नायब तहसीलदार
पनागर
र.नं. 2903

आम सूचना
आम जनता को उक्त दैनिक समाचार पत्र के प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मैं शेख महबूब मंसूरी पिता हाजी अब्दुल मजीद मंसूरी निवासी म.नं 1203/3, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, शास्त्री वार्ड, अजीजगंज पसियाना थाना गोहलपुर जबलपुर का स्थाई निवासी हूँ। मेरे प्रथम पत्नी श्रीमती सुल्ताना बेगम से दो पुत्र क्रमशः मो. शोएब मंसूरी एवं शेख सैदुल मंसूरी है दोनों पुत्र मेरे साथ मारपीट करते हैं और मुझे मानसिक एवं शारीरिक रूप से यातनायें देते है मैं हृदय रोग से पीडित हूँ। मैं इनसे अत्यधिक परेशान हूँ। मेरे दोनों पुत्र बालिग हैं मैं आम सूचना के माध्यम से आमजनता को सूचित करता हूँ कि मैं अपने पूर्ण होशों हवास में स्वस्थ्य मनचित दशा में घर/संपत्ति से इन्हे बेदखल करता हूँ। कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था से यह यदि यह लेन देन करते हैं तो संपूर्ण जिम्मेदारी इनकी होगी।
जबलपुर दिनांक-04/11/2026
आवेदक
शेख महबूब मंसूरी
पिता हाजी अब्दुल मजीद मंसूरी
निवासी म.नं 1203/3, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, शास्त्री वार्ड, अजीजगंज पसियाना थाना गोहलपुर जबलपुर
र.नं. 2905 मो.नं. 9713505334

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्र./1235/अ-6/2026-27
आम इश्तहार
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका संबगा पिल्लई पिता/पति रामचंद्र पिल्लई निवासी- कजरवारा द्वारा ग्राम कजरवारा प.ह.नं. 10 नं.बं. 505 ख.नं. 48 रकबा 560 वर्गफुट भूमि रजिस्टर्ड विक्रय पत्र/ वसीयतनामा/ सहमति पत्र/ फौती के आधार पर शासकीय अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः उक्त भूमि आवेदक/आवेदिका के नाम दर्ज किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति/एतराज हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय के कक्ष क्र. 32 में तारीख पेशी के पूर्व पेश कर सकता है। समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से आज दिनांक 30/10/26 को जारी।
जारी दिनांक 30/10/2026
पेशी दिनांक 13/11/2026
अतिरिक्त तहसीलदार
रांझी जबलपुर

चॉकलेट-बिस्किट के साथ बिना अनुमति बेचे जा रहे थे पटाखे

जबलपुर,देशबन्धु। ग्वारीघाट थाना क्षेत्रांतर्गत पोलीपाथर के रहवासी इलाके में गुरु नानक जनरल स्टोर्स में चॉकलेट-बिस्किट के साथ पटाखे बेचने का कारोबार हो रहा था, जिसका कोई लाइसेंस दुकान संचालक के पास नहीं था। पुलिस ने मौके पर दबिश देकर पटाखे जब्त करते हुए दुकानदार के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि पोलीपाथर के डॉक्टर बोस के सामने गुरुनानक जनरल स्टोर दुकान का संचालक 50 वर्षीय नरेश पंजवानी निवासी अवधपुरी कालोनी ग्वारीघाट पटाखों का विक्रय कर रहा था। जबकि उक्त क्षेत्र रहवासी इलाका है और पटाखे विक्रय का किसी प्रकार की कोई अनुमति दुकानदार के पास नहीं मिली। पुलिस ने उक्त दुकान से एक कार्टून में 7 पैकेट फूलझड़ी, एक बोरी में 3 पैकेट राकेट, 40 नग अनार, पिंक लिंग कलर 5, नुकीला बम 2 पैकेट, कमांडो के 55 पैकेट, 52 नग बिजली क्रेकर,नग रैगो पटाका, 1 नग रेड ब्लास्ट जब्त किये।

नाम सुधार सूचना
मैं, अर्चना दुबे पति श्री योगेन्द्र दुबे, उम्र 58 वर्ष, निवासी-प्लाट नं. 112 नर्मदा परिसर, फेस-1, पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड, पंजाब बैंक कालोनी, चेरीताल, जबलपुर (म.प्र.) (आधार नं. 8471 7971 8968) का शपथपूर्वक निम्न कथन करती हूँ, कि:-
1. यह कि, मैं उपरोक्त पते की स्थाई निवासी हूँ।
2. यह कि, मेरे पुत्र आदित्य दुबे आत्मज श्री योगेन्द्र दुबे की कक्षा 10वीं की अंकसूची में बच्चे (छात्र) की माता (यानि मुझ शपथकर्ती) के नाम की अंग्रेजी अक्षर की त्रुटिपूर्ण स्पेलिंग **ARCHNA DUBEY** अंकित हो गई है, जबकि आदित्य दुबे की माता के नाम की अंग्रेजी अक्षर की सही स्पेलिंग **ARCHANA DUBEY** है, जो कि आधारकार्ड, पेनकार्ड आदि में भी यही सही स्पेलिंग अंकित है।
त्रुटि पूर्ण नाम:
ARCHNA DUBEY
सही नाम
ARCHANA DUBEY
जबलपुर - दिनांक - 4 नवम्बर 2026

नाम परिवर्तन सूचना
मैं HIMANSSHU MISHRRA उम्र 35 वर्ष S/O ANIL MISHRA मेरी 10th,12th की अंकसूची में मेरा नाम (HIMANSHU MISHRA) लिखा हुआ है जो की बदल कर HIMANSSHU MISHRRA कर लिया है जो कि मेरे आधार, पेन और अन्य सरकारी दस्तावेजों में दर्ज है अतः मुझे मेरे सही नाम HIMANSSHU MISHRRA से जाना पहचाना जाए।
नया नाम:- HIMANSSHU MISHRRA
पुराना नाम :- HIMANSHU MISHRA
पता -: 806 न्यू 836/1 खेरमाई हनुमानताल जबलपुर

CHANGE OF NAME
I, Army No. - 15709672M, Rank - Hav, Name - Ratheesh N, Unit - HQ 1STC, Home - address, Vill - Peruncode, Post - Neyyoor, Teh - kalkulalm, Dist - Kaniya kumari, State - Tamil Nadu, Pin - 629802., I have changed my Daughter Name from R RAKSHA to RAKSHA R Vide Affidavit No. BY 409192 Dated 02/11/2026 before Notary, Jabalpur (MP).
INCORRECT NAME
R RAKSHA
CORRECT NAME
RAKSHA R

युवक के पेट में धंसी गोली, हालत गंभीर



साजिश या शौक

कैसे और किसने चलाई गोली, रहस्य बनी घटना

रीवा देशबन्धु। पुरानी सब्जी मंडी में मंगलवार देर रात अचानक गोली चल गई जिसमें एक फल विक्रेता गंभीर रूप से घायल हो गया है। गोली युवक के पेट में धसी है और उसे नाजुक हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां से उसे जबलपुर रेफर किया गया है। लेकिन इस पूरी घटना के पीछे की जो कहानी सामने आ रही है, उसने पुलिस को भी उलझा कर रख दिया है। आशंका जताई जा रही है कि यह गोली किसी हमले में नहीं बल्कि खुद के हाथ से ही चली है। दरअसल यह पूरी घटना रीवा के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली पुरानी सब्जी मंडी की है। रात के करीब 10.30 बज रहे थे। तभी मंडी में अचानक गोली चलने की आवाज से सन्नाटा पसर गया। यहां फल की दुकान चलाने वाला युवक शुभम उर्फ लल्ला खटिक खून से लथपथ हालत में जमीन पर गिर पड़ा। गोली शुभम के पेट में जा धंसी थी।

आननफानन में उसे रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बाद से ही इलाके में अब तरह-तरह की चर्चाएं तेज है। शुरुआती जांच और सूत्रों के मुताबिक आशंका है कि युवक पिस्तल के साथ खेल रहा था और इसी दौरान अचानक ट्रिगर दबने से मिसफायर हुआ और गोली उसके पेट में लग गई। हालांकि पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आखिर फल विक्रेता के पास यह अवैध पिस्तल आखिर आई कहां से? इस मामले में घायल युवक की मां का कहना है कि वह और उसके दोनों बेटे मिलकर सब्जी और फल की दुकान चलाते हैं। कल रात जब वह दुकान से घर लौट आई उसके बाद दुकान पर यह हादसा हुआ। मां के मुताबिक घटना के वक्त उनका छोटा बेटा अभी खटिक भी मौके पर मौजूद नहीं था। मां ने इस बात से साफ इंकार किया है कि गोली किसने और कैसे चलाई।



इनका कहना हैं



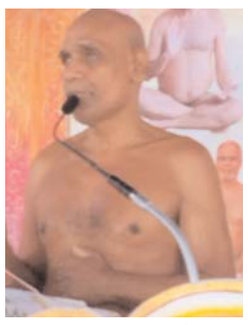
पुलिस को शुरुआत में खुद से ही गोली चलने यानी एक्सीडेंटल फायर की सूचना मिली थी। पुलिस की टीम लगातार संजय गांधी अस्पताल और घटना स्थल पर मुस्तैद है। फिलहाल वारदात का असली रहस्य क्या है? यह शुभम के होश में आने के बाद ही पूरी तरह साफ हो पाएगा। पुलिस इस मिस्ट्री को सुलझाने में जुटी हुई है कि यह महज एक हादसा था या फिर कोई साजिश या फिर अवैध हथियार का जानलेवा सच। फिलहाल पुलिस मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है।

निशा मिश्रा
कोतवाली थाना प्रभारी

अहंकारी व्यक्ति को भगवान नहीं दिखते हैं : मुनिश्री निर्दोष सागर

पनागर, देशबन्धु। हृदय में कोमलता का ना आना अहंकार है उत्तम मार्दव धर्म को पालने वाला व्यक्ति महान होता है भक्तों को पत्थर नहीं दिखता और अहंकारी को भगवान नहीं दिखता फल से लगे हुए वृक्ष की तरह गुणवंत व्यक्ति नंबर होता है धर्म सबसे पहले झुकने का पाठ सिखाता है अभिमान आत्मा का स्वभाव नहीं है। अभिमानी का व्रत सेल संयम स्वाध्याय निष्फल है जहां अहंकार से अनेक कुबुद्धिया उत्पन्न होती हैं अभिमानी पिता से पुत्र, पुत्र से पिता, गुरु से शिष्य, शिष्य से गुरु, स्वामी से सेवक दूर हो जाता है अर्थात छोड़ देता है।

उपरोक्त मांगलिक प्रवचन पूज्य मुनि श्री 108 संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के परम शिष्य पूज्य मुनि 108 श्री निर्दोष सागर महाराज जी ने बड़े जैन मंदिर जी के प्रांगण में विशाल जैन समूह को संबोधित करते हुए कहे। भाव विशुद्ध हुए बिना कैसा त्याग विराग। मान करो मत त्याग का, करो मान का त्याग।। बिना भाव की विशुद्ध हुए त्याग नहीं होता संसारी प्राणी को मान का त्याग करना चाहिए और अपना मूल्यवान जीवन सफल बनाना चाहिए। मन वचन काय की सरलता से पुण्य प्राप्त होता है एवं सरल व्यक्ति की उसकी विरोधी भी प्रशंसा करते हैं।



प्रवचन के पूर्व आज श्री 1008 चंद्र प्रभु भगवान का अभिषेक शांति धारा एवं पूजन इत्यादि धार्मिक कार्य संपन्न हुए ज्ञानचंद जी जैन राकेश चौधरी राजेंद्र जैन विमल जैन संजय जैन संगम जैन टप्पू सज्जू जैन के अलावा भारी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे कार्यक्रम में महिलाओं एवं बच्चों ने भी अपनी सहभागीता दिखाते हुए शामिल हुई और धर्म लाभ लिया।

सार-समाचार

बच्चों को धन की नहीं, धर्म की वसीयत दें : मुनिश्री निष्कम्प सागर

शहपुरा/जबलपुर, देशबन्धु। इस काल में मिथ्यात्व की बहुलता है और उसमे भी इस काल में मनुष्य पर्याय प्राप्त हुए और मनुष्य पर्याय में भी जैन धर्म प्राप्त किया, कितना दुर्लभ है।



यह मुनि निष्काम सागर जी ने अपने उपदेश में कहा ङ्क मुनि निष्कम्प सागर जी ने अपने मंगल उपदेश में कहा कि अपने बच्चों को कुछ देना है तो धर्म देना, धर्म की वसीयत देना। हम बच्चों को धन की वसीयत देते हैं और यही धन संसार का कारण है। हम धन नहीं, धर्म की वसीयत दें। कहना बेटा यह वह घर है जहाँ जिनेन्द्र भगवान का अभिषेक होता है। यह वह घर है जहाँ साधुओं के चरण पड़ते हैं। मेरे पास और कुछ नहीं है, वह धर्म है। सपूत बच्चा होगा तो कहेंगे कि पिताजी, मैं धर्म चाहता हूँ। आपने बहुत उपकार किया कि आपने इतने अच्छे कुल में जन्म दिया है। जहाँ आंख खोलते ही जिनेन्द्र भगवान के दर्शन हुए मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं । हमें धन नहीं चाहिए, धर्म चाहिए धर्म चाहिए और धर्म ही वह दुनिया की सच्ची संपत्ति है। ङ्क यह उद्गार मुनि श्री निष्कम्प सागर जी महाराज ने आमनपुर स्थित...श्री महावीर विद्यालय में कहे प्रातः गड़ा जैन मंदिर से बिहार कर आमनपुर पहुंचे अभिषेक शांति धारा आचार्य जी की पूजन प्रवचन आचार्य श्री विद्यासागर जी आचार्य की समय सागर की पूजन का सौभाग्य पी.सी. जैन ,संकल्प जैन , मोनू पटेल , सुनील चड्ढा , मोनू इंप्रेस, सहित जैन समाज को गण मान्य श्रावक उपस्थित थे । मुनि श्री का चातुर्मास शिवनगर में हुआ। धर्म प्रभावना के लिए सभी कॉलोनी मैं प्रभु वंदना के लिए निकले हैं आज प्रातः बेला में मुनि संघ शिवनगर में प्रवेश होगा । आज की आहारचर्या जित्तू जैन सपरिवार।

कॉलेज के गेट पर अतिथि शिक्षक ने अपने हक के लिए कराया मुंडन

रीवा, देशबन्धु। ठाकुर रणमत सिंह यानी टीआरएस कॉलेज से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग को हिलाकर रख दिया है। एक लाचार लेकिन स्वाभिमानी अतिथि शिक्षक ने कॉलेज के मुख्य गेट पर अपनी गरिमा, अपने हक और अपनी रोजी-रोटी के लिए अपना सिर मुंडवा लिया है। मामला राजनीति विज्ञान विभाग के जनभागीदारी अतिथि विद्वान डॉ. शिवानन्द मिश्रा का है। पीड़ित शिक्षक का कहना है कि उच्च न्यायालय का स्पष्ट आदेश होने और उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के बावजूद, उन्हें कॉलेज में ज्वाइनिंग नहीं दी जा रही है। महीनों से दफ्तरों के चक्कर काट रहे इस शिक्षक का आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर, जानबूझकर उनका भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है। आरोप है की कॉलेज प्रबंधन ने अतिथि विद्वानों को निकालने के लिए कागजों में हेरफेर किया। उन्होंने विभाग में छात्रों की संख्या सिर्फ 400 बताई थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि अतिरिक्त शिक्षकों की जरूरत नहीं है। लेकिन जब कलेक्टर की स्पेशल टीम ने जांच की, तो वहां 603 छात्र नामांकित मिले! यानी सच को छुपाया गया, वरिष्ठ अधिकारियों को गुमराह किया गया। पीड़ित अतिथि विद्वान ने अब सीधे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से न्याय की गुहार लगाई है।

जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में अंजलि जैन को मिला प्रथम पुरस्कार



बरेला, देशबन्धु। शिक्षण संस्था मित्र संघ पब्लिक एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मेगामाइंड्स के साथ नगर निगम जबलपुर के सहयोग से जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का दो वर्गों में आयोजन किया गया था जिसमें ग्रुप बी में नगर की अंजलि जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 11000 की पुरस्कार राशि जीती। अंजलि जैन बस स्टैंड निवासी जय जैन श्रीमती जया जैन की सुपुत्री हैं। अंजलि के प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने पर नगर में हर्ष का माहौल व्याप्त है ।सभी नगर वासियों ने इसकी उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अवैध शराब के कारोबार और पुलिस की निष्क्रियता को लेकर सपा ने खोला मोर्चा

पाटन, देशबन्धु। पाटन विधानसभा क्षेत्र के अनेक गांवों में कथित रूप से चल रहे अवैध शराब के कारोबार और पुलिस द्वारा शिकायतों पर कार्रवाई नहीं किए जाने के विरोध में समाजवादी पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है। पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक जबलपुर और थाना प्रभारी पाटन को ज्ञापन सौंपकर अवैध शराब के खिलाफ विशेष अभियान चलाने तथा लंबित शिकायतों पर वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि पाटन क्षेत्र के कई गांवों में अवैध शराब का कारोबार खुलेआम संचालित हो रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की जनता नशे की गिरफ्त में आ रही है। पार्टी ने पुलिस से अवैध शराब के कारोबार पर सख्ती से अंकुश लगाने और संबंधित लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। वहीं,ज्ञापन में सविता प्रजापति पर प्लॉट के नाम पर 10 लाख 50 हजार रुपये की कथित धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए मामले को भी उठाया गया है। आरोप है कि संबंधित पक्ष द्वारा गवाह को सामाजिक रूप से बदनाम करने,गाली-गलौज एवं



जान से मारने की धमकी देने के साथ झूठे आवेदनों के माध्यम से छेड़छाड़ जैसे गंभीर अपराध में फंसाने का षड्यंत्र किया जा रहा है। पार्टी का कहना है कि इस संबंध में चौकी नुनसर एवं थाना पाटन में साक्ष्यों और गवाहों सहित आवेदन प्रस्तुत किए गए हैं,लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ज्ञापन में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है।

समाजवादी पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि इन मांगों पर शीघ्र जांच एवं निराकरण नहीं किया गया तो पार्टी बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी,जिसकी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी। इस दौरान ठा.विक्रम सिंह,संजय यादव ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष,राजेश मिश्रा,बल्देव सिंह

,नोकेलाल प्रजापति स.पा. जिला अध्यक्ष,राजेश यादव स.पा.कार्यकारी अध्यक्ष,जमील खान,रवि जैन,सुलतान सिंह,अरविंद सिंह,विजय सिंह,रौनक राजोरिया,पप्पू सिंह,यश बबेले,भक्कम यादव,अभय प्रजापति,योगेश यादव वंश यादव स.पा.ब्लॉक अध्यक्ष सहित पवन वर्मन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बिना अनुमति नहीं हो सकेंगे आयोजन दोपहिया रैली और डीजे पर रहेगा प्रतिबंध

जिले में दो माह तक धारा 163 लागू

पाटन, देशबन्धु। दीपावली एवं आगामी त्योहारों के मद्देनजर जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। अपर जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से आगामी दो माह तक लागू रहेगा।

आदेश के अनुसार प्रशासनिक अनुमति के बिना किसी भी प्रकार के आयोजन नहीं किए जा सकेंगे। जिले में दोपहिया वाहन रैली और डीजे के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले नारे,गाने और आपत्तिजनक संदेशों के प्रसारण पर भी रोक रहेगी। इसके अलावा होटल, लॉज एवं धर्मशालाओं में ठहरने वाले व्यक्तियों का पहचान पत्र लेकर प्रतिदिन थाने में जानकारी देना अनिवार्य होगा। किरायेदारों एवं पेइंग गेस्ट की जानकारी भी संबंधित थाने को देनी होगी। पेट्रोल पंपों पर खुले रूप में डिब्बे या बोतलों में पेट्रोल बेचने पर रोक लगाई गई है।आदेश में सोशल मीडिया पर भड़काऊ,आपत्तिजनक एवं सांप्रदायिक संदेश,फोटो और वीडियो पोस्ट करने,फॉरवर्ड करने,लाइक या कमेंट करने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 सहित अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।



करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत

सतना, देशबन्धु। जिले के उचेहरा क्षेत्र अंतर्गत खोह गांव के मझगवां हार में ट्रांसफार्मर से उतरे करंट की चपेट में आने से खेतिहर मजदूर नरेंद्र कोल 35 वर्ष की मौत हो गई। मृतक किसान आरपी सिंह परमार के फार्म हाउस में रखवाली का कार्य करता था। बताया गया कि पिछले वर्ष उसके पत्नी की भी असमय मौत हो गई थी। उसके दो बेटे और दो बेटियां हैं, जिन पर से माता-पिता का साया उठ गया। सूचना पर उचेहरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं पुलिस प्रकरण दर्ज कर घटना की जांच कर रही है।

ट्रक की टक्कर से पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त, डीएसपी घायल

सिवनी, देशबन्धु। सिवनी जिले के नेशनल हाईवे-44 पर छपारा बाईपास चौराहे के पास बुधवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने बालाघाट 36वीं बटालियन के सरकारी पुलिस वाहन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पुलिस वाहन को क्षति पहुंची, वहीं अनियंत्रित ट्रक कुछ दूरी तक जाने के बाद सड़क पर पलट गया। हादसे में बटालियन के डीएसपी विमलेश उईके को मामूली चोटें आई हैं। उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छपारा में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डीएसपी विमलेश उईके अपने गनमैन, वाहन चालक और एक आरक्षक के साथ सरकारी वाहन से जबलपुर से बालाघाट लौट रहे थे। इसी दौरान छपारा बाईपास चौराहे के पास जबलपुर की ओर से पीछे आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। अचानक हुई इस घटना से पुलिस वाहन में सवार लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही छपारा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल डीएसपी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में उनका उपचार किया जा रहा है। वाहन में सवार अन्य लोगों की स्थिति को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

टक्कर के बाद ट्रक चालक-कंडक्टर फरार-पुलिस वाहन को टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रक कुछ दूरी पर जाकर पलट गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक और कंडक्टर मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को लेकर भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

हाईवे पर सुरक्षा को लेकर फिर उठे सवाल-नेशनल हाईवे-44 सिवनी जिले से होकर गुजरने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। इस मार्ग पर जबलपुर, सिवनी और नागपुर की ओर लगातार भारी वाहनों तथा यात्री वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना गंभीर हादसों का कारण बन सकता है। फिलहाल छपारा पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। ट्रक चालक की लापरवाही, वाहन की गति और दुर्घटना की परिस्थितियों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

'रोल मॉडल संवाद' बेटियों ने जाने सफलता के मंत्र, प्रशासनिक अधिकारियों से पाई प्रेरणा

पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गर्ल्स विद रोल मॉडल कार्यक्रम आयोजित

बरेला, देशबन्धु। पी एमश्री शासकीय कन्या शाला परिसर में छात्राओं के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास वृद्धि और कैरियर मार्गदर्शन के उद्देश्य से इंटरेक्शन ऑफ गर्ल्स विद रोल मॉडल कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया तहसीलदार श्रीमती पूर्णिमा एवं तहसीलदार राजेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अतिथियों के आगमन पर विद्यालय परिवार एवं छात्राओं ने पारंपरिक तरीके से उनका भव्य स्वागत किया छात्रों को संबोधित करते हुए तहसीलदार श्री राघवेंद्र सिंह एवं तहसीलदार श्रीमती पूर्णिमा ने अपने-अपने विद्यार्थी जीवन में और प्रशासनिक सेवा की यात्रा को साझा किया श्रीमती पूर्णिमा ने विशेष रूप से छात्रों का उत्साह बताएं करते हुए कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित



कर रही है यदि आपके अंदर समर्पण लगन और सही मार्गदर्शन है तो कोई भी मंजिल कठिन नहीं है अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित रखें और अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करें इस कार्यक्रम का आयोज प्राचार्य आशीष पंड्या एवं वरिष्ठ शिक्षक सतीश चौबे के निर्देश पर प्रभारी प्राचार्य मंजुला मलिक, रजनीश कुमार पाण्डेय, राम कृष्ण पटेल, मोहित नाथ,दीपा तिवारी, अर्चना गोप, हेमलता राजोरिया, सोनाली ठाकुर, शिवांगी गुप्ता, स्वाति मुखर्जी,अरुणा रावतेल, पेनजी डेनियल, रश्मि पटेल, भावना यादव, पूर्णिमा त्रिपाठी,मधु सिंह, शिक्षक शिक्षिकाएं के साथ सभी छात्राएं उपस्थित रहीं।

कार से कुचले घायल बाराती की मौत

रीवा, देशबन्धु। शहर के प्रकाश चौराहे के समीप 2 नवंबर की रात कार के कुचलने से घायल बाराती की मौत हो गई है। यहां तेज रफ्तार कार ने सड़क से गुजर रही मुस्लिम समाज की बारात को रौंद दिया था। इस भीषण सड़क हादसे में घायल हुए पांच बारातियों में से एक युवक ने आज इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। मृतक की पहचान मोहम्मद अली पिता शब्बीर अली निवासी सिमरिया के रूप में की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सोमवार की रात बारात पूरे उत्साह के साथ सड़क से गुजर रही थी। तभी अचानक एक अनियंत्रित और अत्यधिक तेज रफ्तार कार बारातियों को कुचलते हुए निकल गई। हादसा इतना भयानक था कि पल भर में शादी का जश्न चीख पुकार और अफरातफरी में बदल गया। कार की चपेट में आने से पांच बाराती गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद गंभीर रूप से घायल मोहम्मद अली जिंदगी की जंग हार गए और उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों का आरोप है कि कार चालक अत्यधिक नशे की हालत में था और शराब के नशे में धूत होने के कारण वह वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। फिलहाल घायल बाराती की मौत के बाद अस्पताल प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और घटना की विस्तृत जांच भी शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी और वाहन की तलाश के साथ-साथ अब चश्मदीदों के बयान भी दर्ज कर रही है।

स्पेन में ट्रेन हादसे के बाद परिवहन मंत्री का इस्तीफा, 69 मौतों की ली नैतिक जिम्मेदारी

स्पेन में 28 अक्टूबर को हुए हाई-स्पीड ट्रेन हादसे में 69 लोगों की मौत के छह दिन बाद परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने एक साल में दो बड़े रेल हादसों के बाद पद पर बने रहने को नैतिक रूप से गलत बताया। जनवरी के हादसे में 46 लोग मारे.. मैड्रिड के दक्षिण में हाई-स्पीड ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने से 69 लोगों की मौत की घटना के छह दिन बाद स्पेन के परिवहन मंत्री ने मंगलवार को पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने सांसदों के समक्ष कई घंटे तक हुई चर्चा के अंत में यह घोषणा की। स्पेन के व्यापक हाई-स्पीड रेल नेटवर्क पर इस वर्ष हुई यह दूसरी भीषण दुर्घटना थी। पुएंते ने सांसदों से कहा, स्पेन जैसे देश का परिवहन मंत्री एक वर्ष के भीतर दो रेल हादसों के बाद अपने पद पर बना नहीं रह सकता। यह राजनीतिक मर्यादा, सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता और पीड़ितों के प्रति संवेदना का प्रश्न है।

ट्रंप ने अब्दुल को बताया जिहादी, वे चुनाव जीते

अमेरिकी सीनेट में पहली बार पहुंचा मुस्लिम सांसद



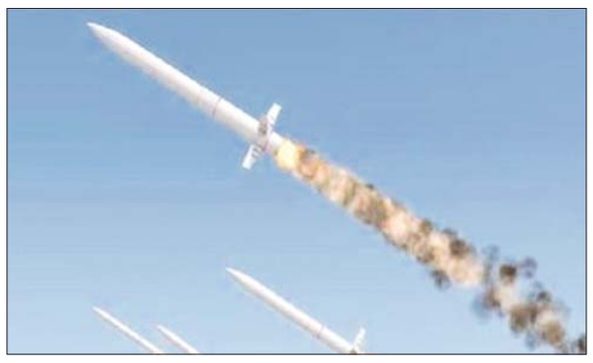
वाशिंगटन। अमेरिकी संसद के चुनाव में पहली बार किसी मुस्लिम ने जीत का परचम लहराया है। सीनेट के चुनाव में अब्दुल अल-सैयद ने जीत हासिल की है। पेशे से डॉक्टर और प्रगतिशील नेता सैयद ने मिशिगन सीट पर अपने प्रदर्शन से डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी को चौंका दिया। उन्होंने रिपब्लिकन के माइक रोजर्स को हराया है। आपको बता दें कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमेरिकी संसद के उच्च सदन पर अपना नियंत्रण हासिल कर लिया है। अपनी जीत की घोषणा करते हुए सैयद ने कहा, आपने मुझे अपने घरों, अपने चर्चों और अपने सिनेगॉग (यहूदी प्रार्थना स्थलों) में स्वागत किया। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय उस आंदोलन को दिया, जिसे उन्होंने डेढ़ साल तक मिशिगन के बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक प्रचार करके खड़ा किया था। उन्होंने कहा कि जब वे सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे थे तब मतदाताओं ने ही उन्हें ताकत दी।

भारत से भी संबंध- अब्दुल सैयद का भारत से भी संबंध है। उनकी पत्नी डॉ. सारा जुकाकू के एक मनोचिकित्सक हैं। उनका परिवार कर्नाटक से ताल्लुक रखता है, जो मंगलुरु से लगभग 140 किमी दूर है। सारा जुकाकू शमशुद्दीन की पोती हैं। इन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री बीडी जत्ती के कार्यकाल में मैसूर राज्य में वित्त उप-मंत्री के रूप में काम किया था।

कौसे हुई अब्दुल और सारा की मुलाकात?- रोड्स स्कॉलर रहे अल-सैयद की मुलाकात सारा से मिशिगन विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान हुई थी। उन्होंने सारा के दक्षिण भारतीय परिवार और संस्कृति के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बात की। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, मेरी शादी एक दक्षिण भारतीय परिवार में हुई है और मुझे 20 साल हो चुके हैं। अब मैं पूरी तरह से इसमें घुल-मिल गया हूं। सच कहूं तो शायद मैं अरबी होने से ज्यादा भारतीय हूं।

ट्रंप ने लगाया था जिहादी होने का आरोप- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनके सबसे बड़े आलोचकों में शामिल हैं। उनके आलोचकों ने अक्सर अब्दुल सैयद के नाम और धर्म को निशाना बनाया। यहां तक कि ट्रंप ने उन पर जिहादी होने का आरोप लगाया और कहा कि सीनेट में प्रवेश करने के लिए उन्हें मेटल डिटेक्टर से गुजरना होगा। अल-सैयद ने कहा कि उनके आलोचकों ने गैस और किराने के सामान की बढ़ती कीमतों पर बात करने के बजाय समाज को बांटने का रास्ता चुना। माइक रोजर्स पूर्व कांग्रेस सदस्य हैं। उन्हें डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त था। उनके करीबी सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ा था। इससे पहले 2024 के सीनेट चुनाव में वे एलिसा स्लॉटकिन से लगभग 0.3 प्रतिशत अंकों के अंतर से हार गए थे। इस बार उनका मुकाबला अब्दुल अल-सैयद से था। अल-सैयद वेन काउंटी के पूर्व स्वास्थ्य निदेशक रह चुके हैं और उन्होंने इस साल की शुरुआत में प्राइमरी चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की पसंदीदा उम्मीदवार हेली स्टीवंस को हराकर सबको चौंका दिया था।

पाकिस्तान ने बढ़ाई सैन्य ताकत, स्वदेशी मिसाइल 'फाज' का सफल परीक्षण,



पाकिस्तान ने स्वदेशी हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल 'फाज' का सफल उड़ान परीक्षण करने का दावा किया है। सेना के मुताबिक, अत्याधुनिक दिशा-निर्देशन प्रणाली से लैस यह मिसाइल लंबी दूरी पर हवाई लक्ष्यों को निशाना बना सकती है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री... पाकिस्तान ने स्वदेशी रूप से विकसित तथा हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल फाज का सफल उड़ान परीक्षण किया। यह जानकारी पाकिस्तानी सेना ने दी। पाकिस्तानी सेना की ओर से मंगलवार देर रात जारी एक बयान के अनुसार, यह परीक्षण मंगलवार को किया गया। उसने कहा कि इससे पाकिस्तान वायुसेना की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। बयान में कहा गया है, अत्याधुनिक टर्मिनल गाइडेंस सिस्टम से लैस यह मिसाइल लंबी दूरी पर दुश्मन के हवाई लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने इस उपलब्धि पर वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी।

आज का इतिहास

1556 - पानीपत के दूसरे युद्ध में मुग़ल शासक अकबर ने हेमू को हराया।
1630 - स्पेन और इंग्लैंड के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर।
1639 - मैसाच्युसेट्स में पहले डाकघर की स्थापना।
1678 - जर्मनी की विशेष सेना ब्रैंडनबर्गर्स ने स्वीडन में ग्रीफ्सवाल्ड शहर पर क़ब्ज़ा जमाया।
1725 - स्पेन और आस्ट्रिया ने गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर किये।
1811 - स्पेन के खिलाफ मध्य अमेरिकी देश अल सल्वाडोर का प्रथम स्वतंत्रता संघर्ष।
1854 - क्रीमिया के युद्ध में ब्रिटिश और फ्रांस की संयुक्त सेना ने इकेरमान में रूसी सेना को पराजित किया।
1870 - महान स्वतंत्रता सेनानी चित्तरंजन दास का जन्म।
1872 - उल्येसेस एस ग्रांट अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति निर्वाचित।
1914 - इंग्लैंड एवं फ्रांस द्वारा तुर्की के विरुद्ध युद्ध की घोषणा।

सुडोकू 7444

								7
8	2					6	9	
		4		3		5	2	
		2			9	1	6	
3			1		6			2
	1	8	2			7		
	4	5		2		3		
	8	6					1	5
7								

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

श्रीनगर में ईडी ने चार जगहों पर की छापेमारी

जम्मू। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को श्रीनगर शहर में चार जगहों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई कथित आतंकवादी फंडिंग की चल रही जांच के सिलसिले में की गई है। यह जांच इस आरोप से जुड़ी है कि उमर आदिल डार प्रतिबंधित संगठन 'लश्कर-ए-तैयबा' के लिए 'ओवर ग्राउंड वर्कर' के तौर पर काम कर रहा था व इस संगठन से जुड़ी गतिविधियों में शामिल था। डार व उसके साथियों को पहले भी पकड़ा गया था। उनके पास से भारी मात्रा में नकदी व प्रतिबंधित संगठन से जुड़ा आपत्तिजनक साहित्य बरामद हुआ था।

साइबर धोखाधड़ी का वांछित आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता। साइबर धोखाधड़ी के एक वांछित आरोपी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुबई भागने की कोशिश करते समय गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ कर्नाटक में कई मामले दर्ज हैं। आरोपी शेख साबिर कई धोखाधड़ी मामलों के सिलसिले में कर्नाटक पुलिस और आपराधिक जांच विभाग की निगरानी में था। काफी समय तक गिरफ्तारी से बचने के बाद उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया गया था।

सिद्दारमैया ने की राहुल गांधी से मुलाकात

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने राजधानी दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की व अपने खिलाफ स्टिंग वीडियो मामले पर गहरी नाराजगी जताई है। सिद्दारमैया ने गांधी संग हुई मुलाकात में इस पूरे घटनाक्रम पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब वह मुख्यमंत्री का पद छोड़ चुके हैं व दोबारा चुनाव न लड़ने की बात भी स्पष्ट कर चुके हैं, तो उन्हें निशाना बनाने के पीछे क्या मकसद हो सकता है। उनकी राजनीतिक छवि को धूमिल करने की कोशिशों के कारण अब वे इस बात पर विचार करने लगे हैं कि क्या उन्हें 2028 के विस चुनावों में पार्टी के लिए प्रचार जारी रखना चाहिए या नहीं।

ओडिशा के दिग्गज शिक्षाविद् डॉ. दीपक सामंतराय का निधन

भुवनेश्वर। राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी के पूर्व निदेशक और कटक हेरिटेज वॉक के संयोजक, विख्यात प्रसारक, लेखक एवं धरोहर प्रेमी डॉ. दीपक सामंतराय का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को ओडिशा की राजधानी के रोवर्स स्ट्रीट स्थित उनके पैतृक आवास पर निधन हो गया। वह 69 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी व बेटी हैं। सामंतराय की इच्छानुसार, उनके परिवार ने चिकित्सा शिक्षा और शोध के लिए उनके पार्थिव शरीर को एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के एनाटॉमी विभाग को दान कर दिया।

अमेरिकी चुनाव में भारतवंशियों ने गाड़ा झंडा, कई उम्मीदवारों को मिली धमाकेदार जीत

वाशिंगटन। अमेरिका में मंगलवार को हुए मिडटर्म चुनाव के नतीजे सामने आ गए हैं। संसद के दोनों सदनों के लिए हुए इस चुनाव में कई भारतवंशी भी मैदान में थे। कैसा रहा उनका रिपोर्ट कार्ड?

अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को करारी शिकस्त मिली है। ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी ने संसद की दोनों सदनों से कंट्रोल खोल दिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने ऊपरी सदन सीनेट के साथ-साथ निचले सदन प्रतिनिधि सभा में भी बहुमत हासिल कर लिया है। इसे अमेरिकी राजनीति में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध के एक नए दौर के रूप में देखा जा रहा है। इस बीच चुनाव में भारतीय मूल के भी कई उम्मीदवारों जोर आजमाइश की थी। इनमें से कई में धमाकेदार जीत दर्ज की है। वहीं कुछ भारतवंशियों को निराशा हाथ लगी है। आइए देखते हैं अमेरिकी मिडटर्म चुनावों में भारतीय अमेरिकी उम्मीदवारों का रिजल्ट कैसा रहा। शुरुआती नतीजों में भारतीय मूल के कुछ अमेरिकी उम्मीदवारों ने डेमोक्रेट पार्टी को बढ़त दिलाई। डेमाक्रेटिक पार्टी के सुहास सुब्रमण्यम और अरुणा मिलर अपनी-अपनी सीट बरकरार रखने में सफल रहे। वहीं पिया डांडिया ने जीत दर्ज करके इतिहास रच दिया। सुब्रमण्यम मंगलवार को वर्जीनिया से एक बार फिर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। वहीं मिलर मैरीलैंड के लेफ्टिनेंट गवर्नर पद पर दोबारा जीतने में सफल रहीं। 39 वर्षीय पिया डांडिया ने फ्लोरिडा के 22वें संसदीय क्षेत्र से शानदार जीत हासिल की। हालांकि दूसरी ओर ओहायो के गवर्नर पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी हार गए।

इन उम्मीदवारों को मिली जीत

पिया डांडिया (डेमोक्रेट)- फ्लोरिडा के 22वें संसदीय क्षेत्र से जीत दर्ज की। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार केसी असकर को मात दी।

सुहास सुब्रमण्यम (डेमोक्रेट)- वर्जीनिया के 10वें संसदीय क्षेत्र से फिर से चुने गए। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार डेव टी बेकविथ को हराया।

अर्पणा राज (डेमोक्रेट)- वाशिंगटन डीसी सिटी काउंसिल के वार्ड 1 का चुनाव जीता।

जोश कौल (डेमोक्रेट)- जोश कौल ने विस्कॉन्सिन के अटॉर्नी जनरल के रूप में ऐतिहासिक तीसरा कार्यकाल जीता है। कौल 1998 के बाद से लगातार तीन बार विस्कॉन्सिन के अटॉर्नी जनरल चुने जाने वाले पहले नेता बन गए हैं।

रो खन्ना (डेमोक्रेट)- रो खन्ना ने कैलिफोर्निया के 17वें संसदीय क्षेत्र से बड़ी जीत दर्ज की है। उन्होंने 72 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर अपनी सीट पर कब्जा बरकरार रखा है।

प्रमिला जयपाल (डेमोक्रेट)- प्रमिला ने वाशिंगटन के 7वें संसदीय क्षेत्र से लगातार छठी बार जीत हासिल की है। उन्हें लगभग 87.5 फीसदी वोट मिले।

इन्हें मिली हार

विवेक रामस्वामी (डेमोक्रेट)- (रिपब्लिकन)ट्रंप के समर्थन के साथ चुनाव लड़ रहे विवेक रामास्वामी चुनाव हार गए। ओहायो के गवर्नर पद की रेस में उन्हें डेमोक्रेट उम्मीदवार एमी एक्टन ने हरा दिया।

रितेश टंडन (रिपब्लिकन)- कैलिफोर्निया के 17वें संसदीय क्षेत्र से डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना के खिलाफ चुनाव हार गए।

नीरव सेठ (रिपब्लिकन)- वाशिंगटन के 7वें संसदीय क्षेत्र में डेमोक्रेट प्रमिला जयपाल के खिलाफ चुनाव हार गए।

सरिता कोमातीरेड्डी (रिपब्लिकन)-न्यू यॉर्क के अटॉर्नी जनरल के चुनाव में मौजूदा डेमोक्रेट अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स से हार गईं।

महेश गणोरकर (रिपब्लिकन)-नॉर्थ कैरोलिना के 4थे संसदीय क्षेत्र में डेमोक्रेट उम्मीदवार वैलेरी पी. फौशी (79.1प्रतिशत) से चुनाव हार गए, गणोरकर को केवल 18.9त्न वोट मिले।

डॉ अनिल कुमार (निर्दलीय)- मिशिगन के 11वें संसदीय क्षेत्र से अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स का चुनाव हार गए।

कुछ नतीजों का इंतजार

फिलहाल कुछ सीटें ऐसी भी हैं जिन पर नतीजे नहीं घोषित हुए हैं। लिसा कौल, नित्य रमन, प्रिया सुंदरेशन, रणजीव पुरी, शुचिता पटेल, अमी बेरा, अमीश शाह, संदीप श्रीवास्तव, पूजा सेठी जैसे उम्मीदवारों के नतीजों का इंतजार है।

ईरान की ट्रंप को खुलेआम जान से मारने की धमकी

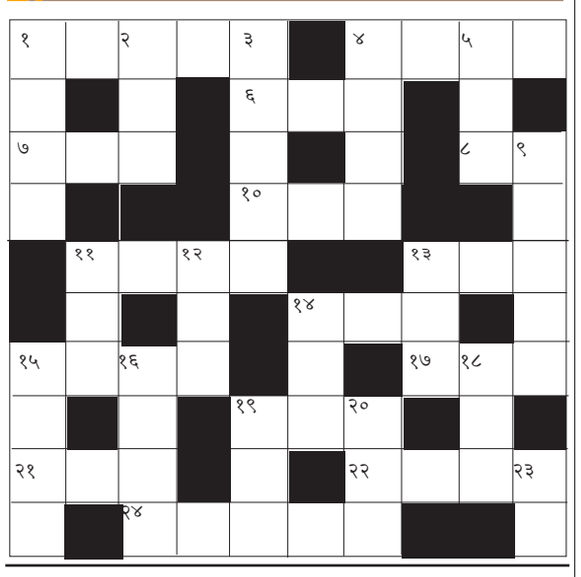
तेहरान के व्यस्त एंगेलाब चौक के पास लगे एक विशाल पोस्टर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जेल की सलाखों के पीछे दिखाया गया है। इसके साथ लिखा है, हम ट्रंप को मार डालेंगे। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर पोस्टर और बिलबोर्ड नारों के जरिए सड़कों पर दिखाई देने लगा है।

तेहरान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने वाला विशाल बिलबोर्ड लगाया गया है। इसमें ट्रंप को जेल की सलाखों के पीछे दिखाते हुए लिखा गया है- हम ट्रंप को मार डालेंगे। शहर में प्रदर्शनकारियों ने पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत का बदला लेने की मांग भी की। पोस्टर सामने आने के बाद यह तस्वीर ईरान के अमेरिका विरोधी संदेशों और दोनों देशों के बीच जारी तनाव को लेकर चर्चा में आ गई है।

लाल झंडे लेकर सड़कों पर उतरे लोग- एंगेलाब चौक पर बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में लाल झंडे और बैनर थे।

एक बैनर पर लिखा था, 'खून बहेगा'। लोग ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत का बदला लेने की मांग कर रहे थे। खामेनेई की मौत 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हमलों में हुई थी। इसके बाद पश्चिम एशिया में युद्ध भड़क गया था।

वर्ग पहेली 7444



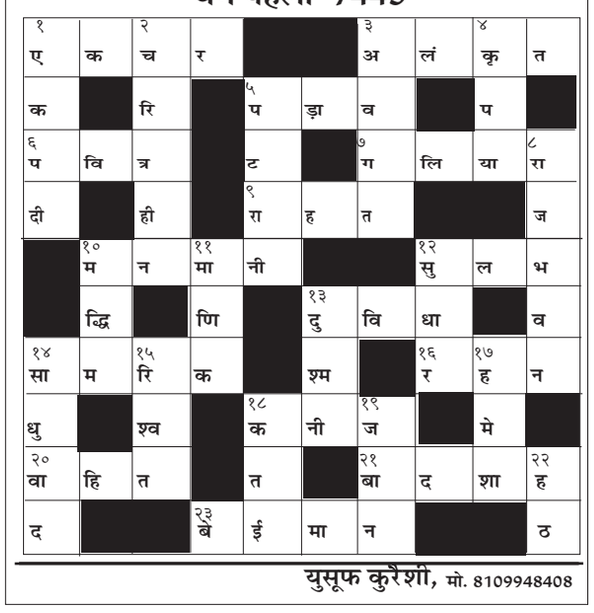
बायें से दायें:-

१. लोगों की मानसिकता
४. नक्शेकदम
६. सीमा, प्रतिष्ठा
७. धीमा
९. एक से अधिक
१०. पत्थर
११. एक छोटी चिड़िया
१३. असहमति (उर्दू)
१४. दुर्घटना
१५.सैनिकों का अभ्यास, कसरत
१७. वह धन जो तुरंत अदा किया जाए, सिक्कों के रूप में दान
१९. मातृभूमि (उर्दू)
२१. राक्षस, असुर
२२. जंगल में पैदा होने वाला
२४. कौशल्या

ऊपर से नीचे:-

१. करत करत अभ्यास के... होत सुजान
२. मृत्यु शोक (उर्दू)
३. टाईम कीपर
४. पधारना
५. उत्तर भारत की एक नदी
९. कलाकार (उर्दू)
११. निमंत्रण
१२. ऊंचा
१३. मानव (उर्दू)
१४. आवश्यकता, चाहत (उर्दू)
१५. ऋणी
१६. आजीवन अविवाहित रहने वाली स्त्री
१८. कछुआ
१९. व्यापारी
२०. मक्खन
२३. शीघ्र (उर्दू)

वर्ग पहेली-7443



युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

फैसला | डल झील में प्रदूषण रोकने के लिए जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय का बड़ा फैसला

ईंधन से चलने वाली नौकाओं व जेट स्की पर रहेगा

श्रीनगर, (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने श्रीनगर की डल झील में पेट्रोल और डीजल से चलने वाली नावों, मोटरयुक्त शिकारा और जेट स्की के संचालन पर प्रतिबंध जारी रखने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने साफ कहा है कि इस प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले 14 अक्टूबर को उच्च न्यायालय ने डल झील में प्रदूषण को और।

बढ़ने से रोकने के लिए ईंधन से चलने वाली सभी नावों (मोटर वाले शिकारे और जेट स्की सहित) के संचालन पर रोक लगाने का आदेश दिया था। प्रशासनिक और जरूरी सेवाओं- जैसे आपातकालीन सेवाएं, कानून-व्यवस्था, आपदा प्रबंधन और सुरक्षा को हालांकि इन पाबंदियों से छूट दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और न्यायमूर्ति यशपॉल बोर्नी की खंडपीठ ने 31 अक्टूबर को एक नया आदेश जारी किया। इसमें सरकार से कहा गया है कि वह अगली सुनवाई तक न्यायालय के सामने एक अस्थायी लेकिन व्यापक नीति पेश करे। इस नीति को तैयार करते समय पर्यावरण सुरक्षा, प्रदूषण और पर्यटन जैसे पहलुओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। इससे पहले वरिष्ठ अतिरिक्त महाधिवक्ता मोहसिन कादरी ने न्यायालय को बताया कि सरकार झील में नावों के संचालन को विनियमित करने के लिए एक अस्थायी लेकिन व्यापक नीति बनाएगी। उन्होंने कहा कि इस प्रस्तावित नीति में नावों, शिकारों और जेट स्की को चलाने के लिए सौर ऊर्जा और विद्युत ऊर्जा के इस्तेमाल पर भी विचार किया जाएगा। उच्च न्यायालय ने कहा कि प्रस्तावित नीति के साथ एक रोडमैप भी होना चाहिए। इसमें झील में चलने वाली मोटर बोट, जेट स्की और शिकारों की मौजूदा संख्या की पूरी जानकारी हो, जिसमें मोटर वाली और बिना मोटर वाली नावों की संख्या और उनके इंजन की विशिष्टताओं का विवरण शामिल हो। न्यायालय ने सरकार से यह भी कहा कि वह विशेषज्ञों की उन सिफारिशों पर विचार करे, जिनमें बताया गया है कि झील के कितने हिस्से को हाथ से चलने वाले शिकारों के लिए आरक्षित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही यह भी देखा जाए कि मोटर बोट और जेट स्की संचालकों जैसे अन्य हितधारकों के हितों की रक्षा कैसे की जा सकती है। यह निर्देश तब आए जब वैध लाइसेंस के साथ जेट स्की और मोटर बोट चलाने वाले हितधारकों ने इस कानूनी प्रक्रिया में शामिल होने की अपील की। उन्होंने मांग की कि एक ऐसी नीति बनाई जाए जिससे नाव उद्योग से होने वाले फायदों का समान बंटवारा सुनिश्चित हो सके।



■ प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

न्यायालय ने उनकी इस अर्जी को स्वीकार कर लिया। न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि मौजूदा पाबंदियां लागू रहेंगी। न्यायालय के आदेश में कहा गया है, 'इस बीच इंजन से चलने वाली किसी भी तरह की नाव, चाहे वह जेट स्की हो, मोटर बोट हो या शिकारा, के संचालन पर लगी रोक लागू रहेगी। इन निर्देशों का उल्लंघन करने को यह न्यायालय बहुत गंभीरता से लेगा।'

खेल जगत

वर्ल्ड रिकॉर्ड के बारे में प्रेजेंटेशन के दौरान पता चला: प्रेमा रावत



नई दिल्ली। प्रेमा रावत ने पुणे में सीनियर विमेंस टी-20 ट्रॉफी गेम में उत्तराखंड के लिए खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ मात्र 14 गेंदों पर अर्द्धशतक लगाया। प्रेमा ने अपनी पारी में 6 चौके और 4 छक्के लगाए। यह महिला टी-20 का सबसे तेज अर्द्धशतक है। प्रेमा रावत ने कहा है कि बल्लेबाजी के दौरान उन्हें नहीं पता था कि उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। मीडिया बात करते हुए प्रेमा रावत ने कहा कि 'प्रेजेंटेशन सेरेमनी में, रेफरी आए और प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया और मुझे बताया कि 14 गेंदों में फिफ्टी बनाना एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस तरह सभी टीम मेंबर्स और कोच को पता चला कि यह एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। यह सुनकर मुझे सामान्य लगा। लेकिन हां, मुझे अच्छा लगा कि यह एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। प्रेमा ने इस बड़ी कामयाबी का जश्न सिनेमा हॉल जाकर रजनीकांत की लेटेस्ट तमिल फिल्म 'जेलर 2' देखकर मनाया।

पहला वनडे: भारत ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया

कोहली को उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए 'गेम चेंजर ऑफ द मैच' चुना गया

ऑकलैंड, 4 नवम्बर (एजेंसियां)। अर्शदीप सिंह (चार विकेट), गुरनूर बराड़ (तीन विकेट) और अंशुल कम्बोज (दो विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद विराट कोहली (74) और कप्तान शुभमन गिल (37) बदौलत भारत ने बुधवार को बारिश बाधित पहले एकदिवसीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को 56 गेंदें शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। कोहली को उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए 'गेम चेंजर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि कंबोज को उनकी अनुशासित गेंदबाजी 22 रन देकर दो विकेट के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। कंबोज की गेंदबाजी की मदद से ही न्यूजीलैंड की टीम को 185 रनों पर रोका जा सका। 186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को पहले ही ओवर में

कोहली को बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए 'गेम चेंजर ऑफ द मैच' चुना गया





न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने कोहली

ऑकलैंड। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे को अपने शानदार करियर का एक और यादगार पल बना दिया। उन्होंने 74 रनों की बेहतरीन पारी खेलकर कई रिकॉर्ड्स बदल दिए। वनडे में लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया और रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली। बुधवार को बारिश से बाधित मैच में, कोहली की पारी सिर्फ रनों तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह 50 ओवर के फॉर्मेट में उनके असाधारण निरंतरता का एक और बेहतरीन उदाहरण था। भारत के पूर्व कप्तान कोहली लगातार ऐसे मानक स्थापित कर रहे हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल बनेंगे। लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली के कुल वनडे रन 8,741 हो गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 8,720 रनों के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया है और अब इस श्रेणी में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ बन गए हैं। सबसे खास बात यह है कि कोहली ने यह उपलब्धि 66.21 की औसत और 95.03 के स्ट्राइक रेट से हासिल की है, जबकि तेंदुलकर का औसत 42.33 और स्ट्राइक रेट 88.44 था।इस 74 रनों की पारी के साथ, न्यूजीलैंड के खिलाफ कोहली के कुल रनों की संख्या 1,971 हो गई है। इसके साथ ही, वनडे में न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ों की सूची में वे रिकी पोंटिंग के बराबर आ गए हैं। इस सूची में तेंदुलकर 1,750 रनों के साथ उनके पीछे हैं। वहीं, श्रीलंका के कुमार संगकारा (1,568), सनथ जयसूर्या (1,519) और दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस (1,449) शीर्ष छह बल्लेबाज़ों में शामिल हैं। कोहली ने भारत के बाहर वनडे में अपनी शानदार उपलब्धियों की सूची में एक और उपलब्धि जोड़ ली है।

गिल ने जीत का श्रेय गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग को दिया



ऑकलैंड। भारत ने बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ बारिश से प्रभावित मुकाबले में 5 विकेट से जीत हासिल की। कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को ईडन पार्क में मिली जीत का श्रेय अपनी टीम की अनुशासित गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग को दिया। उन्होंने खास तौर पर रोहित शर्मा द्वारा डेरिल मिशेल को रन-आउट करने के पल का जिक्र किया। गिल ने कहा कि यह विकेट मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ, क्योंकि उस समय मिशेल और ग्लेन फिलिप्स की साझेदारी से न्यूजीलैंड मैच में वापसी करने की स्थिति में दिख रहा था। ऑकलैंड में न्यूजीलैंड को 40.2 ओवरों में 185 रन पर समेटने के बाद भारत ने डकवर्थ लुईस नियम के तहत मिले 143 रन के संशोधित लक्ष्य को 22.4 ओवरों में हासिल कर लिया। इस दौरान कोहली ने 51 गेंदों में 14 गेंदों में 74 रन की पारी खेली। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। गिल ने कहा, 'हमारी गेंदबाजी बहुत अच्छी रही। हमारी फील्डिंग भी काफी शानदार थी। रोहित भाई के उस रन-आउट ने मैच का रुख ही बदल दिया। मिशेल और फिलिप्स की साझेदारी काफी खतरनाक लग रही थी - हमने भारत में भी देखा था कि उन दोनों ने कितनी अच्छी बल्लेबाजी की थी। कुल मिलाकर, यह हमारी टीम का बहुत अच्छा प्रदर्शन रहा।' कप्तान गिल, अंशुल कंबोज और गुरनूर बराड़ के योगदान से खुश नजर आए। इन दोनों गेंदबाजों ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए न्यूजीलैंड को लगातार दबाव में रखा।

काइल जेमीसन ने रोहित शर्मा को बिना खाता खोले ही कप्तान मिचेल सेंटनर के हाथों कैच आउट कराकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये स्टार बल्लेबाज विराट कोहली जिन्होंने क्षेत्ररक्षण के दौरान शानदार प्रदर्शन करते हुए दो कैच पकड़े थे, कप्तान गिल के साथ पारी को संभाला। बारिश के कारण 11वें ओवर में पहली बार खेला रोका गया। उस समय भारत ने एक विकेट के नुकसान पर 50 से अधिक रन बना लिया था। दूसरी बार जब खेल शुरु हुआ तो भारत को 40 ओवरों में 167 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। इसके बाद एक फिर बारिश शुरु होने पर खेल रोका गया। खेल दोबारा शुरु होन पर भारत को 32 ओवरों में 143 रनों का नया संशोधित लक्ष्य दिया गया। दोनों बल्लेबाजों इसके बाद शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मैदान के चारों ओर रन बटोरे। इस दौरान विराट कोहली ने 16वें ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाकर अपना 80वां अर्धशतक पूरा किया। 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर नेथन स्मिथ ने शुभमन गिल को अपना शिकार बना लिया। शुभमन गिल ने 56 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 37 रन बनाये। अगले ही ओवर में जेकब डफी ने विराट कोहली को आउट कर पवेलियन भेज दिया। विराट कोहली 51 गेंदों में 13 चौकों और एक छक्के की मदद से 74 रनों की पारी खेली।

टेस्ट में स्टार्क बने नंबर वन गेंदबाज



आईसीसी रैंकिंग

दुबई, 4 नवम्बर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में फिर से टॉप स्थान हासिल कर लिया है। बुधवार को जारी ताजा टी-20 रैंकिंग में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। केप टाउन में तीन मुकाबलों की सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में नौ विकेट लेने के बाद, स्टार्क एक स्थान ऊपर चढ़कर साउथ अफ्रीका के मार्को जानसेन से आगे निकल गए। ऑस्ट्रेलिया के इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 881 की अपनी करियर-सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और नंबर 1 की पोजीशन वापस पा ली। इससे पहले अगस्त में, भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर स्टार्क पहली बार रैंकिंग में टॉप पर पहुंचे थे। हालांकि, गेबेरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में छह विकेट लेने के बाद जानसेन टॉप पर आ गए थे। केप टाउन टेस्ट में साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी केवल तीन विकेट ही ले सके, जिसका फायदा उठाते हुए स्टार्क फिर से टॉप पर पहुंच गए। साउथ अफ्रीका के साइमन हार्मर को भी इस ताजा रैंकिंग अपडेट से काफी फायदा हुआ। न्यूलैंड्स में उन्होंने मैच जिताऊ प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में छह विकेट चटकाए, जिससे उनकी टीम को जीत और सीरीज अपने नाम करने में मदद मिली।

भारतीय टीम मलेशिया के खिलाफ शुरु करेगी अभियान

प्रतियोगिता 19 से 28 नवम्बर 2026 तक आयोजित होगा

- यह टूर्नामेंट भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित नए अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा



एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी

मोहाली(पंजाब), 4 नवम्बर (देशबन्धु)। मौजूदा चैंपियन भारतीय महिला हॉकी टीम भोपाल में 19 से 28 नवंबर तक होने वाली एएचएफ मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी, भोपाल 2026 में अपने अभियान का आगाज मलेशिया के खिलाफ पहले 19 नवंबर को खेले जाने वाले राउंड रॉबिन लीग मैच से करेगी। टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा बुधवार को की गई।

राउंड रॉबिन लीग आधार पर भोपाल में खेले जाने इस टूर्नामेंट में दुनिया की सातवें और एशिया की दूसरे नंबर की टीम भारत, जापान, चीन, मलेशिया, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया सहित छह टीमें शिरकत करेंगी। सभी मैच भोपाल के नाथू बरखेड़ा इंटरनेशनल स्पोर्ट्स स्थित नए हॉकी स्टेडियम मे खेले जाएंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम अपने घर मे अपना खिताब बरकरार रखने उतरेगी। छह महिला टीमें एशियाई हॉकी में अपना दबदबा साबित करने उतरेंगी।

राउंड रॉबिन लीग के आधार पर खेले इस टूर्नामेंट में शिरकत करने वाली सभी छह टीमें एक दूसरे के खिलाफ पांच पांच मैच खेलेगी। लीग की समाप्ति पर शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। 20, 23 व 26 को विश्राम के दिन होंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम टूर्नामेंट के पहले 19 नवंबर को अपना अभियान मलयेशिया के खिलाफ खेल कर शुरू करेगी और टूर्नामेट का उदघाटन मैच एशिया की शीर्ष टीम चीन और थाईलैंड के बीच खेला जाएगा। भारत की टीम अपने दूसरे मैच में 21 नवंबर को दक्षिण कोरिया से 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से खेलेगी।

महिला प्रीमियर लीग 2027 की शुरुआत 14 जनवरी से होगी

मुम्बई, 4 नवम्बर (एजेंसियां)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 की शुरुआत 14 जनवरी से होगी। टूर्नामेंट के पहले मैच में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना वडोदरा में मुंबई इंडियंस से होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को डब्ल्यूपीएल के पांचवें सीजन का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया। यह देश की प्रमुख फ्रेंचाइजी-आधारित टी-20 क्रिकेट लीग है। महिला प्रीमियर लीग सीजन के शुरुआती 11 मैच वडोदरा में खेले जाएंगे, जबकि अगले 11 मैचों की मेजबानी मुंबई करेगा, जिसमें सात फरवरी को होने वाला फाइनल भी शामिल है। डब्ल्यूपीएल की पांच टीमें - मुंबई इंडियंस , रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स , गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स लीग चरण के दौरान एक-दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। यह चरण 3 फरवरी को समाप्त होगा।

सार संक्षेप

गोवा ने बिहार को पारी को 177 रनों से हराया

पणजी। ललित यादव (पांच विकेट) और यश कसवांकर (तीन विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत गोवा ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मुकाबले के तीसरे दिन बुधवार को बिहार को पारी और 177 रनों से करारी शिकस्त दी। गोवा के स्नेहल कौथनकर (नाबाद 178) को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया। आज यहां बिहार ने कल के दूसरी पारी में तीन विकेट पर 63 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में कौशिक ने वासुदेव प्रसाद सिंह (तीन) को आउट कर बिहार को चौथा झटका दिया। इसके बाद बिपिन सौरभ (सात) को कसवाकर को अपना शिकार बनाया। गोवा के गेंदबाजी आक्रमण के आगे बिहार के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके और उनकी पूरी टीम 45.3 ओवरों में 113 रन पर सिमट गई। बिहार के नौ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। गोवा के लिए ललित यादव ने पांच विकेट लिये। यश कसवांकर को तीन विकेट मिले। वासुकी कौशिक और हेमंत पराव ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

कर्नाटक ने असम को पारी और 314 रनों से हराया

गुवाहाटी। केवी अनीश(145) और मानवंत कुमार (100) की शतकीय पारियों के बाद श्रेयस गोपाल (चार विकेट) और शिखर शेट्टी (तीन विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत कर्नाटक ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मुकाबले के तीसरे दिन असम को पारी और 314 रनों से हरा दिया। आज सुबह कर्नाटक ने पांच विकेट पर 496 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में के वी अनीश के आउट होने के बाद छह विकेट पर 577 रन के स्कोर पर कर्नाटक ने पारी घोषित कर दी। इसी के साथ कर्नाटक को 442 रनों की बढ़त हासिल हुई। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी असम की पूरी टीम कर्नाटक के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 40.2 ओवरों में 128 रन के स्कोर पर सिमट गई। कप्तान देनिश दास ने सर्वाधिक 50 रनों की पारी खेली। इसके अलावा दाहाई अंक में स्वरूपम पुरकायस्था (22) और अमलनज्योति दास (17) ही पहुंच सके। कर्नाटक की ओर से श्रेयस गोपाल ने चार और शिखर शेट्टी ने तीन विकेट लिये। विधवत कावेरप्पा, मानवंत कुमार और रितेश भटकल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

एमसीए के विवाद से मेघालय के रणजी खिलाड़ियों का भविष्य अधर में

शिलांग। मेघालय क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के भीतर प्रशासनिक सत्ता संघर्ष ने रणजी ट्रॉफी खेलने वाले खिलाड़ियों को अनिश्चितता में डाल दिया है। कोर्ट के आदेश के बाद एसोसिएशन के नेतृत्व में हुए बदलाव के चलते, वे खिलाड़ी अचानक बाहर हो गए हैं, जिन्होंने पहले तीन राउंड में राज्य का प्रतिनिधित्व किया था। इस उथल-पुथल ने खिलाड़ियों की सुरक्षा, टीम चयन की प्रक्रिया और क्रिकेट प्रशासन के विवादों का घरेलू करियर पर पड़ने वाले असर को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। नागालैंड के खिलाफ चौथे राउंड के 'प्लेट लीग' मैच से ठीक पहले, रातों-रात पूरी मेघालय टीम को बदल दिया गया। जिन खिलाड़ियों को टीम से हटाया गया, वे मैच से एक दिन पहले तक अभ्यास कर रहे थे। उन्हें बताया गया कि वे अब टीम का हिस्सा नहीं हैं, क्योंकि मेघालय हाई कोर्ट के एमसीए अध्यक्ष जेम्स संगमा के पक्ष में फैसला सुनाने के बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक नई टीम को रजिस्टर कर लिया है। इस अचानक हुए बदलाव के कारण, पुराने खिलाड़ियों को यह स्पष्ट नहीं है कि वे आगे की रणजी ट्रॉफी या अन्य घरेलू प्रतियोगिताओं में खेल पाएंगे या नहीं।

विश्व आर्मरेसलिंग महासंघ ने खडसे को 'मेडल ऑफ ऑनर' से किया सम्मानित

नई दिल्ली, 4 नवम्बर (एजेंसियां)। खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे को 47वें विश्व आर्मरेसलिंग एवं 28वें विश्व पैरा आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप 2026 के दौरान प्रतिष्ठित 'मेडल ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया।आज यहां आयोजित चैंपियनशिप के दौरान महासंघ के अध्यक्ष असेन हाजिटोदोरोव ने श्रीमती खडसे को विश्व आर्मरेसलिंग महासंघ (डब्ल्यूएएफ) के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया। है। इस दौरान, मंत्री ने 60 से अधिक देशों से आए खिलाड़ियों और अधिकारियों से बातचीत की, सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और पहली बार भारत में विश्व चैंपियनशिप के आयोजन को 'एक बहुत बड़ा अवसर' बताया। उन्होंने देशभर में आर्मरेसलिंग को प्रोत्साहित करने और इसके विकास के लिए अपना निरंतर समर्थन देने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

आज होगा अफगानिस्तान व जिम्बाब्वे का मुकाबला

हरारे, 4 नवम्बर (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) ने यूएई में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। नियमित कप्तान रिचर्ड नगारवा चोट के कारण टीम का हिस्सा नहीं हैं, इसलिए ब्रायन बेनेट टीम की कप्तानी करेंगे। दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 5 नवंबर से शुरू होगा, जबकि दूसरा टेस्ट 13 नवंबर से खेला जाएगा। दोनों मुकाबले शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होंगे। टीम में उन खिलाड़ियों को भी शामिल

- रिचर्ड नगारवा चोट के कारण टीम में शामिल नहीं
- दोनों मुकाबले शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होंगे



किया गया है, जो जून में जिम्बाब्वे की सबसे बड़ी टेस्ट जीत का हिस्सा थे। तब उन्होंने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में बांग्लादेश को एक पारी और 85 रनों से हराया था। जिम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) ने बताया, 'नगारवा अभी भी पीठ की चोट से उबर रहे हैं, इसलिए वह टीम से बाहर हैं। वहीं, तेज गेंदबाज तनाका चिवंगा भी चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। बल्लेबाजी क्रम में बेनेट के पास अनुभवी खिलाड़ियों का साथ होगा। टीम में ब्रेंडन टेलर और क्रेग एर्विन के अलावा इनोसेंट काइया, बेन कुरेन, तदिवनाशे मारुमानी और वेस्ली मधेवेरे जैसे विकल्प मौजूद हैं। टेलर और एर्विन वनडे ट्राई-सीरीज के बाद यूएई में ही रुक गए थे, ताकि टेस्ट सीरीज की तैयारी कर सकें। इसके अलावा, अनुभवी लेग-स्पिनर ग्रीम क्रेमर भी टेस्ट टीम से जुड़ गए हैं। कुंदई मातिगिमु और विंसेंट मासेकेसा की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। साथ ही, ऑलराउंडर एंटम नकवी को भी शामिल किया गया है, जो अब जिम्बाब्वे का प्रतिनिधित्व करने के लिए आईसीसी की पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं।

तेज गेंदबाजी विभाग में ब्लेसिंग मुजारबानी के साथ ब्रैड इवांस, न्यूमैन न्यामहुरी, माटिगिमु और अर्नेस्ट मासुकु शामिल हैं। मासुकु ने अब तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। स्पिन गेंदबाजी के लिए क्रेमर, मासेकेसा और वेलिंगटन मसाकाद्जा मौजूद हैं, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज तफादज्वा त्सिगा को भी टीम में जगह दी गई है।

जिम्बाब्वे की टीम: ब्रायन बेनेट (कप्तान), अंतुम नकवी, बेन कुरेन, ब्लेसिंग मुजाराबानी, ब्रैड इवांस, ब्रेंडन टेलर, क्रेग एर्विन, ग्रीम क्रेमर, इनोसेंट कैया, अर्नेस्ट मासुकु, कुंडाई माटिगिमु, न्यूमैन न्यामुरी, तदिवानाशे मारुमनी, तफदजवा त्सिगा, विंसेंट मासेकेसा, वेलिंगटन मासाकाद्जा, वेस्ली मधेवेरे।

कोरिया ओपन में एचएस प्रणय लगातार तीसरी बार पहले ही राउंड में बाहर

सियोल, 4 नवम्बर (एजेंसियां)। भारत के एचएस प्रणय कोरिया ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले ही राउंड से बाहर हो गए हैं। बुधवार को येओसु के जिन्नम स्टेडियम में उन्हें स्थानीय खिलाड़ी और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता यू ताए-बिन से हार का सामना करना पड़ा। वहीं तन्वी शर्मा और अनमोल खरब ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर महिला वर्ग के अगले दौर में जगह बना ली है। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता और बैडमिंटन रैंकिंग में 38वें स्थान पर मौजूद प्रणय, बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल मुकाबले में 47 मिनट के खेल के बाद 21-23, 15-21 से हार गए।हाल ही में 'हाइलो ओपन' चैंपियन बने लक्ष्य सेन के टूर्नामेंट से नाम वापस लेने के बाद, पुरुष एकल बैडमिंटन के मुख्य ड्रॉ में एचएस प्रणय भारत के एकमात्र प्रतिनिधि थे।इस हार के साथ, प्रणय इस साल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर लगातार तीसरी बार पहले ही राउंड में बाहर हुए हैं। इससे पहले उन्हें 'हाइलो ओपन' और 'आर्कटिक ओपन' में भी इसी तरह के नतीजों का सामना करना पड़ा था। आज हुए मुकाबले में, प्रणय ने पहले गेम में 12-7 से पिछड़ने के बाद वापसी की और 19-16 की बढ़त बना ली।



सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, 4 नवम्बर (एजेंसियां)। भारत की स्टार शटलर पी.वी. सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। वर्ल्ड टूर फाइनल्स 9-13 दिसंबर तक चीन के हांगझोऊ में होगा। एन से यंग, अकाने यामागुची, वांग झी यी और चेन यू फेई ने भी साल के आखिर में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। गैर-थॉमस कप वर्षों में होने वाले इस टूर्नामेंट में साल के आखिर में होने वाली वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप आठ खिलाड़ियों/जोड़ियों को बुलाया गया था। पांच महिला एकल खिलाड़ियों के क्वालीफाई होने के साथ-जापान की तोमोका मियाजाकी, नोजोमी ओखुहारा, रत्वानोक इंतानोन और पुत्री कुसुमा वर्दानी (इंडोनेशिया), थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग और डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन - बाकी तीन जगहों की दौड़ में अन्य खिलाड़ी हैं। 2021 के बाद सिंधु पहली बार वर्ल्ड टूर फाइनल्स में हिस्सा ले रही हैं। 2022 में उन्होंने क्वालीफाई किया था, लेकिन चोट की वजह से उन्हें बाहर होना पड़ा था। वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स महिला एकल खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने 2018 में जापान की नोजोमी ओकुहारा को हराया था। 2019 की वर्ल्ड चैंपियन सिंधु की हालिया हाइलो ओपन में खिताब जीत उनके लिए सीजन के आखिर में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने में अहम साबित हुई। सुपर 500 टाइटल ने उनकी टैली में 9,200 पॉइंट्स जोड़े, जिससे वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड रैंकिंग के लेटेस्ट अपडेट में दो पायदान ऊपर छठे स्थान पर पहुंच गईं। हाइलो ओपन क्राउन इस साल टूर पर सिंधु का दूसरा खिताब था। सिंधु के नाम सात बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल हैं। उन्होंने हाइलो ओपन से पहले फ्रेंच ओपन का फाइनल भी खेला था।

- सिंधु बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला बनी



राफिन्हा व यामल की मदद से बार्सिलोना ने एस्टन विला को 3-0 से हराया

बार्सिलोना, 4 नवम्बर (एजेंसियां)। बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग में एस्टन विला के लगातार जीत के सिलसिले को रोक दिया है। कैंप नोउ में खेले गए मुकाबले में बार्सिलोना ने एस्टन विला पर 3-0 से शानदार जीत दर्ज की। बार्सिलोना ने जोआओ गोम्स की डिफेंसिव चूक का फायदा उठाकर सातवें मिनट में ही बढ़त बना ली। बॉक्स के अंदर मिडफील्डर की गलत जगह पर गिरी गेंद यामल के पास आई। यामल मौका नहीं चूके और टीम के लिए पहला गोल कर दिया। यामल का यह 14वां चैंपियंस लीग गोल था। इस गोल के साथ वह कॉम्पिटिशन में एम्बाप्पे को पीछे छोड़ते हुए सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उनाई एमरी की टीम शुरुआती झटके से घबराई नहीं और इंटरवल से पहले बराबरी करने के कई मौके बनाए। मैटी कैश और विक्टर लिंडेलोफ दोनों ने बार्सिलोना के डिफेंस को परखा, जबकि जोहान मंजांबी और गोम्स भी गोल करने के करीब पहुंच गए। हालांकि, गोलकीपर जोआन गार्सिया और होम डिफेंस ने विला को दूर रखा। बार्सिलोना ब्रेक के बाद ज्यादा आक्रामक दिखी और 52वें मिनट में अपनी बढ़त बढ़ा ली। राफिन्हा ने पेनल्टी एरिया के बाहर से एक लो शॉट मारा, जो पाउ टोरेस से डिफ्लेक्ट होकर सुजुकी के गलत पैर से लग गया और नेट में चला गया। 64वें मिनट में, जोआओ कैंसेलो ने लेफ्ट फ्लैंक से एक शानदार डिलीवरी की, जिससे राफिन्हा को पोजीशन में आने और शाम के अपने दूसरे गोल के लिए करीब से गोल करने का मौका मिला।



SENSEX BSE 77301.40 ▲383.55-- NSE 23960.60 ▲ 149.75 MCX Gold 142684 ▲3232 silver 186735 ▲ 7037

देशबन्धु

अर्थ जगत

अब गूगल ने दिया कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने का ऑफर

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के बाद अब गूगल ने भी अपने कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने का ऑफर दे दिया है. रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में गूगल अपने कर्मचारियों के लिए 'बायआउट ऑफर' लेकर आया है. जिसके जरिए कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने के लिए ऑफर किया जा रहा है. ये ऑफर कई अन्य देशों तक बढ़ाने का फैसला भी किया गया है. कंपनी ने ये फैसला अन्य खर्चों की कटौती और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर भारी निवेश के मद्देनजर किया है.गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ने रॉयटर्स से बातचीत कर इस खबर की पुष्टि की है.



धनतेरस से पहले चढ़ने लगा सोने का रंग, 4800 रुपये महंगा हुआ सोना



चांदी की कीमतों में भी 9000 रुपये की भारी तेजी

नई दिल्ली। *धनतेरस से ठीक पहले दिल्ली के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल देखने को मिला।*

त्योहारी मांग बढ़ने और वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं के भाव में तेज सुधार के बीच सोना 4800 रुपये बढ़कर 1,46,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, बुधवार को दिल्ली के सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 4800 रुपये की लंबी छलांग के साथ 1,46,600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मंगलवार को सोने का भाव 1,41,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

चांदी के भाव में 9000 रुपये की जोरदार तेजी- सोने के अलावा, आज चांदी की कीमतों में भी जबरदस्त तेजी रही। बुधवार को चांदी का भाव 9000 की बंपर तेजी के साथ 1.93 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। जबकि, मंगलवार को इसका भाव 1.84 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट सौमिल गांधी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत सुधार और घरेलू बाजार में त्योहारी मांग बढ़ने से बुधवार को सोने-चांदी की कीमतों में तेजी आई।

अक्टूबर में 8 प्रतिशत गिरा सोने का भाव - ब्रिकवर्क रेटिंग्स के रिसर्च हेड प्रमुख राजीव शरण के अनुसार, अक्टूबर में अपने उच्चतम स्तर से सोने की कीमतों में करीब 8 प्रतिशत की गिरावट आई थी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती, बॉन्ड पर यील्ड बढ़ने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कमजोर पड़ने के कारण हाल में सोने की कीमतों में गिरावट आई थी। इससे कारोबारियों ने मुनाफावसूली की।

पिछले साल धनतेरस पर 65 प्रतिशत महंगा हो गया था सोना- एक जानकार ने कहा कि पिछले धनतेरस के मुकाबले इस बार सोने की कीमतों में अपेक्षाकृत कम तेजी आई है। पिछले त्योहारी सत्र के बाद से सोना 5 से 7 प्रतिशत ही महंगा हुआ है, जबकि पिछले धनतेरस पर इसकी कीमतों में सालाना आधार पर करीब 65 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी जोरदार तेजी- अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतों में जोरदार तेजी रही। हाजिर सोना 113.72 डॉलर यानी 3 प्रतिशत चढ़कर 4043.93 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया और फिर से 4000 डॉलर के स्तर के पार चला गया। चांदी भी 4.5 प्रतिशत बढ़कर 52.03 डॉलर प्रति औंस हो गई। मिराए एसेट शेयरखान के कमोडिटी हेड प्रवीण सिंह ने कहा कि अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत के बाद डॉलर कमजोर हुआ।

प्राकृतिक हीरा उद्योग: वित्त वर्ष 27 में राजस्व 15 अरब डॉलर रहने का अनुमान : क्रिसिल



मुंबई। *भारत में बीते कुछ वर्षों में हीरे की बिक्री को बढ़ाने के लिए जोर दिया जाता रहा है, लेकिन क्रिसिल द्वारा जारी एक रिपोर्ट से पता चला है कि, भारत में नेचुरल (प्राकृतिक हीरे) उद्योग चालू वित्त वर्ष में उद्योग का राजस्व 14.8-15.2 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जो पिछले साल के स्तर के लगभग बराबर ही है। यह वैश्विक मांग में असमान सुधार को दर्शाता है, हालांकि पिछले 3 वित्त वर्षों में देखी गई गिरावट के रुझान की तुलना में अब स्थिति स्थिर होती दिख रही है।*

क्रिसिल रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा है, इस वित्त वर्ष में भारत का प्राकृतिक हीरा उद्योग व्यापक सुधार के बजाय राजस्व में स्थिरता रहने की उम्मीद है। घरेलू स्तर पर मजबूत मांग निर्यात में आई कमजोरी की भरपाई करने में मदद करेगी। वहीं, लैब में तैयार हीरे शुरुआती स्तर की मांग में बदलाव ला रहे हैं, जबकि प्राकृतिक हीरे अपना आकर्षण बनाए हुए हैं। हालांकि मुनाफे पर दबाव बना रहेगा और कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की जरूरतें अधिक रहेंगी, लेकिन आपूर्ति में अनुशासन और समझदारी भरे वित्तीय प्रबंधन से क्रेडिट प्रोफाइल को स्थिर बनाए रखने में मदद मिलने की संभावना है।

इस वित्त वर्ष में घरेलू रेवेन्यू में कितनी वृद्धि का अनुमान?- वित्त वर्ष 2024 में, घरेलू बाजार का हिस्सा उद्योग के कुल राजस्व में 15 प्रतिशत से भी कम था, लेकिन अब यह कुल बिक्री का लगभग एक-चौथाई हो गया है। इससे कुछ चुनिंदा एक्सपोर्ट बाजारों पर इंडस्ट्री की निर्भरता कम हुई है। संगठित रिटेल के विस्तार, ग्राहकों की बढ़ती मांग और कुछ प्रीमियम उत्पादों की मांग के चलते, इस वित्त वर्ष में घरेलू रेवेन्यू में 12-15 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। इसके विपरीत, अमेरिका और चीन जैसे प्रमुख बाजारों में आभूषणों की मांग कम रहने के की वजह से आयात में 5-7 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है और यह लगभग 11.5 अरब डॉलर तक रह सकता है। लैब-ग्रोन डायमंड्स ने अमेरिकी आभूषण बाजार में, खासकर छोटे और शुरुआती स्तर के सेगमेंट में, अपनी मजबूत जगह बना ली है। इसकी वजह इनकी किफायती कीमत और ग्राहकों के बीच बढ़ती स्वीकार्यता है। वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में, निर्यात की मात्रा (वॉल्यूम) में लैब ग्रोन की हिस्सेदारी लगभग 55 प्रतिशत थी, लेकिन निर्यात मूल्य में यह केवल 10.5 प्रतिशत रही।

50 रुपये महंगा हुआ अमूल घी, 100 ग्राम मक्खन की कीमतों में 3 रुपये की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। अमूल ने दीपावली से ठीक पहले घी और मक्खन की कीमतें बढ़ा दी हैं। अमूल ने 1 किलो घी के कार्टन की कीमत 50 रुपये बढ़ाकर 680 रुपये कर दी है, जिसकी कीमत पहले 630 रुपये थी।

इसके अलावा, देश के सबसे बड़े डेयरी ब्रांड ने 500 ग्राम मक्खन की कीमत 15 रुपये बढ़ा दी है। घी और मक्खन की कीमतों में ये बढ़ोतरी ऐसे समय में की गई है जब कई बाजारों में अमूल के गाय के घी की मांग बढ़ गई है और इसकी कमी भी देखी जा रही है।

मिलावटी उत्पादों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद ब्रांडेड घी की मांग बढ़ी- इसके अलावा, कीमतों में ये बदलाव ऐसे समय में आया है जब गुजरात और पड़ोसी राज्य राजस्थान में मिलावटी उत्पादों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद ब्रांडेड घी की मांग बढ़ गई है। अमूल द्वारा बढ़ाई गई कीमतों के बाद, सितंबर 2025 में जस्ज्ञ घटाए जाने से जो राहत मिली थी, वो अब काफी हद तक कम हो गई है। जानकारी के मुताबिक, अमूल के 1 किलो घी के कार्टन की कीमत 630 रुपये से बढ़कर 680 रुपये हो गई है। शुद्ध घी के 500 ग्राम पाउच की कीमत 325 रुपये से बढ़कर अब 345 रुपये हो गई है।

दिवाली पर महंगाई की मार!

चीनी 30 प्रतिशत महंगी, प्याज के दाम हुए दोगुना

नई दिल्ली। *बाजारों में जगमगाती लाइटें दिवाली के आने का संकेत दे रही हैं, लेकिन सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद चीनी और प्याज के दाम कम नहीं हुए हैं। पिछली दिवाली के मुकाबले इस बार लोगों को चीनी के लिए करीब 30 फीसदी और प्याज के लिए लगभग दोगुनी कीमत चुकानी पड़ रही है। फिलहाल खुदरा बाजार में चीनी और प्याज की औसत कीमत करीब 60 रुपये प्रति किलोग्राम है। नई फसल की आवक और मांग को देखते हुए माना जा रहा है कि बढ़ी हुई कीमतों से राहत अब दिवाली के बाद ही मिलेगी।*

सरकारी पहरेदारी के बावजूद महंगी हुई चीनी- त्योहारों के दौरान चीनी की कमी दूर करने के लिए सरकार की कोशिशों के बावजूद खुदरा और थोक बाजारों में इसकी कीमतें बढ़ रही हैं। पिछले एक महीने में चीनी के दाम चार रुपये प्रति किलोग्राम से ज्यादा बढ़ गए हैं।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 59.50 रुपये प्रति किलोग्राम और थोक बाजार में 55.40 रुपये प्रति किलोग्राम रही।



पिछले साल के मुकाबले चीनी के दाम 12 से 13 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ गए हैं। एक साल पहले खुदरा बाजार में चीनी 46.50 रुपये प्रति किलोग्राम और थोक बाजार में 43.23 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही थी।

महानगरों में बढ़ी चीनी की मिठास- तीन नवंबर को महानगरों में चीनी सबसे महंगी कोलकाता में बिक रही थी। यहां खुदरा बाजार में चीनी की कीमत 65 रुपये प्रति किलोग्राम रही, जबकि एक साल पहले यह 50 रुपये थी। इसके बाद दिल्ली में चीनी का भाव 64 रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जो पिछले साल 46 रुपये था। वहीं, मुंबई में चीनी 61 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही थी, जबकि एक साल पहले इसकी कीमत 45 रुपये थी। चीनी के दाम बढ़ने की सबसे बड़ी वजह 2025-26 में उत्पादन पहले के अनुमान से कम रहना है। इसके अलावा त्योहारों के दौरान बढ़ती मांग, फसल को नुकसान, दुनिया भर में चीनी की सप्लाई में कमी और जमाखोरी के कारण भी कीमतों पर दबाव बढ़ा है।

दिवाली के बाद सस्ती होगी चीनी- चीनी की कीमतें कम करने के लिए सरकार ने भंडारण की सीमा तय करने, आयात बढ़ाने, बाजार पर कड़ी नजर रखने और गन्ने की पेराई जल्दी शुरू कराने जैसे कई कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ लिमिटेड (एनएफसीएसएफ) के मुताबिक, भारत में 2026-27 के चीनी सत्र (अक्टूबर से सितंबर) के पहले महीने में 8.45 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। इससे त्योहारों के दौरान घरेलू बाजार में चीनी की सप्लाई बढ़ी

प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री पर रोक

नई दिल्ली। दीपावली और छठ महापर्व अब काफी करीब आ चुके हैं। उत्तर भारत के दो सबसे बड़े त्योहारों की वजह से देश के कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भारी संख्या में यात्री ट्रेन पकड़ने के लिए आ रहे हैं। आने वाले दिनों में यात्रियों की इस संख्या में और भी ज्यादा इजाफा होने की उम्मीद है। भारतीय रेल के मध्य रेलवे जोन ने रेलवे स्टेशनों पर भीड़ को काबू करने की दिशा में प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री पर अस्थाई रोक लगा दी है।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	94. 64
एक यूरो	106. 33
एक ब्रिटिश पाउंड	127. 89
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	66. 24
एक जापानी येन	00. 59

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 112 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 134 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-144 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स - 80 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 180 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

सराफा बाजार

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-143700 चांदी-187000

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-143700 चांदी-187000

दाल- चावल भाव

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338
प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 9000-10000, मीडियम बोल्ड 10000-11500, फाइन 12500-13000, एक्स्ट्रा बोल्ड 13500-14000, चना दाल एवरेज 7300-7500 चना दाल मार्का 7500-8000, मसूर दाल एवरेज 7200-7500, मसूर दाल फाइन 7500-8000, उड़द छिलका 8500-9500, फाइन 9500-10000, उड़द धुली 10000-10500, फाइन 11000-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-10000, मूंगदाल धुली 9000- 9500, फाइन 10000-10500। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3200-3300, बेस्ट 3700-3800, बीपीटी चालू 4200-4500,फाइन 4800-5000,एचएमटी-5000-5500 फाइन-6000-6200, जेजेएल चालू 6500-6800, फाइन 7000-7200, बासमती कनकी चालू 3000-3300, बासमती कनकी मीडियम 3800-4000, बेस्ट 4500-5000, मोगरा- 5000-5500, दुबार- 5500-6000, तिबार- 7000-7500, बासमती 9000-10000, बेस्ट 10000-12000 पोहा- 4600-4700, फाइन 5200-5500, मुरमुरा- 5500-6000, फाइन-

लोहा भाव

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 6 एम एम 6200, 8 एम एम 5780, 10 एम एम 5600,12 एम एम, 5600 एवं 16 एम 5600 रु.। तार- 77 रु. किलो।

भारतीय शेयर बाजार की धीमी चाल, सेंसेक्स में 119 अंक की बढ़त

नई दिल्ली। *भारतीय शेयर बाजार में लगातार तूफानी तेजी के बाद आज हल्की गिरावट के साथ शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 64.74 अंक, 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,853.11 पर खुला।*

वहीं निफ्टी 68.60 अंक, 0.29 प्रतिशत फिसलकर 23,742.25 पर कारोबार की शुरुआत की। खबर लिखते समय तक कारोबार में दोनों बेंचमार्कों में तेजी दर्ज की गई। सेंसेक्स 119 अंको की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है और निफ्टी में 29 अंक का उछाल देख गया है। एशियाई बाजारों में आईटी शेयरों पर दबाव और ढ्ढ पर बढ़ते खर्च को लेकर चिंताओं के बीच वैश्विक संकेत मिलेजुले रहे, जिसका असर घरेलू बाजार पर भी देखने को मिला। निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी में 0.79 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा मेटल, ऊर्जा,



प्राइवेट बैंक और पीएसयू बैंक शेयरों में भी कमजोरी देखने को मिली।

हेल्थकेयर और फार्मा शेयरों ने बाजार को कुछ सहारा दिया। निफ्टी 500 हेल्थकेयर, निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स और निफ्टी फार्मा सूचकांक में 0.23 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई, जिससे इस क्षेत्र में निवेशकों की रुचि बनी रही।

एफआईआई में निवेशकों का रुख- बाजार एक्सपर्ट का कहना है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुख में बदलाव ने निवेशकों की धारणा को सकारात्मक बनाया है। पिछले छह कारोबारी सत्रों में से पांच में एफआईआई खरीदार रहे हैं और उन्होंने कुल 18,661 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। मजबूत कॉर्पोरेट नतीजे और लार्जकैप शेयरों का आकर्षक मूल्यांकन बाजार को बुनियादी समर्थन प्रदान कर रहा है।

एप्पल के शेयरों में गिरावट- वैश्विक स्तर पर अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए। नैस्डैक में मजबूती देखने को मिली क्योंकि एआई क्षेत्र की बड़ी कंपनियों में खरीदारी लौटी। कमजोर तिमाही नतीजों के बाद एप्पल के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

सुरुचि ग्रुप ऑफ कंपनीजः स्वाद और गुणवत्ता का भरोसेमंद नाम

नागपुर। सुरुचि ग्रुप ऑफ कंपनीज भारतीय रसोई के स्वाद और परंपरा को नए आयाम दे रहा है। कंपनी की उत्पाद श्रृंखला में गुलाब जामुन एवं शाही गुलाब जामुन इंस्टेंट मिक्स के साथ विभिन्न प्रकार के इंस्टेंट मिक्स, प्रीमिक्स, ग्रेवी मिक्स, चाइनीज सॉस, केचप, मसाले, खड़े मसाले, पापड़, अचार और हींग जैसे अनेक उत्पाद शामिल हैं।

कंपनी का उद्देश्य आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप स्वादिष्ट व्यंजन तैयार करना आसान बनाना है। इसके उत्पाद घरों के साथ-साथ रसोई की दैनिक जरूरतों को भी ध्यान में रखकर तैयार किए जाते हैं। वो मिठास जो परिवार को एक साथ बांधती



है । "वो मिठास जो परिवार को एक साथ बांधती है" के संदेश के साथ सुरुचि ने गुलाब जामुन और शाही गुलाब जामुन इंस्टेंट मिक्स को खास पहचान दी है। इन उत्पादों के माध्यम से घर पर आसानी से पारंपरिक मिठाइयों का स्वाद लिया जा सकता है। स्वाद, सुविधा और भारतीय खाद्य परंपरा का संगम सुरुचि की पहचान है।

गन्ने के बाद चावल से भी एथेनॉल बनाने पर पाबंदी, मक्के की मांग 22 फीसदी बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली। *देश में सूखे की स्थिति और खाद्यान्न उत्पादन घटने की बढ़ती आशंका को देखते हुए सरकार ने एथेनॉल उद्योग पर निगरानी बढ़ा दी है। एथेनॉल बनाने के लिए गन्ने के इस्तेमाल पर रोक लगाने के बाद केंद्र सरकार ने अब भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास मौजूद अतिरिक्त चावल और खराब हो चुके अनाज से एथेनॉल बनाने की सीमा भी तय कर दी है।*

सरकार के इस फैसले से एथेनॉल बनाने वाली कंपनियों की मक्के पर निर्भरता बढ़ेगी। इसका असर पोल्ट्री, डेयरी और स्टार्च उद्योग पर भी पड़ेगा। उद्योग जगत के अनुमान के मुताबिक, 2026-27 में एथेनॉल बनाने के लिए मक्के की मांग करीब 1.6 करोड़ टन तक पहुंच सकती है, जबकि मौजूदा आपूर्ति वर्ष में यह करीब 1.3 करोड़ टन रहने का अनुमान है।

3 नवंबर को जारी संशोधित टेंडर की शर्तों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तीन तिमाहियों में एफसीआई के अतिरिक्त चावल से अधिकतम 324 करोड़ लीटर एथेनॉल बनाया जा सकेगा। वहीं, खराब हो चुके अनाज से पूरे साल में अधिकतम 160 करोड़ लीटर एथेनॉल बनाने की



अनुमति होगी। इस तरह दोनों स्रोतों से कुल मिलाकर अधिकतम 484 करोड़ लीटर एथेनॉल बनाया जा सकेगा। यह तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) की ओर से जारी 1,100 करोड़ लीटर के कुल टेंडर का करीब 44 फीसदी है।

चावल से एथेनॉल बनाने पर लगा दी शर्तें- सरकार ने एफसीआई के अतिरिक्त चावल के इस्तेमाल को लेकर उत्पादकों के लिए अलग-अलग सीमाएं तय की हैं। कोई भी कंपनी एक तिमाही में जितना एथेनॉल सप्लाई करने की पेशकश करेगी, उसमें एफसीआई के चावल से बने एथेनॉल की हिस्सेदारी 30 फीसदी से ज्यादा नहीं हो सकती। इस स्रोत से सभी कंपनियों को मिलाकर हर तिमाही में अधिकतम 108 करोड़ लीटर एथेनॉल का आवंटन किया जाएगा। पहली तीन तिमाहियों के लिए यह सीमा कुल 324 करोड़ लीटर होगी। अगर कंपनियां तय सीमा से ज्यादा एथेनॉल सप्लाई करने की पेशकश करती हैं, तो तेल कंपनियां सभी बोली लगाने वाली कंपनियों की पात्र मात्रा में उसी अनुपात में कटौती करेंगी। 324 करोड़ लीटर एथेनॉल की यह सीमा सरकार की ओर से एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम के लिए दिए गए 72 लाख टन अतिरिक्त चावल के बराबर है। संशोधित टेंडर के मुताबिक, यह आवंटन 30 जून, 2027 तक मान्य रहेगा। कृषि बाजार विशेषज्ञ जीके सूद ने कहा कि कम गुणवत्ता वाले अनाज का इस्तेमाल पशुओं के चारे के साथ-साथ इंसानों के खाने के लिए भी होता है।

देशबन्धु
ग्राहक सेवा

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु कॉम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

समदड़िया आभूषण में शानदार प्री-बुकिंग ऑफर





जबलपुर, देशबन्धु। समदड़िया आभूषण सराफा बाजार में एक जाना-माना नाम है। इस प्रतिष्ठान की लोकप्रियता न सिर्फ जबलपुर में, बल्कि प्रदेश के प्रमुख जिलों जैसे कटनी, रीवा व सतना तक फैल चुकी हैं। समदड़िया आभूषण ने अपने ग्राहकों को इस बार भी फेस्टिवल सीजन को देखते हुये गोल्ड ज्वेलरी पर बेजोड़ प्री-बुकिंग ऑफर की सौगात अपने ग्राहकों को दी हैं । इस ऑफर के तहत जैसे ग्राहक आज के भाव पर सोने के गहने की बुकिंग करते हैं तो भाव कम होने पर कम भाव में और बढ़ने पर बुकिंग भाव में गहने खरीद सकते हैं। समदड़िया आभूषण के शोरूम में गोल्ड ज्वेलरी में लाईटवेट व हैवीवेट ज्वेलरी की शानदार श्रृंखला पूरी रेंज में ग्राहकों के लिए पेश की गई है। इसके अलावा एन्टिक व डायमंड ,चांदी ज्वेलरी, के साथ चांदी के बर्तन, मूर्तियां, सोने-चांदी के सिक्के का भी मनमोहक कलेक्शन ग्राहकों के लिए उपलब्ध है । समदड़िया आभूषण के संचालक पवन समदड़िया ने बताया कि समदड़िया आभूषण की लोकप्रियता की प्रमुख वजह शुद्धता, पारदर्शिता और उचित दाम है। चाहे गोल्ड, डायमंड, सिल्वर ज्वेलरी हो या फिर प्लेटिनम ज्वेलरी व सभी राशियों के राशि रत्न हों, इन सभी की खरीदी पर ग्राहकों को पूर्ण संतुष्टि का अहसास होता है। यहीं वजह हैं कि समदड़िया आभूषण की लोकप्रियता न सिर्फ जबलपुर में बल्कि मध्यप्रदेश के अन्य जिलों में भी फैलती जा रही हैं ।

जबलपुर में समदड़िया आभूषण के दो शो-रूम है। पहला शो-रूम समदड़िया मॉल में स्थित है, दूसरा शो-रूम सराफा बाजार में स्थित है। जबकि कटनी व सतना में एक-एक शो-रूम तथा रीवा में दो शो-रूम हैं। इसके अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में भी समदड़िया आभूषण के विस्तार की योजना है।

कोठारी ज्वेलर्स में आकर्षक फेस्टिवल ऑफर्स, बनवाई चार्ज पर भारी छूट





जबलपुर, देशबन्धु। किंग्सवे केन्ट, सदर बाजार मेनरोड स्थित कोठारी ज्वेलर्स ने इस बार फेस्टिवल सीजन को देखते हुये गोल्ड ज्वेलरी पर प्री-बुकिंग ऑफर अपने ग्राहकों के लिए पेश किया हैं ।

प्री-बुकिंग ऑफर के तहत जैसे ग्राहक आज के भाव पर सोने के गहने की बुकिंग करते हैं तो भाव कम होने पर कम भाव में और बढ़ने पर बुकिंग भाव में गहने खरीद सकते हैं। यही नही सभी गोल्ड ज्वेलरी के मेकिंग चार्जेस पर फ्लैट 25 प्रतिशत का डिस्काउंट का ऑफर भी ग्राहकों को दिया जा रहा हैं । दूसरी तरफ सभी डांयमड ज्वेलरी के मेकिंग चार्जेस पर फ्लैट 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही हैं । कोठारी ज्वेलर्स के संचालक आशीष कोठारी ने बताया कि हमारा सदैव यही ध्येय रहता है कि ग्राहको को उनके बजट अनुरुप गहनें मिले, चाहे गोल्ड व सिल्वर ज्वेलरी हो या फिर डांयमड ज्वेलरी हो ।

ग्राहको की संतुष्टि और अटूट विश्वास से ही कोठारी ज्वेलर्स ने अपनी अलग पहचान बनाई हैं। उन्होंने बताया कि त्यौहारी सीजन में सोने-चांदी के सिक्कों की मांग बढ़ी हैं, जिसको देखते हुये कोठारी ज्वेलर्स ने अपने ग्राहकों के लिए सिक्कों की शानदार रेंज शोरुम में संजोयी हैं । शोरूम में गोल्ड ज्वेलरी में लाईटवेट ज्वेलरी की शानदार श्रृंखला पूरी रेंज में ग्राहकों के लिए पेश की गई है। इसके अलावा एन्टिक व डायमंड ,चांदी ज्वेलरी, के साथ चांदी के बर्तन, मूर्तियां, सोने-चांदी के सिक्के का भी मनमोहक कलेक्शन ग्राहकों के लिए उपलब्ध है ।

मौसम शुष्क रहने का अनुमान, तापमान में हल्की बढ़ोतरी

जबलपुर, देशबन्धु। शहर में मौसम का मिजाज फिलहाल शुष्क बना हुआ है। मौसम विज्ञान कार्यालय जबलपुर के अनुसार, 4 नवंबर को शहर का अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य के आसपास है। सुबह के समय आर्द्रता 74 प्रतिशत और शाम के समय 56 प्रतिशत दर्ज की गई।

पिछले 24 घंटों में बारिश दर्ज नहीं की गई। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, आगामी समय में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। आसमान साफ रहने के साथ बारिश के आसार नहीं हैं। वहीं हवाओं की दिशा उत्तर-पूर्वी रहने और लगभग 3 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने का अनुमान है। तापमान में फिलहाल किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं जताई गई है।

रिवर इंडी जेन-3 इलेक्ट्रिक स्कूटर की खूबियां चर्चा में, दिवाली ऑफर्स



जबलपुर, देशबन्धु। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के बाजार में रिवर इंडी जेन-3 अपने आधुनिक डिजाइन, बेहतर स्टोरेज क्षमता और उपयोगी फीचर्स के साथ ग्राहकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। स्कूटर में 4 Kwh की बैटरी, 90 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति और 55 लीटर की स्टोरेज क्षमता दी गई है।

जबलपुर में मॉल 11 शोरूम के पास, मदन महल स्थित खटवानी रिवर के मैनेजर नीरज ढिमोले ने बताया कि खटवानी रिवर एकमात्र अधिकृत डीलर हैं,अप्रैल 2026 में इसकी शुरुआत हुई थी और कुछ महीनों में ही रिवर इंडी इलेक्ट्रिक स्कूटर ने शहर में धूम मचा दी है। ग्राहक इस स्कूटर की भरपूर प्रशंसा कर रहे हैं। कंपनी ने फेस्टिवल सीजन को देखते हुए दिवाली ऑफर्स पेश किये है। कंपनी द्वारा 3 हजार रुपए का कैश डिस्काउंट और 3 हजार रुपए का एक्सचेंज बोनस रिवर इंडी जेन-3 इलेक्ट्रिक टू व्हीलर स्कूटर में दिया जा रहा है। यह ऑफर सीमित समय 10 नवबंर तक के लिए रखा गया है। स्कूटर में 14 इंच के अलॉय व्हील, आगे और पीछे डिस्क ब्रेक तथा ड्यूल सस्पेंशन जैसी सुविधाएं मिलती हैं। कंपनी के उत्पाद कैटलॉग के अनुसार, इसकी रेंज 70 से 110 किलोमीटर तक बताई गई है, जो ड्राइविंग मोड और उपयोग की परिस्थितियों पर निर्भर करती है। इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट डिस्प्ले, एलईडी लाइटिंग,यूएसबी टाइप-सी पोर्ट और एलईडी टेल लाइट जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं। परफॉर्मेंस के लिहाज से स्कूटर में 6.7 Kw की पीक पावर और 26 Nm का अधिकतम टार्क दिया गया है। इसकी बैटरी को 0 से 80 प्रतिशत तक चार्ज करने में लगभग 5 से 8 घंटे लगने का दावा कैटलॉग में किया गया है।

कछपुरा मालगोदाम में प्रदूषण पर एनजीटी सख्त

जबलपुर, देशबन्धु। कछपुरा रेलवे मालगोदाम में खाद्यान्न के अलावा सीमेंट, कोयला, खाद और आयरन ओर की लोडिंग-अनलोडिंग से फैल रहे प्रदूषण पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने सख्ती दिखाई है। नागरिक उपभोक्ता मंच की अवमानना याचिका पर रेलवे और मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोटिस जारी कर मालगोदाम की मौजूदा स्थिति और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की रिपोर्ट तलब की है। मामले की अगली सुनवाई 8 जनवरी 2027 को होगी। याचिकाकर्ता का आरोप है कि कछपुरा मालगोदाम में केवल खाद्यान्न की लोडिंग-अनलोडिंग की अनुमति है, लेकिन इसके बावजूद लंबे समय से सीमेंट, कोयला, खाद और आयरन ओर जैसी अन्य सामग्री का भी परिवहन किया जा रहा है।

घर में सो रही किशोरी को उठा ले गया तेंदुआ

शहडोल, देशबन्धु। जिले में जंगली जानवरों का आतंक एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के तगावर गांव के बिजाहरा टोला में घर के बाहर परछी में अपनी बहन के साथ सो रही 15 वर्षीय किशोरी को तेंदुआ उठाकर ले गया। कुछ देर बाद घर से करीब 300 मीटर दूर झाड़ियों में उसका क्षत-विक्षत शव मिला। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। वन विभाग और पुलिस की टीमें तेंदुए की तलाश में जुटी हैं।

300 मीटर दूर मिला शव

जानकारी के अनुसार सरस्वती सिंह गोंड अपनी बहन के साथ घर की परछी में सो रही थी। उनकी मां घर के अंदर बने कमरे में सो रही थीं। बताया गया कि घर में दरवाजा नहीं लगा था। इसी दौरान तड़के तेंदुआ घर में घुसा और सरस्वती को उठाकर ले गया। सुबह जब साथ सो रही बहन की नींद खुली तो बिस्तर पर सरस्वती नहीं मिली। उसने मां को जगाया। इसके बाद मां-बेटी ने उसकी तलाश शुरू की। घर से कुछ दूरी पर कंबल मिला, जबकि करीब 300 मीटर दूर झाड़ियों में सरस्वती का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ।

रानी कमलापति-गोरखपुर के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

जबलपुर, देशबन्धु। त्योहारी सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ और यात्रा की मांग को देखते हुए पश्चिम मध्य रेल ने रानी कमलापति और गोरखपुर के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में एक-एक फेरा लगाएगी।

रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति-गोरखपुर स्पेशल 7 नवंबर को रानी कमलापति स्टेशन से शाम 6:45 बजे रवाना होगी। यह विदिशा, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, मनकापुर , बस्ती और खलीलाबाद होते हुए दोपहर 12:30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01664 गोरखपुर-रानी कमलापति स्पेशल 9 नवंबर को सुबह 7:50 बजे गोरखपुर से रवाना होगी।

